राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 215 पटना (बिहार) शुक्रवार, 06 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति', बिहार पहुंचने से पहले CM नीतीश पर राहुल का अटैक

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नालंदा/गया/पटनाः पांच महीने में छठी बार राहुल गांधी शुक्रवार को (6 जून) बिहार आ रहे। अब बिहार का सियासी पारा हाई हो गया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लालू परिवार और गांधी परिवार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इन दोनों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। एक ने देश को लूटा, तो दूसरे ने बिहार को लूटा। हालांकि, राहुल गांधी भी प्रोपर काउंटर कर रहे हैं। इस उन्होंने अपना प्रोग्राम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में रखा है। राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि बिहार में 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'डबल इंजन' सरकार राज्य को सुरक्षा, सम्मान और विकास नहीं दे पाई। उन्होंने ये दावा भी किया कि नीतीश सरकार न्याय नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे एक चिकित्सक की आरोपियों द्वारा कथित तौर पिटाई किए जाने की घटना और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से संबंधित वीडियो को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, '20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन, यही नीतीश-भाजपा सरकार की असली पहचान बन चुकी है।' उन्होंने दावा किया कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, 'नीतीश सरकार 'न्याय' नहीं, सिर्फ 'सत्ता' की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।' उन्होंने दावा किया, 'अब बहुत हुआ। समय आ गया है कि हम अन्याय के इस चक्र को तोड़ें और बिहार को सुरक्षा, स्वाभिमान और सम्मान की राह पर आगे ले चलें।' राहुल गांधी ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का वीडियो साझा करते एक अन्य पोस्ट में कहा, 'बिहार की स्थिति बेहद भयावह है। एक तरफ, असंवेदनशीलता की हर सीमा को पार करते हुए, बलात्कार पीड़िता की मौत से टूटे परिजनों को बिहार सरकार के मंत्री (सिन्हा) धक्का मारते हैं - 'बेटे की कसम' दिलाकर न्याय मांगने वालों का अपमान करते हैं।' उन्होंने दावा किया, 'दूसरी तरफ, एक भाजपा नेता मुझे अपमानित करने की कोशिश में बिहार की माताओं, बहनों और गुरुओं को अभद्र भाषा से निशाना बना रहे हैं। सत्ता की भूख ने इनकी संवेदनाएं छीन ली हैं। कुर्सियों की चमक ने इनकी आंखें बंद कर दी हैं।' कांग्रेस नेता ने

सवाल किया कि क्या ऐसे लोग महिलाओं की सुरक्षा करेंगे और शिक्षकों को सम्मान देंगे? फिर से कहूंगा - नीतीश सरकार अब 'न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता' की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। बताया गया है कि राहुल गांधी गया एयरपोर्ट से सुबह 10.30 में माउंटेन मैन दशरथ मांझी के गांव गहलौर जाएंगे। जहां वो उनके परिवार से मिलेंगे। यहां पर लोगों से बातचीत करेंगे। फिर राहुल गांधी गया के इम्पेरियल ड्रीम्स में महिला संवाद करेंगे। आखिर में वो महाबोधि मंदिर जाएंगे, जहां वो पूजा में शामिल होंगे। फिर राजगीर के लिए रवाना हो जाएंगे। वहीं, पटना में तेजस्वी यादव द्वारा बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने क्या बदला? उन्होंने यहां तक सवाल किया कि तेजस्वी यादव क्या थे? उन्होंने किया क्या? वह बेचारा कुछ नहीं थे अपने डिपार्टमेंट में तो लालू यादव का परिवार सिर्फ घोटाला किया है। इससे ज्यादा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार का सुशासन रहा है, वहीं सुशासन आगे भी चलेगा। राहुल गांधी के बिहार आगमन पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'आने दीजिए। देखना चाहिए कि बिहार कैसे बदला। उनके पिता, उनकी दादी, उनकी माता 'सुपर पीएम', उनकी परदादी देश को लूटा।' दरअसल, राहुल गांधी, पीएम मोदी के बिहार दौरे के करीब एक हफ्ते बाद 6 जून को नालंदा पहुंच रहे। सीएम नीतीश के गढ़ में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के वोट बैंक में सेंधमारी करने की कोशिश करेंगे। गया एयरपोर्ट पर राहुल गांधी उतरेंगे, वहां दशरथ मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। दशरथ मांझी के परिवार से राहुल गांधी की मुलाकात भी होगी। महिलाओं के साथ संवाद का भी कार्यक्रम है। फिर गया से राहुल गांधी राजगीर के लिए रवाना होंगे। राजगीर में अतिपिछड़ा संवाद को संबोधित करेंगे। पिछले पांच महीनों में राहुल का ये छठा बिहार दौरा है। राहुल गांधी की स्ट्रैटजी बिहार में लालू भरोसे रहने की नहीं है। लिहाजा, उन्होंने इस बार अपने प्रोग्राम के लिए नीतीश के गढ़ को चुना। वैसे, पीएम मोदी का दौरा सिवान में फिक्स हो गया है।

कहां है डीएम? इधर आओ, दरभंगा में अचानक मंच से ढूंढने लगे CM नीतीश

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

दरभंगाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा में शहीद सूरज नारायण सिंह की स्मृति सभा में शिरकत की. नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर में शहीद सूरज नारायण सिंह की प्रतिमा लगाने और उनके नाम पर चौक का नाम रखने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि उनके सामने पांच मांगें रखी गई है, जिसमें से इस एक मांग को अपनी स्वीकृति देते हैं. सीएम ने कहा कि अभी जिलाधिकारी को बुलाकर प्रतिमा लगाने की निर्देश दे देते हैं. डीएम को ढूंढने लगे सीएमः इसी मांग को मानने के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच से ही दरभंगा के जिलाधिकारी को ढूंढने लगे. मंच से ही आवाज लगाते हुए कहा कि डीएम कहां है? दूर बैठे डीएम ने कहा कि इधर हैं सर. इसके बाद मुख्यमंत्री ने बुलाते हुए कहा, इधर आओ. फिर डीएम कौशल कुमार पीछे से चलते हुए सीएम के बगल में आकर खड़े हो गए. डीएम से क्या बोले मुख्यमंत्री?ः डीएम के आते ही मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि आप सभी लोगों से बातचीत कर लीजिए और उपयुक्त जगह देखकर शहीद सूरज नारायण सिंह जी की आदमकद पूर्ति स्थापित करवा दीजिए. इस पर जिलाधिकारी ने हां में स्वीकृति दी. शहीद सूरज नारायण सिंह जी की आदमकद पूर्ति की स्थापना इसी दरभंगा शहर में उपयुक्त स्थान कर दिया जाएगा. इसी के साथ इन सारी चीजें हमने डीएम को कह दिया है. कहां डीएम है? आओ, देखिये हमने डीएम साहब को भी कह दिया है कि ये सब लोगों से बात कर के जगह देख लीजिए और यहीं पर बहुत तेजी से इंतजाम हो जाएगा.- नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार सम्राट चौधरी को भी खड़े होने को कहाः डीएम को बुलाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी अपने भाषण के दौरान कुर्सी से उठने के लिए कहा. सीएम ने कहा, 'अभी लोग अपनी बात कह रहे थे. ठीक है और हमलोगों से भी मिले हैं. हमलोगों के डिप्टी सीएम भी आए हैं. खड़ा होइये. उनका भी घरवा बगले में ना है. अरे पहले तो एक ही जिला था ना, अब ना अलग हो गया है. अरे बोलिये, हो जाएगा ना? हां तो ठीक है.' आनंद मोहन ने रखी 5 मांगेंः इससे पहले स्वागत भाषण देते हुए पूर्व सांसद आनंद मोहन ने मुख्यमंत्री के सामने पांच सूत्री मांग रखी थी. जिसमें शहीद सूरज नारायण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग भी शामिल है. हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान सिर्फ दरभंगा शहर में शहीद सूरज नारायण सिंह भव्य प्रतिमा लगाने की बार पर अपनी स्वीकृति दी. आपको बताएं कि शहीद सूरज नारायण सिंह आजादी की लड़ाई के साथ-साथ जेपी आदोलन में भी अहम भूमिका निभाई थी.

मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म के आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुरः मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग लड़की से रेप के फरार आरोपी के घर पर बुलडोजर से एक्शन हुआ है। पुलिस को पूरी तरह खुली छूट दी गई है। आरोपियों के खिलाफ लगातार एक्शन हो रहा है। तुर्की थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी मुकेश राय के घर पर कुर्की के दौरान बुलडोजर चलाया गया। आरोपी अभी भी फरार है। लेकिन प्रशासन के बदले रूप से अवश्य ही दबाव बनेगा और आरोपी शीघ्र ही पुलिस की गिरफ्त में हो सकता है। लगातार क्राइम की बढ़ती घटनाओं को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि नाटक करने वाले नाटक करते ही रहेंगे। लेकिन मुख्यमंत्री किसी भी दोषी को बचाने वाले नहीं हैं। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ी तो उनका एनकाउंटर होगा। घर पर बुलडोजर चलेगा। मौके पर ही उन्होंने जिलाधिकारी और एसएसपी के समक्ष ऐलान किया कि प्रभारी मंत्री के रूप में प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रशासनिक एक्शन की वो खुद मॉनिटरिंग करेंगे। आपको बता दें कि टेडी बियर दिलाने के नाम पर 11 वर्षीय बच्ची को अगवा कर रेप किया गया। घटना तुर्की थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां पड़ोस के 'अंकल' ने मासूम बच्ची के विश्वास को तार-तार कर दिया। सूचना पर तुर्की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मुकेश को हिरासत में ले लिया। लेकिन, पुलिस ने उसे महज दो घंटे में यह कहकर छोड़ दिया कि परिजनों ने आवेदन नहीं दिया है। इस पुलिसिया लापरवाही के चलते आरोपी अब फरार हो चुका है। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। इस मामले में मुजफ्फरपुर के एसएसपी सुशील कुमार ने तुर्की थाना प्रभारी समेत तीन पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इस घटना के बाद बिहार में बवाल मचा हुआ है। बीजेपी के एक प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पर संवेदनहीनता का आरोप भी लगा है। कांग्रेस का प्रदर्शन जारी है। विपक्ष पूरी तरह सरकार पर हमलावर है।

बिहार का वन क्षेत्र बढ़कर हुआ 15.05 प्रतिशत, पटना चिड़ियाघर 'ऑक्सीजन मैन' को मिला सम्मान

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः पटना जू में पर्यावरण दिवस के मौके पर एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मौके पर मौजूद मंत्री सुनील कुमार ने पर्यावरण के लिए काम करने वाले 'ऑक्सीजन मैन' राजेश कुमार को 25,000 रुपये की मदद दी। मंत्री ने बिहार को पर्यावरण के मामले में समृद्ध बताया और युवाओं से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि राज्य में वन क्षेत्र बढ़ रहा है और सरकार इको-टूरिज्म को बढ़ावा दे रही है। लोगों से अपने माता-पिता के नाम पर पेड़ लगाने की अपील की गई। मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में बिहार की ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यावरण की समृद्धि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार न केवल ऐतिहासिक धरोहरों की भूमि है, बल्कि पर्यावरण के मामले में भी बहुत समृद्ध है। उन्होंने चिड़ियाघर जैसे संस्थानों को जागरूकता का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि हर साल लाखों लोग यहां से प्रेरणा लेते हैं। मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में हरियाली मिशन, जल-जीवन-

हरियाली और ₹एक घंटा पर्यावरण के नाम₹ जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों से हर वर्ग के लोगों को जोड़ा गया है। बिहार सरकार पर्यावरण को लेकर कितनी गंभीर है, यह बताते हुए मंत्री ने कहा कि 2004 में राज्य का वन क्षेत्र केवल 7.62% था। अब यह बढ़कर 15.05% हो गया है। सरकार का लक्ष्य है कि 2028 तक इसे 17% तक ले जाया जाए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। राजगीर, वाल्मीकि नगर, बोध गया जैसे स्थलों का विकास किया जा रहा है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को पर्यावरण के बारे में जानने का मौका मिलेगा। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ₹एक पेड़ मां के नाम₹ पहल को भी याद किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने माता-पिता, परिवार या पड़ोसियों के नाम पर पौधे लगाएं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगर हर नागरिक प्रतिदिन एक घंटा पर्यावरण को दे, तो बिहार फिर से गौरवशाली बन सकता है। इसका मतलब है कि अगर हर व्यक्ति हर दिन पर्यावरण के लिए थोड़ा समय निकालें, तो बिहार फिर से महान बन सकता है। कार्यक्रम में विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती हरजोत कौर बम्हरा ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों का सहयोग और व्यक्तिगत प्रयास भी जरूरी है। कार्यक्रम में भारतीय वन सेवा के अधिकारी और जू के निदेशक हेमंत पाटिल भी मौजूद रहे।

बमबाजी में चार लोग हुए घायल; डीएसपी कह रही यह अफवाह है

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसराय :बेगूसराय में बेखौफ बदमाशों ने बमबाजी किया जिसमें लगभग 4 लोग घायल हुए हैं। घायलों को जांघ, गर्दन, पैर आदि जगह पर जख्म हए हैं। पहने हुए कपड़ों के चीथड़े उड़ गये हैं। आननफानन में आसपास के लोगों ने जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना बलिया थाना क्षेत्र के ऊपर टोला की है। घटना के कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। कुछ लोगों का कह्लना है कि एक दिन पहले भी यहां गोलीबारी की घटना हुई थी। गुरुवार की शाम हुए बमबाजी की घटना को लेकर कारण का पता नहीं चल पा रहा है। इधर बलिया थाना की पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। डीएसपी ने भी घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि ऊपर टोल में एक मंदिर है, जहां रोज की

तरह कुछ लोग बैठे थे। वहीं कुछ अज्ञात बदमाश अँधेरे में छुपकर आये और बम फेंककर फरार हो गये। घटना के बाद से इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया है। सभी घायलों को बलिया के ही एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। फिलहाल जख्मियों को अस्पताल में खतरे से बाहर बताया जा रहा है।फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है। घटना के संबंध में संबंध में बलिया डीएसपी नेहा कुमारी ने बताया कि घटनास्थल की जांच की गई है। बम जैसा प्रतीत नहीं हो रहा है। लग रहा है, किसी शरारती तत्वों के द्वारा कोई पटाखा फोड़ा गया है,

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर भारतीय रेल ने चलाया जागरूकता अभियान

1200 स्टेशनों और 740 से अधिक वर्कशॉप पर चला अभियान

अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का हुआ निपटान

रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

नई दिल्ली ,।

भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए 22 मई से 5 जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम ल्लप्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करेंह्व के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी जोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छाँटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे। 5 जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर जोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया गया, 1230 से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, 740 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 1200 स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, 180 से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और 230 नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला। भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025-26 के लिए 750 करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक 98% ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। 3512 स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग 227 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है। सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में 100% एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, 2014 से अब तक 9.7 करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में 100% बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के जरिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है। ??भारतीय रेल अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी को समाहित करते हुए, भविष्य में भी एक हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण हेतु कृतसंकल्पित है।

मानसून सत्र की घोषणा 47 दिनों पहले क्यों क्या विशेष सत्र से इसलिए भागी सरकार

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा के लिए विशेष संसद सत्र की विपक्ष की मांग के बावजूद, मोदी सरकार ने 21 जुलाई से मानसून सत्र की घोषणा कर दी है। केंद्र सरकार ने विपक्ष की विशेष सत्र की मांग को दरकिनार करते हुए बुधवार को संसद के मानसून सत्र की घोषणा कर दी है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा, "हमने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंटरी अफेयर्स ने यह तारीख तय की है और अब प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। यह मानसून सत्र पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार आयोजित किया जा रहा है। 22 अप्रैल को हुए उस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी गठबंधन 'INDIA' की ओर से विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। सरकार की घोषणा के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और टीएमसी के डेरेक ओब्रायन ने सरकार पर हमला बोला। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- आमतौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है। लेकिन इस बार सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया गया -ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह निर्णय मोदी सरकार ने केवल इसलिए लिया है ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और INDIA गठबंधन द्वारा बार-बार उठाई जा रही तत्काल विशेष बैठक की मांग से बचा जा सके। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों ने संसद की एक तत्काल बैठक बुलाकर राष्ट्रीय महत्व के गंभीर मुद्दों पर चर्चा की आवश्यकता जताई है। जिसमें पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमलों के लिए जिम्मेवार आतंकवादियों को अब

> सरकार की घोषणा के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और टीएमसी के डेरेक ओब्रायन ने सरकार पर हमला बोला। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- आमतौर पर संसद सत्र की तारीखों की घोषणा कुछ दिन पहले की जाती है। लेकिन इस बार सत्र शुरू होने से 47 दिन पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया गया -ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह निर्णय मोदी सरकार ने केवल इसलिए लिया है ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कउउ्कअ गठबंधन द्वारा बार-बार उठाई जा रही तत्काल विशेष बैठक की मांग से बचा जा सके। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों ने संसद की एक तत्काल बैठक बुलाकर राष्ट्रीय महत्व के गंभीर मुद्दों पर चर्चा की आवश्यकता जताई है। जिसमें पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमलों के लिए जिम्मेवार आतंकवादियों को अब तक न्याय के कटघरे में लाने में विफलता। ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट राजनीतिकरण। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (उऊर) द्वारा किए गए अहम खुलासे।

तक न्याय के कटघरे में लाने में विफलता। ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट राजनीतिकरण। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (उऊर) द्वारा किए गए अहम खुलासे। भारत को पाकिस्तान के साथ एक ही श्रेणी में रखे जाने की गंभीर और चिंताजनक कूटनीतिक स्थिति। पाकिस्तान की वायुसेना में चीन की गहरी और खतरनाक घुसपैठ के स्पष्ट प्रमाण। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता को लेकर बार-बार किए जा रहे दावे। विदेश नीति और कूटनीतिक स्तर पर सरकार की लगातार होती विफलताएं। उन्होंने लिखा कि मानसून सत्र के दौरान भी ये तमाम मुद्दे, जो राष्ट्रहित में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, चर्चा के केंद्र में रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भले ही विशेष सत्र से खुद को अलग रखा हो, लेकिन छह सप्ताह बाद उन्हें इन कठिन सवालों का जवाब देना ही होगा। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा, टीएमसी ने पिछली घोषणाओं का अध्ययन किया है, और आमतौर पर सत्र की घोषणा शुरू होने की तारीख से लगभग 19 दिन पहले की जाती है। इस बार, उन्होंने 47 दिन पहले ही इसकी घोषणा कर दी। बहुत डर लग रहा है! अगर वे मानसून सत्र की घोषणा कर सकते हैं, तो जून में विशेष सत्र की घोषणा क्यों नहीं कर सकते। अब सबकी निगाहें 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र पर होंगी - क्या सरकार इन मसलों पर चर्चा को तैयार होगी, या विपक्ष को फिर से हंगामे का सहारा लेना पड़ेगा? उन्होंने इस मांग के समर्थन में एक पत्र भी साझा किया, जिस पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी समेत कई नेताओं के हस्ताक्षर थे।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर और राष्ट्रीय सुरक्षा के मसलों पर खुली बहस से बच रही है। उनका कहना है कि पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमले और उसके बाद की सैन्य कार्रवाई को लेकर संसद में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। खड़गे ने मंगलवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा था, "हम, INDIA गठबंधन के नेता, संसद का विशेष सत्र बुलाने की सामूहिक और तात्कालिक मांग दोहराते हैं, ताकि पहलगाम हमले के बाद की घटनाओं पर चर्चा की जा सके। बहरहाल, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने से इनकार करते हुए कहा कि सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर मानसून सत्र में चर्चा संभव है। रिजिजू ने कहा, "हमारे लिए हर सत्र विशेष होता है। संसदीय नियमों के तहत सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा सकती है।

'मेरे बेटे को टुकड़ों में मत काटो' बेंगलुरू भगदड़ में बेटे की मौत के बाद पिता की गुहार

देविका चटराज

बेंगलुरु में एक दुखद भगदड़ ने एक परिवार की जिंदगी उजाड़ दी। यह हादसा तब हुआ, जब एक विजय परेड के दौरान भीड़ अनियंत्रित हो गई। इस भगदड़ में एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद उसके पिता का दर्द और गुस्सा सामने आया। पिता ने नेताओं और प्रशासन के सामने अपनी आर्त पुकार रखी, "मेरा एक ही बेटा था, उसे खो दिया, अब कम से कम उसके मृतदेह को टुकड़ों में मत काटो। यह मार्मिक गुहार सोशल मीडिया और समाचारों में वायरल हो रही है, जिसने लोगों का दिल दहला दिया। हादसा बेंगलुरु में एक विजय परेड के दौरान हुआ, जिसमें भारी भीड़ जमा थी। अचानक स्थिति बेकाबू हो गई, और भगदड़ मच गई। इस हादसे में कई लोग घायल हुए, और एक युवक की जान चली गई। मृतक के पिता का कहना है कि उनका बेटा भीड़ में फंस गया और उसे बचाया नहीं जा सका।

पिता का दर्द : घटना के बाद मृतक के पिता ने नेताओं और प्रशासन पर गुस्सा जाहिर किया। वे कहते नजर आए, "मेरा बेटा चला गया, अब कम से कम उसके शव का सम्मान करें।" उनका यह बयान उस दर्द को दर्शाता है, जो एक पिता अपने इकलौते बेटे को खोने के बाद महसूस कर रहा था। सोशल मीडिया पर इस घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। कई यूजर्स ने प्रशासन पर सवाल उठाए कि इतनी बड़ी भीड़ के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी। कुछ ने पिता के दर्द के प्रति संवेदना जताई, तो कुछ ने इस हादसे को लापरवाही का नतीजा बताया। अभी तक प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही जा रही है। यह हादसा एक बार फिर भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा की कमी को उजागर करता है। मृतक के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लोग इस बात की मांग कर रहे हैं कि इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो।

नई जनगणना के आंकड़े 2034 के चुनावों में आ सकते हैं काम

अंजन कुमार

केंद्र सरकार 16 जून को अगली जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी कर सकती है। वैसे जमीन पर 'जनगणना-2027' की प्रक्रिया 2026 में शुरू होगी और इस तरह से इसमें छह साल की देरी होगी, जिसके लिए मुख्य तौर पर कोविड महामारी को जिम्मेदार माना जा सकता है। क्योंकि, जनगणना का काम तब जो लटका, वह लटकता ही चला गया। इस बार की जनगणना के भरोसे राजनीतिक तौर पर कम से कम दो अहम चीजें लटकी हुई हैं। एक तो कानून के मुताबिक 2026 के बाद होने वाली जनगणना को ही आधार मानकर निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन होना है। क्योंकि, देश में आबादी के हिसाब से जनप्रतिनिधियों की संख्या काफी कम है और निर्वाचन क्षेत्रों की जनसंख्या के आंकड़ों में भी बड़ी असमानताएं उभर रही हैं। दूसरी तरफ संसद ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण की व्यवस्था की है, यह भी तभी संभव है जब निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन हो। लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों में कहना मुश्किल है कि यह सब 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए संभव हो सकेगा। केंद्र सरकार की घोषणा के अनुसार 1 अप्रैल, 2026 से जनगणना शुरू हो सकती है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, इस हिसाब से यह काम 2021 में ही हो जाना था। सरकार ने नई जनगणना के लिए 1 मार्च, 2027 को रेफ्रेंस

डेट के रूप में तय किया है। मतलब, जनगणना के आंकड़ों के लिए यही तारीख आधार होगी। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि जनगणना के आंकड़े कब जारी होंगे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जनगणना से जुड़े सभी आवश्यक आंकड़े 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले आ जाएंगे? अगर सरकारी सूत्रों की मानें तो इसका जवाब है नहीं। मसलन, एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा है कि जातिगत आंकड़े तीन साल में जारी किए जा सकते हैं। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि जातिगत गणना ही आरक्षण का आधार बनेगी। अगर पिछली जनगणना को देखें तो अंतिम जनसंख्या गणना के आंकड़े जारी होने में लगभग 2 साल लग गए थे। हालांकि, यह देखने वाली बात है कि क्या सरकार इसकी कोई तारीख बताती है, जब जनगणना के आंकड़े आने की संभावना है। क्योंकि, बेहतर तकनीक और डिजिटल डेटा के इस्तेमाल से अब जनगणना में उतना वक्त लगने की संभावना नहीं है, जितना की पहले लगा करता था। मान लिया जाए कि जनगणना के आंकड़े पहले के मुकाबले जल्द भी आ जाएं और परिसीमन आयोग 2029 के चुनाव से पहले अपना काम शुरू भी कर देता है, तो भी इसे परिसीमन के काम में लंबा वक्त लग सकता है। जैसे 2001 की जनगणना के बाद 2002 में परिसीमन आयोग बना था। उसने उसी जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया और इसके गठन से लेकर काम पूरा करने में मोटे तौर पर साढ़े तीन साल लग गए और 2007 में जाकर काम पूरा हुआ, जो कि 2008 से प्रभावी हुआ। मतलब, 2009 के लोकसभा चुनावों इसकी ओर से किया गया बदलाव अमल में आ पाया। अगर राजनीतिक तौर पर देखें तो इस बार के परिसीमन को लेकर दक्षिण भारतीय राज्य पहले से ही चिंतित बैठे हुए हैं। उनको डर है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर बहुत काम किया है और उसे काफी नियंत्रण में रखा है। लेकिन, अगर आबादी परिसीमन की आधार बनी तो उनकी लोकसभा सीटें घट सकती हैं और बिहार और यूपी जैसे राज्यों को इसका फायदा ज्यादा सीटों के तौर पर मिल सकता है। इसलिए, परिसीमन के काम को लेकर भारी विरोध भी दिख रहा है। सरकार को यह भी देखना है कि कहीं यह मुद्दा उत्तर और दक्षिण भारतीय राज्यों में बड़ी विवाद की वजह न बन जाए। केंद्र में बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार है, जो आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी दल टीडीपी के समर्थन पर टिकी है। ऐसे में मोदी सरकार के लिए इसपर तेजी से बढ़ना राजनीतिक रूप से भी आसान नहीं होगा। इन सारे हालातों को देखने के बाद यही लगता है कि नई जनगणना के आंकड़े 2034 के लोकसभा चुनावों से पहले काम में आना मुश्किल है।

कौन हैं क्रिकेटर कुलदीप यादव की दुल्हनिया... कब होगी चाइनामैन की शादी!

शाहरुख खान

भारतीय टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने अपने निजी जीवन में एक नई पारी की शुरुआत की है। बुधवार को लखनऊस्थित एक होटल में कुलदीप यादव ने सगाई कर ली। उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से सगाई की है। लखनऊके एक होटल में हुआ यह सगाई समारोह का आयोजन बेहद निजी रहा। समारोह में सिर्फ करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों को ही बुलाया गया था। समारोह बेहद निजी और पारंपरिक अंदाज में हुआ। सगाई समारोह में शामिल होने के लिए भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह समेत कई क्रिकेटर भी पहुंचे। सगाई समारोह में क्रिकेटर कुलदीप यादव ने ऑफ व्हाइट कलर की बंदगला शेरवानी पहनी हुई थी। इसमें वह काफी रॉयल लुक में दिखे। वहीं, वंशिका ने नारंगी रंग का भारी लहंगा पहना था। वह इस लहंगे में बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। कुलदीप वंशिका की सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले स्टार स्पिनर कुलदीप ने इस वर्ष शानदार प्रदर्शन करके 15 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने बुधवार को लखनऊ में बेहद शांत तरीके से सगाई की। कानपुर के श्यामनगर लालबंगला निवासी वंशिका के पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वहीं, वंशिका इस समय ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। करीबी मित्र ने बताया कि सेंट मैरी से 2017 में वंशिका ने 12वीं पास की थी। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई और जॉब के लिए ऑस्ट्रेलिया चली गई थीं।

कौन हैं नरगिस खान? मेरठ में कोठी, नोएडा से देहरादून तक फ्लैट और आलीशान गाड़ियां

धर्मेंद्र कुमार

नई दिल्ली : आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया... एक कहावत है, आपने भी जरूर सुनी होगी। इसका मतलब है कि जितनी आपकी कमाई है, उससे दोगुना खर्च करना। घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर इसी कहावत को सुनाकर बच्चों को उतना ही खर्च करने की सलाह देते हैं, जितना वो कमा सकें। लेकिन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में कभी महिला थाने की एसएचओ रहीं इंस्पेक्टर नरगिस खान ने इस कहावत को अपने ऊपर पूरी तरह लागू कर दिया। नरगिस खान के ऊपर आरोप है कि 14 साल में जितनी उन्होंने कमाई की, उससे डबल रकम खर्च कर दी। उनकी प्रॉपर्टी की लिस्ट इतनी लंबी है, जिसे पढ़ते-पढ़ते शायद आप थक जाएं। मेरठ से शुरू होकर उनकी प्रॉपर्टी उत्तराखंड के देहरादून तक फैली हुई है। आइए, पूरी कहानी बताते हैं। सबसे पहले आपको बताते हैं कि नरगिस खान कौन हैं? यूपी पुलिस में 1990 बैच की दरोगा नरगिस खान अक्सर विवादों में रही हैं। दरोगा पद पर ज्वॉइनिंग के बाद जब बुलंदशहर में पोस्टिंग हुई तो यहां उनकी मुलाकात सुरेश यादव नाम के बिजनेसमेन से हुई। कुछ समय बाद दोनों ने शादी कर ली। सुरेश यादव काफी रसूखदार आदमी हैं और समाजवादी पार्टी की सरकार में उनकी तूती बोलती थी। सपा के दिग्गज नेताओं का उनके घर पर आना-जाना भी होता है। फिलहाल वह मेरठ में ही गढ़ रोड पर एक बार चलाते हैं। नरगिस खान ने पुलिस विभाग में रहते हुए इसी बात का फायदा उठाया। जब उन्हें मेरठ में महिला थाने की प्रभारी बनाया गया तो अपने पति को सपा नेता शिवपाल यादव का ओएसडी बताकर थाने में अपनी धाक जमाई। सरकार से कनेक्शन का सुनकर नेता और अफसर भी उनसे मिलने आने लगे। बताया जाता है कि नरगिस अक्सर लग्जरी गाड़ियों से थाने पहुंचती थी। चौंकाने वाली बात यह है कि उनकी पोस्टिंग ज्यादातर मेरठ और उसके आसपास के जिलों में ही रही। साल 2021 में गाजियाबाद की रहने वालीं उमा नाम की एक महिला ने पुलिस मुख्यालय में नरगिस खान के खिलाफ शिकायत करते हुए भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। शिकायत चूंकि सीधे लखनऊ ऑफिस की गई थी, इसलिए मेरठ के एंटी करप्शन थाने ने तुरंत जांच शुरू कर दी। पड़ताल में पाया गया कि

नरगिस खान ने अपनी इनकम से लगभग दोगुनी रकम खर्च कर गाड़ियां और प्रॉपर्टी खरीदी है। इसके बाद उनके ऊपर आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया। एंटी करप्शन थाने की जांच के मुताबिक, 1 जनवरी 2007 से 31 मार्च 2021 नरगिस खान की कुल कमाई लगभग 5 करोड़ 36 लाख रुपये रही। वहीं, इसी समय अवधि में उन्होंने लगभग 10 करोड़ 60 लाख रुपये खर्च किए। यानी जितनी उनकी कमाई थी, उससे एकदम दोगुनी रकम उन्होंने खर्च कर डाली। इस बारे में जब उनसे सवाल किए गए तो वह कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाईं, जिसके बाद उनपर केस दर्ज कर लिया गया। नरगिस खान की पोस्टिंग इस समय बरेली में है। नरगिस खान और उनके पति सुरेश यादव को इससे पहले गबन के एक मामले में साल 2021 में भी गिरफ्तार किया गया था। यह मामला गाजियाबाद के कविनगर में डिप्टी लेबर कमिश्नर कार्यालय से जुड़ा हुआ था। वहीं, नाबालिग बच्ची से जुड़े एक मामले में उस समय डीआईजी रहीं लक्ष्मी सिंह ने उन्हें सस्पेंड भी किया था। नरगिस के पति को दो दिन पहले ही एक अन्य मामले में कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब बात करते हैं उस संपत्ति की, जिसके बारे में सुनकर पुलिस विभाग के अफसर भी हैरान हैं। लिस्ट देखकर शायद आपके भी पसीने छूट जाएं। मेरठ के पॉश इलाके शास्त्री नगर में इंस्पेक्टर नरगिस खान और उनके पति की आलीशान कोठी है। 640 गज में बनी इस कोठी की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा मेरठ में ही उनके नाम पर लगभग 50 लाख रुपये कीमत का एक प्लॉट भी है। नरगिस के पति सुरेश यादव के नाम पर मेरठ में एक मकान, बार, रेस्टोरेंट और 21 दुकानें हैं। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में नरगिस खान और उनके पति के नाम पर एक करोड़ रुपये की कीमत के दो फ्लैट हैं। साथ ही सुरेश यादव का एक बार भी है। इनके अलावा इंस्पेक्टर नरगिस के पति के नाम गाजियाबाद में भी एक फ्लैट है। पति-पत्नी के नाम पर अमरोहा में एक प्लॉट, लखनऊ में दो अपार्टमेंट, कानपुर में दो बीघे में बना एक फॉर्महाउस और लगभग 50 बीघा जमीन है। नरगिस खान और उनके पति की संपत्ति उत्तराखंड तक फैली हुई है। देहरादून में उनके पति के नाम पर दो फ्लैट हैं। करोड़ों रुपये की बेनामी प्रॉपर्टी ऐसी भी है, जो नरगिस ने अपने पति के नाम पर खरीदी थी। जमीन, मकान, कोठी, प्लॉट और फ्लैट के अलावा नरगिस के पति सुरेश यादव के नाम पर कानपुर और बरेली में तीन पेट्रोल पंप हैं। नरगिस खान के पास लग्जरी गाड़ियों का अच्छा खासा कलेक्शन है। इन गाड़ियों में थार, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, रैंज रोवर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

साहिबगंजः

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशझसहझअध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यवहार न्यायालय, साहेबगंज के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया।इसी क्रम में, पारा लीगल वालंटियर झ न्याय मित्रों के द्वारा जिले के अनेक प्रखंडों एवं पंचायतों में भी पौधारोपण सह पर्यावरण संरक्षण विषय पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए विधिक एवं कानूनी जानकारी दी गई, साथ ही लोगों से इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया गया।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, चीफ लीगल एड डिफेन्स कौंसिल अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

योग दिवस कार्यक्रम हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित

साहिबगंजः

आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आज विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में शारीरिक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित की गई।बैठक में 11 जून को विद्यालय स्तर पर योग कार्यक्रम, 12 जून को योग क्लब गठन तथा 21 जून को योग दिवस के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा ने सभी शिक्षकों को दिशा-निर्देश दिए, वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक हर्ष मंगल ने सुझाव साझा किए।इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना से एडीपीओ विजय कुमार, एपीओ डॉली कुमारी और शबनम तबस्सुम भी उपस्थित रहीं।बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए शिक्षकों ने सामूहिक परिचर्चा में भाग लिया।

पुत्र ने पिता को मामूली विवाद में मौत का घाट उतारा, मिजाचीकी पुलिस जांच में जुटी

मंडरोः

मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बसहा पंचायत अंतर्गत नगरभीठ्ठा पहाड़िया गांव में पुत्र ने पिता को उतारा मामूली विवाद में मौत का घाट उतारा मौके पर पहुंची मिजाचौकी पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी।मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बसहा पंचायत अंतर्गत नगरभीठ्ठा पहाड़िया गांव में पुत्र आसना पहाड़िया ने पिता को मामूली विवाद में ही पीट पीट मार डाला ,मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात्रि शराब के नसे में धुत पुत्र आसना पहाड़िया ने अपने 64 वर्षिए पिता कतगु पहाड़िया को मामूली विवाद में ही मोटा डंडा से पीट पीट कर हत्या कर दिया, घटना की जानकारी मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव को मिलते ही उन्होंने थाना के एसआई महेंद्रर सिंह को पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर भेज कर घटना से संबंधित जानकारी लिया,मिजाचौकी पुलिस ने घटना स्थल पर पहूंच कर घटना की जानकारी लिया एवं कतगु पहाड़िया के शव को कब्जे में लेकर साहिबगंज सदर अस्पताल पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया। मिलीं जानकारी के अनुसार असना पहाड़िया घटना के रात अपनी पत्नी को भी मारपीट किया जिससे पत्नी भाग कर जंगल में छीप गई, घटना के बाद असना फरार है।

प्रशासक, नगर परिषद के देखरेख में नगर परिषद अंतर्गत 16 हाई मास्क लाईट को किया दुरुस्त

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा चौक, बस स्टैंड हाटपाड़ा, अंबेडकर चौक, मालपहाड़ी रोड, हिरण चौक, गांधी चौक, सिंधीपाड़ा, जिदातो मिशन, विवेकानंद चौक, हॉस्पिटल मोड़, रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम, सर्किट हाउस, रानी दिग्गी पार्क, एसकेएम पार्क में खराब पड़े हुए हाई मास्क लाईट को प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी की देखरेख में सभी 16 हाई मास्क लाईट को दुरुस्त किया गया। प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि हाई मास्क लाइट खराब रहने से शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यहां तक की चौक पर अंधेरा होने के कारण रोड पर बैठे जानवर गाड़ियों के चपेट में भी अक्सर आ जाया करते थे। अब लोगों को काफी सहूलियत होगी।

अपर समाहर्ता पदाधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा से संबंधित कुल 16 वादो का निष्पादन किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ गुरुवार को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत अपर समाहर्ता सह न्याय निर्णयन पदाधिकारी जेम्स सुरीन द्वारा खाद्य सुरक्षा से संबंधित कुल 16 वादो का निष्पादन किया गया। इनमें अवमानक के 11 एवं मिथ्याछाप के 5 मामले शामिल थे। खाद्य पदार्थों में अवमानक एवं मिथ्याछाप के कारण खाद्य प्रतिष्ठानों पर कुल 1 लाख 27 हजार रुपए का जुमार्ना अधिरोपित किया गया है। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेम्ब्रम, लिपिक राज कुमार उपस्थित थे।

पू. सी. रेलवे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कॉटन विश्वविद्यालय के साथ एमओयू हस्ताक्षर किया

प्लास्टिक प्रदूषण को हराना थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मना

मालीगांव,ः

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने आज मालीगांव स्थित रंग भवन में विश्व पर्यावरण दिवस 2025 प्लास्टिक प्रदूषण को हराना वैश्विक थीम के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे महिला कल्याण संगठन (एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव और पू. सी. रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण पर्यावरण संरक्षण पर सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पू. सी. रेलवे और कॉटन विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर है। इस समारोह में महाप्रबंधक और पू. सी. रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। जोन के मंडल रेल प्रबंधकों और अन्य मंडल अधिकारियों ने अपने संबंधित स्थानों से वर्चुअली भाग लिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का संदेश पूरे पू. सी. रेलवे नेटवर्क में प्रभावी ढंग से संप्रेषित हो। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान पू. सी. रेलवे का प्रतिनिधित्व मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन) श्री एम. कालीमुथु तथा कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी का प्रतिनिधित्व कुलसचिव डॉ. अरिंदम गर्ग ने किया। यह समझौता ज्ञापन जलवायु संरक्षण अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, वन्यजीव संरक्षण तथा एआई संचालित स्थायी परिवहन

समाधान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास की नींव रखता है। यह साझेदारी अकादमिक जगत तथा भारतीय रेलवे के बीच एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन तथा नॉलेज-शेयरिंग की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। कार्यक्रम में दक्षिण पश्चिम रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री अजय सिंह ने अतिथि व्याख्यान दिया, जिन्होंने स्टेशन कैफेटेरिया में प्लास्टिक पैकेजिंग को समाप्त करने संबंधी जानकारी साझा की। एनएफ आर स्काउट्स और गाइड्स द्वारा प्रस्तुत प्लास्टिक प्रदूषण को हराना विषय नाटक में फेंकी गई प्लास्टिक बोतलों के हानिकारक जीवन चक्र को दशार्या गया और दर्शकों से कम करें, पुनः उपयोग करें, रिसाइकिल करें को अपनाने का आग्रह किया। अपने समापन भाषण में, महाप्रबंधक ने स्थिरता के प्रति पू. सी. रेलवे के समर्पण की पुष्टि की और नए हरित उपायों की घोषणा की, जिसमें 50 प्रमुख स्टेशनों पर प्लास्टिक संग्रह डिब्बे की स्थापना और रेलवे प्रतीक्षा कक्षों में पुनः प्रयोज्य चाय के कप की शुरूआत शामिल है। विशेष रूप से निर्मित एक लघु फिल्म में पू. सी. रेलवे द्वारा पानी की प्लास्टिक बोतलों को समाप्त करने, प्रमुख स्थानों पर रिफिल करने योग्य वाटर स्टेशन की स्थापना और खानपान सेवाओं में बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को अपनाने की चल रही पहलों को दिखाया गया। साथ ही पू. सी. रेलवे द्वारा प्लास्टिक में कमी संबंधी रणनीतियों, रिसाइक्लिंग साझेदारियों और हरित सफलता की कहानियों पर प्रकाश डालने वाली एक पर्यावरणीय पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। कॉटन विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन से लेकर नाटक, व्याख्यान और जमीनी स्तर पर प्लास्टिक कम करने के उपायों तक के इन ठोस प्रयासों के माध्यम से पू. सी. रेलवे एक स्वच्छ, हरित और अधिक सुदृढ़ भविष्य के निर्माण में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पाकुड़ अंचलाधिकारी भागीरथ महतो के सेवानिवृति पर विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ अंचलाधिकारी भागीरथ महतो के सेवानिवृति पर उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर अंचलाधिकारी को मुख्य रुप से बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार ने सेवानिवृत्ति अंचलाधिकारी पाकुड़ भागीरथ महतो के सेवानिवृत्ति होने पर शुभकामनाएं दी और उनके कार्यकाल की सराहना की है। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी सर्विस में यह पड़ाव सबके साथ आता है। उपायुक्त ने आगे के जीवन सुखमय तरीके से कटने की मंगल कामना की। परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का ने कहा कि जिला प्रशासन परिवार उनके

अनुकरणीय कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। साथ ही उनके स्वास्थ्य व उज्वल भविष्य की कामना करता है। सरकारी सेवा में यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य व सुखमय जीवन की कमाना की। सेवानिवृत्ति होने पर अंचलाधिकारी पाकुड़ भागीरथ महतो ने कहा कि जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए अपने कर्मक्षेत्र में संघर्ष अवश्य करें। अपने कार्य और दायित्व का सही तरीके से पालन करें। आपके कार्यों से ही आपकी और आपके कार्यालय की पहचान होती हैं। अपने कार्यों कि वजह से किसी अधिकारी के प्रशंसा के पात्र बनते हैं।

डी ए वी में बच्चों ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ स्थानीय विद्यालय डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वर्तमान सत्र 2025-26 में एक हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस बृहत परियोजना की पहली कड़ी गुरुवार को विद्यालय प्रांगण में पौधा लगाकर शुभारंभ की गई, पर्यावरण बचाव के लिए विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और समाज के सभी कड़ियों को जागरूक ही नहीं अपितु क्रियाशील बनाना ही इस परियोजना का उद्देश्य और प्रबल उपलब्धि है। विश्व पर्यावरण दिवस के इस वर्ष का नारा साझा चुनौती, सामूहिक कार्रवाई है। प्राचार्य ने कहा वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना ही विश्व पर्यावरण दिवस का इस वर्ष का विषय है।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता पैदा करना था। कार्यक्रम की शुरूआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई। इसमें विद्यालय के प्राचार्य ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। विद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए छात्रों ने एक प्रभावशाली नाटक भी प्रस्तुत किया। छोटे बच्चों ने आकर्षक वेषभूषा पहनकर पर्यावरण दिवस से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने बताया कि प्लास्टिक का अंधाधुंध

प्रयोग पर्यावरण ही नहीं बल्कि शरीर और अन्य जीव जंतु पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। इसका उपयोग हमें बंद कर देना चाहिए।

पत्थर खदान में खड़ी दो पोकलेन व दो हाइवा जलाने के मामले में दो अपराधी को किया गया गिरफ्तार

मंडरोः

मिजाचौकी थाना क्षेत्र के दामिनभिठ्ठा पहाड़ पर बीते दिनों अज्ञात अपराधियों के द्वारा दो हाइवा और दो पोकलेन को जला देने के मामले में दो अपराधी को पुलिस ने देशी कट्टा के साथ किया गिरफ्तार। मिजाचौकी थाना परिसर में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नगर प्रभाग के इंस्पेक्टर राजीव रंजन एवं मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव मौजूद थे। वही प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसडीपीओ किशोर तिर्की द्वारा प्रेस को बताया गया की दिनांक 4 जून 2025 को 8:00 बजे पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मिजाचौकी थाना कांड संख्या 34/25 दिनांक 2 जून 2025 में संलिप्त दो अपराध कर्मी हथियार सहित मिजाचौकी थाना क्षेत्र ग्राम बड़ा लक्ष्मी स्थित तालु मुर्मू उर्फ खलासी के घर से गडरा भगैया होते हुए ललमटिया की ओर से गिरोह के मुखिया सूर्या हांसदा से मिलने जाने

वाला है। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज द्वारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी साहिबगंज के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस कांड में संयुक्त दो अपराध कर्मी विमल हादसा पिता स्वर्गीय दुर्गा हांसदा ग्राम धनकड़ थाना ललमटिया जिला गोड्डा एवं बेटका टुडू बड़ा उदाली थाना बरहेट जिला साहिबगंज को ग्राम गडरा ग्राम पंचायत सचिवालय के पास सड़क से गिरफ्तार किया गया विमल हरदा के पास से एक देसी कट्टा लोडेड अवस्था में एवं बेटका टुडू के पास से एक जिंदा गोली बरामद किया गया है ।उपरोक्त दोनों अपराध कर्मियों ने अपना अपना अपराध स्वीकार करते हुए बयान में मिजाचौकी थाना अंतर्गत दामिनभीठा स्थित जय माता दी सस्टोन वर्क्स माइंस में दो पोकलेन एवं दो हाईवा को जलाने में अपना अपराध स्वीकार किया तथा साथ ही उक्त कांड के गिरोह के सरगना सूर्या हांसदा एवं अन्य की संलिप्ता भी बताई है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से एक देसी कट्टा लोडेड एवं जिंदा गोली, एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, दो मोबाइल एक टॉर्च ,डिटॉल लिक्विड एक रुई एक कॉटन बैंडेज 2 एवं एक बैग बरामद किया गया। वही इस छापा मारी दल में पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन नगर प्रभाग साहिबगंज , पु अ नी रूपेश कुमार यादव थाना प्रभारी मिजाचौकी, पु अ नी पवन कुमार थाना प्रभारी बरहेट , पु अ नी पंकज वर्मा थाना प्रभारी बोरियों, पु अ नी मोहम्मद आफताब थाना मिर्जाचौकी,स अ नी अमित कुमार यादव मिर्जाचौकी थाना ,स अ नी कृष्ण कुमार सिंह थाना मिर्जाचौकी,थाना गार्ड हवलदार मोहम्मद सादीक , कुशलेंद्र कुमार झा, वीरेंद्र नाथ भोक्ता शामिल थे। वही बताया गया की उक्त कांड में शामिल अन्य अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज मांडर का आर्ट्स का रिजल्ट रहा शानदार। 99% छात्र - छात्राएँ हूए सफल

संजीदा खातून 421अंक बनी फर्स्ट टॉपर, सानिया शाहीन 420अंक और जीनत परवीन 414 बनी सेकेण्ड और थर्ड टॉपर।

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - जैक द्वारा घोषित इंटरमीडिएट आर्ट्स के रिजल्ट में संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज मांडर का रिजल्ट शानदार रहा। इस साल परीक्षा में कुल 363 छात्र - छात्राएँ शामिल हूए थे जिसमे 246 छात्रों ने प्रथम श्रेणी से सफल हूए। संजीदा खातून 421 (84.2%)अंक के साथ फर्स्ट टॉपर पर रही जबकि सानिया शाहीन 420 सेकेण्ड टॉपर और जीनत परवीन 414 थर्ड टॉपर रही। कॉलेज प्राचार्या सिस्टर मेरी बागे ने सफल छात्रों- छात्राओं के

उज्वल भविष्य की शुभकामना दी है!

सेवा निवृत अस्पतालकर्मी के बंद घर से लाखो की चोरी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - थाना क्षेत्र के कंदरी चील टोली स्थित एक बंद घर में चोरी की घटना हुई है. बताया जा रहा है कि बंद घर के ग्रिल व दरवाजे के ताला तोड़ चोरों ने यहां से 35 हजार नगद सहित करीब दस लाख के सोने चांदी के जेवर व अन्य सामान की चोरी कर ली है. घर रेफरल अस्पताल के सेवानिवृत ड्रेसर हरदेव सिंह का है. जो सपरिवार दो दिन पहले अपने पैतृक गांव ललियाडीह मुंगेर गये हुए हैं. पड़ोसियों से घर के ग्रिल व दरवाजे के ताला टूटा होने की सूचना मिलने पर गुरुवार को हरदेव सिंह के पुत्र ने घर आकर घटना का जायजा लिया और चोरी की को लेकर मांडर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है!

दीनबंधु उच्च विद्यालय में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 5 जून गुरूवार दीनबंधु उच्च विद्यालय , देवघर के रबीन्द्र सभागार में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया ।इस शुभ अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ एन सी गांधी, सदस्या रेखा दास, सदस्यों में प्रसून बसु, विश्वनाथ बनर्जी, ट्रस्ट कमिटी के सचिव शरदिंदु कुंडू के अलावे प्रधानाध्यापक काजल कान्ति सिकदार शिक्षक शिक्षिकाओं में सुनील कुमार सूर, मुनेश्वर प्रसाद यादव, जीतेन्द्र कुमार चन्द्र, मनीषा घोष, भारती कुमारी, सुदीप्ता चक्रबर्ती, उदय कुमार मंडल और विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे। अध्यक्ष डॉ गांधी ने कहा कि इस वार विश्व पर्यावरण दिवस का नारा है प्लास्टिक हटाओ। उनके कहने का तात्पर्य है बाजार से कोई भी सामान कपड़े के बैग में लाएं । प्लास्टिक बैग का प्रयोग नहीं करें इससे पर्यावरण का सन्तुलन ठीक रहेगा। पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमसवो की जवाबदेही है। प्रो रामनदंन सिंह ने पर्यावरण के वारे में छात्र छात्राएं को जानकारी दिए।अन्य वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन शिक्षक जीतेन्द्र कुमार चन्द्र ने किया। अन्त में प्रधानाध्यापक महोदय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हो गया।

कोरियासा बजरंगबली मंदिर में नौ दिवसीय रामचरितमानस नवाह पारायण महायज्ञ सम्पन्न

वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, भक्ति संगीत और प्रसाद वितरण से गूंजा पूरा क्षेत्र

देवघर।

कपिध्वज समाज द्वारा कोरियासा बजरंगबली मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय रामचरितमानस नवाह पारायण महायज्ञ का विधिवत समापन पूणार्हुति और भव्य आरती के साथ गुरुवार को संपन्न हुआ। महायज्ञ का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और विशेष पूजा-पाठ के साथ किया गया था। पूरे नौ दिनों तक यज्ञ भगवान को समर्पित कर कुल 1 लाख 60 हजार आहुतियाँ अर्पित की गईं। यज्ञ आयोजन का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति का संरक्षण, समाज कल्याण एवं विश्व शांति का संदेश प्रसारित करना रहा। यज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक दिन भक्तों के बीच भोजन और प्रसाद वितरण की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी, जिसकी सराहना श्रद्धालुओं ने खुले दिल से की। इस धार्मिक आयोजन के दौरान कोरियासा, गुगलीडीह, बसमाता

और नारायण कॉलोनी सहित आसपास के गांवों में भक्ति और आध्यात्मिक माहौल बना रहा। यज्ञ के अंतिम दिन लोकगायिका कुमकुम बिहारी द्वारा प्रस्तुत किए गए भजनों अमवा लगवा पिया हो महुआ के लगवला के काहे पिया हो निमिया का गछिया तथा घुंघरू लागल कांवरिया ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यज्ञ समिति में शैलेश दुबे अध्यक्ष,धमेंद्र रमानी सचिव,श्रीनिवास दुबे कोषाध्यक्ष, कार्तिक दास, उमेश यादव उपाध्यक्ष,संजय बनर्जी,बद्री वर्मा उप सचिव,मीडिया प्रभारी मुरारी मंडल, यजमान पंकज दुबे, अजय साह,भैरव दास,विक्रम दुबे,सोनू बाबा, अमरेश दास, संदीप यादव, सुकदेव रमानी, ललन सिंह, चंद्रकांत दुबे, रंजन दुबे, मंटू राम, पप्पू तिवारी सहित कई अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में मुड़मा पेट्रोल पंप के निकट बुधवार की शाम को सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार युवक मिनेश महतो 30 वर्ष की मौत हो गयी. वह चान्हो के हुटार गांव का रहने वाला था. बताया गया कि मुड़मा से अपने घर जाने के क्रम में मिनेश महतो को किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया था. बाद में घायलावस्था में उसे रेफरल अस्पताल ले जाया गया था जहां से उसे रिम्स रेफर किया गया था. रिम्स में ही इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी थी. परिजनों के अनुसार मृतक मिनेश महतो पिता आनंद महतो ट्रैक्टर चलाने का काम करता था. उसके दो छोटे बच्चे हैं!

कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, वैज्ञानिकों ने दी आधुनिक खेती की जानकारी

देवघर।

कृषि विज्ञान केन्द्र, देवघर द्वारा कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत मधुपुर प्रखंड के पैथलजोर, बुढ़ई एवं गोनैया पंचायतों में कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक डॉ. विवेक कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में डॉ. कश्यप ने खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती, मौसम आधारित कृषि प्रणाली, प्राकृतिक खेती, मशरूम उत्पादन, कीट एवं रोग प्रबंधन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान हेतु वैज्ञानिक सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेर्शानुसार यह अभियान देवघर जिले के विभिन्न गांवों में 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक घर-घर जाकर तकनीकी जानकारी साझा करेंगे, जिससे किसानों की उत्पादन लागत घटे और उपज में बढ़ोतरी हो सके। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण भी किया गया, जिसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में मौसम वैज्ञानिक शाओंन चक्रवर्ती सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

राम भक्त सेवा दल के सदस्य विश्वजीत कुमार ने अपना रक्तदान कर किया जरूरतमंद महिला को सहयोग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गोड्डा कूमंर्डीह की निवासी प्रेमलता देवी जो- देवघर त्रिदेव हॉस्पिटल में एडमिट है जिन्हें इ पॉजिटिव रक्त की जरूरत पड़ी उनके परिजन में रक्तदान करने वाला कोई सदस्य नहीं था उनकी सूचना उनके परिजन द्वारा -राम भक्त सेवा दल- के अध्यक्ष अरूप चक्रवर्ती को मिला उन्होंने संज्ञान में लेकर राम भक्त सेवा दल के सदस्यों से चर्चा की सदस्यों में विश्वजीत कुमार अपना रक्तदान करने की इच्छा जताकर देवघर ब्लड बैंक आकर अपना रक्तदान कर प्रेमलता देवी जी की परिजन को सुपुर्द किया और कहां जरूरत पड़ने पर जरूरतमंद को सहयोग हमेशा करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे, मौके पर उपस्थित अनिल सिन्हा, गोरब जी भोला जी आदि सदस्य गण उपस्थित थे

तिलक सेवा समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस की आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तिलक सेवा समिति देवघर झारखंड के तत्वावधान में पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने के लिए समिति के माध्यम से लोगों को जागरूक कर एक वृक्ष अवश्य लगाएं का सन्देश दिया उपरोक्त कार्यक्रम के विचारक देवघर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य लक्ष्मी नारायण पत्रलेख ने विस्तार से लोगों को पर्यावरण के बारे में अपना वैचारिक उद्बोधन देकर लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए एक वृक्ष अवश्य लगाएं का सन्देश दिया मौके पर समिति के केंद्रीय अध्यक्ष हरे कृष्ण राय ने बोलते हुए कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्र समान इसलिए एक वृक्ष आज अवश्य लगाएं ताकि पर्यावरण संतुलित बना रहे मौके पर समिति के संरक्षक सह प्रधान संदपक प्रो राम नंदन सिंह ने भी पर्यावरण के प्रति संक्षेप में बताया समिति विपुल कुमार मिश्रा ने मंच संचालन अपने अंदाज में कर खूब तालियां बटोरी मंच पर समिति के डॉक्टर विक्रम कुमार के अलावे सोनम झा ने पर्यावरण पर कविता पाठ कर जागरूक किया कवि वीरेश कुमार वर्मा ने कविता के माध्यम लोगों को जागरूक कर खूब तालियां बटोरी कवि देव कुमार चटर्जी जी ने भी अपने भाव में कविता पाठ किया इस अवसर पर प्रशांत कुमार सिन्हा वशिष्ठ राणा प्रमोद यादव डोमन यादव के श्यामदेव राय नीरज कुमार सुनील कुमार के साथ साथ काफी संख्या में लोग उपस्थित थे अंत में कई फलदार पौधों का वितरण किया गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक (गुरुवार) जनता दरबार का किया गया आयोजन

जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, मुख्यमंत्री मंईंया सम्मान योजना, जाति व दिव्यांग प्रमाण पत्र, जमीन विवाद, घर विवाद, नियुक्ति से संबंधित, नगर निगम, भू-राजस्व, पेंशन, अतिक्रमण, रसीद व लगान से संबंधित मामले को उपायुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान कुल 37 लोगों के आवेदन शिकायत के

रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

उपायुक्त ने ऑन द स्पॉट विभिन्न मामलों का किया निराकरण....

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने मोहनपुर प्रखंड से जुड़े मामले में आवेदक के आवेदन पर कार्रवाई करने का निदेश संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिया। इसके अलावे भूमि विवाद से जुड़े मामले में उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी देवघर को जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया। साथ ही नियुक्ति से संबंधित पुराने मामले में उपायुक्त ने अपर समाहर्ता देवघर को आवश्यक जांच करते हुए प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने का निदेश दिया। आगे उपायुक्त ने पारिश्रमिक भुगतान से संबंधित मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित एजेंसी को नियमानुसार पारिश्रमिक भुगतान करने का निदेश दिया। आगे मुख्यमंत्री मंईंया सम्मान योजना के लाभ से वंचित महिलाओं को ऑन द स्पॉट योजना से जोड़ा गया। *इस दौरान उपरोक्त के अलावे* कार्यपालक दण्डाधिकारी ओम प्रियदर्शी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम आदि उपस्थित थे।

भाविप देवघर शाखा ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वच्छता, पौधारोपण और कपड़े का बैग वितरित किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज 5 जून 2025 को भारत विकास परिषद देवघर शाखा के सदस्यों ने तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रम किया। सबसे पहले प्रातः 7 बजे हदहदिया पुल के निकट जलसार पार्क के वॉकिंग पाथ के मुख्य गेट के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके पश्चात पर्यावरण दिवस 2025 के थीम ₹वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना₹ पर जागरूकता फैलाते हुए तिवारी चौक में पॉलिथीन में सब्जी खरीद रहे लोगों को कपड़े का कैरीबैग वितरित किया गया। प्लास्टिक छोड़ने की जागरूकता के लिए सांकेतिक रूप से लगभग 250 लोगों को कैरीबैग वितरित किया गया। कार्यक्रम के तीसरे चरण में

परिषद के द्वारा जलसार चिल्ड्रेन पार्क में 40 रंग-बिरंगे फूल के पौधे लगाए गए। पर्यावरण दिवस के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पौधे और वृक्ष लगाने और लोगों और विभिन्न संस्थाओं को पौधा उपलब्ध कराने के शौकीन के रूप में प्रसिद्ध डॉ. एस. सी. नायक थे। परिषद के उत्तर झारखंड प्रांत के महासचिव प्रकाश चन्द्र सिंह की उपस्थिति में शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक, सचिव कंचन शेखर सिंह, वित्तसचिव एस. पी. भुईयां बिलास, उपाध्यक्ष अभय कुमार, पर्यावरण संयोजक प्रशांत कुमार सिन्हा, रंजीत बरनवाल, रामकिशोर सिंह, आशा प्रसाद, किरण बरनवाल, कंचन मूर्ति साह सहित कुछ सफाईकर्मी मौजूद थे। भाविप देवघर शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने बताया कि परिषद ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संतुलित पर्यावरण अनुकूलता के लिए स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता, पौधारोपण और पॉलिथीन बैग के उपयोग को छोड़ने का संदेश देने का छोटा प्रयास इस कार्यक्रम के माध्यम से किया है। वहीं उन्होंने जलसार वॉकिंग पाथ के पर्याप्त रखरखाव, स्वच्छता और गार्डेनिंग की समुचित व्यवस्था नहीं रहने पर चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने निगम प्रशासन से इसके उचित और स्वच्छ रखरखाव की आवश्यक व्यवस्था बहाल करने की अपेक्षा व्यक्त किया है।

पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व:- प्रधान जिला जज

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वधान में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी आवासीय परिसर जजेज कॉलनी, औरंगाबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव डा0 दीवान फहद खान के साथ-साथ सभी न्यायिक पदाधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण के बाद जिला जज ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व होना चाहिए। जिला जज ने कहा कि पर्यावरण और जीवन का अटूट सम्बन्ध है और पर्यावरण दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षरण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवष्यकता है। हमारे पूर्वजों ने वृक्ष लगाये हैं जिसके कारण हमारे आस-पास हरियाली दिखाई दे रहा है और हमें छाया प्रदान कर रहा है। इस कर्तव्य को पूरा करने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति के उपर हैं और प्रत्येक

व्यक्ति पर्यावरण के संरक्षण का दायित्व सही से निभाये तो शायद हमें कई बीमारियों से सामना नहीं करना पडें। साल-दर साल वारिश का कम होना, भूजल स्तर कम होना और इसके विपरीत गर्मी के तपन का बढ़ते जाना आदि चींजें सीधे-सीधे इसी पर्यावरण से जुड़ा है। इस अवसर पर प्राधिकार के सचिव डा0 दीवान फहद खान ने बताया कि वृक्षारोपण के द्वारा पर्यावरण को स्वच्छ करते हुए आम आदमी को अनेकों बीमारियों से बचाया जा सकता है। कोरोना के दिनों में आक्सीजन की समस्या से रूबरू प्रत्येक व्यक्ति को होना पड़ा है जिसका एक मात्र स्थायी उपाय अत्याधिक मात्रा में वृक्षारोपण करना ही है। उन्होंनें कई तरीके से वृक्ष मनुष्य जीवन के लिए कितना उपयोगी है इसपर प्रकाश डाला साथ ही उन्होंने इसकी रक्षा करने तथा ग्लोबल वार्मिग के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए पर्यावरण का संरक्षण और वृहत वृक्षारोपन बहुत ही आवष्यक है और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाना चाहिए और इसकी देखभाल बड़े होने तक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा लगाया गया जब यह पेड़ बड़ा होगा यह देखकर आपके दिल को भी काफी सुकून होगा और ऐसा प्रत्येक व्यक्ति करता है तो सभी जगह हरियाली-ही हरियाली होगी। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, श्री सत्यभूषण आर्या, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम श्री इसरार अहमद, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीष, विश्व विभूति गुप्ता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनन्दिता सिंह जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार गुप्ता, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ,लक्ष्मी कान्त मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश निशीत दयाल जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ,कन्हैया लाल यादव जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनन्द भूषण, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ,विवेक कुमार सिंह, उमेश मिश्रा, मनिष कुमार जायसवाल पंकज कुमार पांडेय, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी लाल बिहारी पासवान अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रदीप चन्द्रा राजीव कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी शुभान्कर शुक्ला सहित सभी न्यायिक पदाधिकारियों ने फलदार वृक्षों को लगाते हुए इसके संरक्षण पर विशेष बल दिया।

बीआरबीसीएल प्लांट के प्रांगण में बड़े धूमधाम से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस 2025

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड (बीआरबीसीएल) में 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री बिमल कुमार साहा, अन्य विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। शपथ ग्रहण के उपरांत श्री

देहुरी के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता हेतु प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 की प्रतिभागी 40 बालिकाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री बिमल कुमार साहा सहित सभी विभागाध्यक्षों व कर्मचारियों ने पौधारोपण किया। प्लांट परिसर में भी पौधे लगाए गए, जिसमें प्रशिक्षु कार्यपालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आध्यात्मिक माहौल में गायत्री जयंती संपन्न हुआ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री जयंती, गंगा दशहरा और युगद्रष्टा पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के महाप्रयाण दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम स्थित यज्ञशाला में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कर्मकांड संचालिका अनुपमा देवी और सिद्धि रंजन के मार्गदर्शन में सैकड़ों गायत्री परिवार साधकों ने गरू, गायत्री, गंगा, सर्वदेव पूजन वैदिक मंत्रों से कर यज्ञवेदी में गायत्री महामंत्र, मृत्युंजय महामंत्र, महाकाल गायत्री मंत्र, महाशक्ति गायत्री मंत्र से विश्व कल्याण तथा आत्मकल्याण के लिए अपनी आहूतियां साक्षात अग्निदेव को समर्पित कर हवन-यज्ञ संपन्न किया। आयोजन की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया कि गायत्री तीर्थ हरिद्वार प्रतिनिधि बुधन बर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र और राजर्षि भगीरथ के प्रचंड तप - साधना से गायत्री और गंगा का अवतरण ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को इस धरती पर हुआ तथा वही प्रचंड तप साधना के पुण्य प्रताप से गायत्री को सिद्ध कर गुरुदेव ने जन जन के लिए सुलभ किया। गंगा शरीर को पवित्र करती है, गायत्री आत्मा को निर्मल बनाती है। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर गायत्री परिवार ने पौधे निः शुल्क वितरण किया तथा पौधे लगाने का संकल्प लिया। साथ ही जन्मदिन,नामाकरण, विवाह दिवस आदि संस्कार निः शुल्क कराया गया। गायत्री जयंती के पूर्व दिवस 4 जून को शक्तिपीठ में 12 घंटे काअसंड गायत्री मंत्र जप किया गया तथा संध्या में दीप यज्ञ। आयोजन को सफल बनाने में जिला समन्वयक बरूण कुमार, मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक, आशुतोष सिंह, राम प्रसाद यादव,नीतू बरनवाल,सबीता रानी, निशा देवी, पिंकी देवी आदि दर्जनों साधक सक्रिय रहे। इसकी जानकारी उमाकान्त राय, जिला उपसमन्वयक, गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम देवघर ने बयान जारी कर दिया.

उपायुक्त ने रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्यों से की औपचारिक मुलाकात

जिला, अनुमंडल व प्रखंड स्तर पर करे ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन:- उपायुक्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा से आज दिनांक-05.16.2025 को रेड क्रॉस सोसायटी के सभी सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर औपचारिक मुकालात की। इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्यों ने रेड क्रॉस द्वारा किये जा रहे कार्यों की वस्तुस्थिति से अवगत कराया। इसके अलावा उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि जिले में रक्त की कमी को देखते हुए जिला, अनुमंडल एवं सभी दस प्रखंडो में तिथिवार तरीके से ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन करें। साथ ही उपायुक्त ने ब्लड बैंक की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश रेड क्रॉस की टीम को दिया। आगे उपायुक्त ने रेड क्रॉस के सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि आपके द्वारा बताये गये सुझाव व समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जायेगा।

जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का औरंगाबाद जिले के नवीनगर प्रखंड में 12 जून को आगमन होगा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का औरंगाबाद जिले के नवीनगर प्रखंड में 12 जून को आगमन को लेकर पार्टी के प्रदेश पदाधिकारीयो एवं कार्यकताओं ने औरंगाबाद जिले के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में बैठक कर 12 जून को होने वाले आयोजित रैली के बारे में विस्तृत पूर्वक विचार विमर्श किया गया, इस रैली में लगभग साथ हजार लोगों के आने की संभावना है, बताते चले कि प्रशांत किशोर का पूरे बिहार भर में यह दौरा चालू है जिससे बिहार में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव का बिहार में सरकार बदलाव की ओर देखा जा रहा है। जन सुराज 5 प्राथमिकताएं लेकर जनता के बीच जा रही है और जन सुराज पार्टी की सरकार बनाने का आशीर्वाद मांग रही है। और आगे प्रदेश के नेताओं एवं कार्यकताओं ने कहां की इस बार बिहार विधानसभा का चुनाव में जन सुराज बड़ी पार्टी बनकर जनता के बीच आएगी और बिहार में भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में चहुमुखी विकास किया जाएगा, इस कार्यक्रम के मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष बृजभूषण सिंह, रमेश सिंह, विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह, नंदकिशोर यादव, शशिकांत कुमार शर्मा, व्यास राम, लालजी सिंह और पार्टी कई वरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय कवयित्री मनु वैशाली को जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन ने किया सम्मानित

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा मध्य प्रदेश के शिवपुरी से पधारी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित कवयित्री मनु वैशाली को संस्था के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के महामंत्री धनंजय जयपुरी के नेतृत्व में जनार्दन मिश्र जलज,अनुज बेचैन, नागेंद्र केसरी,संस्था के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा जिला हिंदी साहित्य से प्रकाशित पुस्तक मानवेत्तर प्राणी जगत,गीता द्रुतविलंबित एवं समकालीन जवाबदेही पत्रिका देकर सम्मानित किया गया।मनु वैशाली ने अपने संबोधन में कहा कि जब मैं औरंगाबाद की धरती पर आई तब मुझे पता चला कि यहां की साहित्यिक ऊर्जस्विता कितनी विभूषित है।दैनिक जागरण समाचार पत्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में पधारी मनु वैशाली के बारे में बताया जाता है कि वह भारत के विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर अपनी काव्य पाठ से अनूठी पहचान बन चुकी हैं। बहुत कम समय में ही उन्होंने छंदबद्ध काव्य पाठ करने के लिए मंचों पर जानी जाती हैं। और उनके छंदबद्ध काव्य पाठ सुनकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भाव विह्वल हो जाते हैं।

गंगा दशहरा के मौके पर आदि गंगा पुनपुन महोत्सव का आयोजन

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित आदि गंगा पुनपुन मंदिर के प्रांगण में 22 वां आदि गंगा पुनपुन महोत्सव पुनपुन माता की पूजा अर्चना के साथ शुरूआत किया गया प्रतिवर्ष गंगा दशहरा के दिन इस स्थल पर आदि गंगा पुनपुन महोत्सव का आयोजन किया जाता है इस वर्ष 5 एवं 6 जून को इसका आयोजन किया जा रहा है सुबह सवेरे पुनपुन माता मंदिर के प्रांगण में आदिगंगा पुनपुन माता एवं अन्य देवी देवताओं की वेद मंत्रोच्चार के साथ योग्य आचार्यों के सान्निध्य में विशेष पूजा अर्चना की गई। मंदिर परिसर के हवन कुंड में सैकड़ो श्रद्धालु भक्तों द्वारा हवन कर विश्व शांति की कामना की गई।आदि गंगा पुनपुन मंदिर के महंत देवबली सिंह ने बताया कि 2004 से लगातार इस्का आयोजन का किया जाता रहा है इस मंदिर की स्थापना 2004 में हुई थी और तब से लेकर आज तक आदि गंगा पुनपुन महोत्सव मनाया जाता रहा है। दोपहर में राम नाम संकीर्तन एवं संध्या में शिव भक्तों के द्वारा शिव चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक आजाद कुमार ने बताया कि 6 जून को महोत्सव का समापन किया जाएगा जिसमें सम्मान समारोह एवं संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

हसपुरा प्रखंड के बी.आर.सी.भवन परिसर कार्यालय मे पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक मॉ के नाम पर पौधारोपण किया गया

रिपोर्ट – निशांत कुमार

औरंगाबाद :- जिले के हसपुरा प्रखंड के बी.आर.सी.भवन परिसर कार्यालय मे पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक मॉ के नाम पर पौधारोपण किया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री अशोक कुमार ,प्रधानाध्यापक मिथिलेश कुमार रा मध्य विद्यालय धुसरी तथा शिक्षा सेवक संघ प्रखंड सचिव ललन चौधरी एवं प्रखंड के सभी शिक्षा सेवक/तालिमी ने पर्यावरण दिवस के अवसर अपने -अपने टोले मे पौधारोपण किये। वही प्रखंड के राजकीय बुनियादी विधालय सिहाड़ी मे प्रधानाध्यापिका शशिबाला के द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया।आंगनबाड़ी केंद्र फतेहपुर दक्षिणी पर सेविका ज्ञानती देवी ने भी एक पौधा मॉ के नाम पर रोपन किया गया। इसके उपरांत लोगों ने कहा कि पौधा रोपण के उपरांत उसकी सुरक्षित रखने की जिम्मेवारी निभाना होगा।तब यह कार्य सफल होगा। पौधारोपण मे शिक्षा सेवक लिलावती कुमारी,नगीना कुमारी,सुनिता, पुनम, संजू,चिन्ता , रमभा,आरावती कुमारी,तथा अरूणजय कुमार, कपिलदेव कुमार, अनुज कुमार, केशव राजवंशी,मनोज कुमार निश्चयल,अजय कुमार, संजय चौधरी,योगेन्द्र कुमार चौधरी,नवलेश चौधरी,सनोज कुमार चौधरी,विटटू कुमार चौधरी,अर्चना कुमारी,महेन्द्र राजवंशी,धर्मेंद्र कुमार चौधरी ,जगलाल चौधरी, सरवरी बानो, अफसना, फरजाना,खातून, अफजल, इमतेयाज, सरफराज आलम सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

आगामी 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर जन स्वराज पार्टी के कर्मठ नेता प्रसेनजीत कुमार सिंह उर्फ हंसल सिंह कहलगांव विधानसभा क्षेत्र का दौरा लगातार अपने कार्यकताओं के साथ कर रहे हैं

दिव्य दिनकर

पटनाबिहार राजनीतिक में समीकरण का जोड़ तोड़ उठा पटक होते ही रहता है' लेकिन कई मैदान में उतरेजन प्रतिनिधि जनता की आवाज बुलंद कर के वैसे कुछ स्वच्छ छवि के यानी संसद, विधायक ,वार्ड ,मुखिया के मुकाम पर पहुंचते हैं' उधर भागलपुर जिला अंतर्गत कहलगांव विधानसभा क्षेत्र में जन स्वराज पार्टी के कर्मठ नेता प्रसेनजीत कुमार सिंह उर्फ हंसल सिंह अपने कार्यकर्ता के साथ दिन-रात पार्टी को मजबूत करने में लगे हुए हैं' वही पार्टी को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचने के लिए आशा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह लगातार दौरा कर रहे हैं' पार्टी के जन्मदाता आरसीपी बाबू के विचारों तथा कार्य निष्पक्ष निर्णय को लेकर जनता के बीच लगातार पार्टी के जन स्वराज श्री सिंह कहते हैं कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं होता है, एक जरूरतमंद लोगों का सेवा धर्म कहलाता है' यही विचारों को लेकर आज जनता के बीच स्वच्छ छवि रखने वाले सभी वर्गों के लोगों के बीच एक मजबूत पकड़ तथा अलग ही पहचान है' अगर देखा जाए तो इस बार 2025 आगामी विधानसभा चुनाव कहलगांव विधानसभा क्षेत्र में जन स्वराज पार्टी का दबदबा होगा ' आगे श्री सिंह कहते हैं कि जन स्वराज पार्टी के आदरणीय प्रशांत किशोर जो नया बिहार बनाने में लगे हैं ,ऐसे में हमारा बिहार विकसित बिहार बहुत जल्द होगा' चिराग सिंह, महेश प्रसाद, पंकज पासवान, संजीव कुमार पासवान ,सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहते हैं'

Vote for Earth, Vote for Democracy ! थीम पर त्रिदिवसीय SVEEP विशेष जागरूकता अभियान क अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा त्रिदिवसीय SVEEP विशेष जागरूकता अभियान Vote for Earth, Vote for Democracy के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नए समाहरणालय स्थल, सिंचाई कॉलोनी के मैदान में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के क्रम में मतदाताओं को उनके संवैधानिक अधिकार–मतदान–के प्रति जागरूक करने एवं साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने हेतु 03 जून (विश्व साइकिल दिवस) से 05 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक त्रिदिवसीय SVEEP विशेष जागरूकता अभियान Vote for Earth, Vote for Democracy थीम पर चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उक्त अवसर पर जिला पदाधिकारी के साथ-साथ उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीमती रुचि सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती रत्ना प्रियदर्शिनी तथा अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के सभी प्रखंडों में Low Voter Turnout (Low VTR) वाले मतदान केंद्रों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को मतदान के महत्व के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर निम्नलिखित प्रेरक संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया:

हर वोट के साथ एक पौधा लगाओ स्वस्थ लोकतंत्र, हरा पर्यावरण मैं वोट दूंगा - मैं पेड़ लगाऊंगा Green Future, Stronger Democracyजिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि यह अभियान नए मतदाता, युवा, महिलाएँ, दिव्यांगजन एवं समाज के सभी वर्गों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करेगा तथा पर्यावरणीय चेतना को भी बल देगा।

ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा ब्रीफिंग किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने हेतु आज दिनांक 05 जून 2025 को अनुमंडल पदाधिकारी, औरंगाबाद श्री संतन कुमार सिंह द्वारा समाहरणालय अवस्थित नगर भवन में प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारियों के साथ विशेष ब्रीफिंग सत्र का आयोजन किया गया। ब्रीफिंग के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि बकरीद एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है, जिसे जिले के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। पर्व की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूर्णतः सतर्क है और प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए क्षेत्रों में अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ करना होगा। उन्होंने सभी दंडाधिकारियों को यह निर्देशित किया कि वे अपने प्रतिनियुक्त क्षेत्र में विधि व्यवस्था के प्रति सतर्क रहें, स्थानीय स्तर पर जन संवाद बनाए रखें और धार्मिक स्थलों, नमाज स्थलों, कुबार्नी स्थलों तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, आपसी विवाद या साम्प्रदायिक उन्माद की स्थिति में अधिकारी त्वरित एवं विवेकपूर्ण कार्रवाई करते हुए संबंधित वरीय पदाधिकारियों को अविलंब सूचित करें। पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए ताकि फेसबुक, व्हाट्सएप एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट, भड़काऊ संदेश या अफवाह फैलाने की कोशिशों को समय रहते रोका जा सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि ऐसी किसी भी गतिविधि में संलिप्त व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी एवं त्वरित विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त कुबार्नी स्थलों की साफ-सफाई, कुबार्नी के अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण हेतु जेसीबी के माध्यम से गड्ढों की खुदाई, और नगर परिषद तथा पंचायत स्तर पर समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। यह भी कहा गया कि मस्जिदों, इमामबाड़ों, मंदिरों तथा संवेदनशील स्थलों के आस-पास सुरक्षा की दृष्टि से विशेष सतर्कता बरती जाए। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी दंडाधिकारियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति के सदस्यों, स्थानीय बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रम या तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी स्मरण कराया कि पर्व के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति को छोटी न समझें, क्योंकि छोटी सी घटना भी गंभीर रूप धारण कर सकती है। अतः हर सूचना पर त्वरित और सशक्त प्रतिक्रिया अत्यंत आवश्यक है। ब्रीफिंग में गोपनीय प्रभारी श्री श्वेतांक लाल, वरीय उपसमाहर्ता श्री रितेश कुमार यादव, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री सुरेश कुमार, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनता के हित में मानवाधिकार का सवाल सरकार एवं प्रशासन से

दिव्य दिनकर

मानवाधिकार के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर इंसान सिन्हा भागलपुर इस खबर के माध्यम से सरकार और व्यवस्था से क्या सवाल जवाब कर रहे हैं' जी हां काफी कम समय में मानवाधिकार के राष्ट्रीय प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सिन्हा वक्त भी रूप से बिहार के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी पहचान बनाए , सभी धर्म को मानते हुए अपने कर्तव्य को करते हुए पीड़ित नागरिकों को समुचित रूप से न्याय दिलाने का काम कर रहे हैं' इनका सवाल जवाब इस तरह से है' बिना हेलमेट... जुमार्ना 1000/- नो पार्किंग में पार्किंग करना... जुमार्ना 3000/- इन्सुरेंस नही है... जुमार्ना 1000/- शराब पी कर वाहन चलाना... जुमार्ना 10000/- नो एंट्री में वाहन चलाना... जुमार्ना 5000/- मोबाईल फोन पे बात करना... *जुमार्ना 2000/- प्रदूषण सर्टिफिकेट नहीं... जुमार्ना 1100/- ट्रिपल सीट ड्राइविंग... जुमार्ना 2000/- अब हमारा सवाल यह है कि खराब सिग्नल... सरकार एवं प्रशासन की कोई जिम्मेदारी सड़क पर गड्ढ़े.. कोई जिम्मेदारी या जुमार्ना नहीं अतिक्रमित फुटपाथ... कोई जिम्मेदारी या जुमार्ना नहीं सड़क पर रोशनी नहीं और ना ही किसी सड़क का चौड़ीकरण व्यवस्थित ढंग से है...... कोई जिम्मेदारी या जुमार्ना नहीं सड़क पर कचरा बह रहा है... कोई जिम्मेदारी नहीं ना ही कोई जुमार्ना सड़कों पर लाइट के खंभे नहीं... कोई जिम्मेदारी नहीं ना ही कोई जुमार्ना खुदी सड़क कोई मरम्मत नहीं.. कोई जिम्मेदारी नहीं नहीं कोई जुमार्ना गड्ढों में गिर कर आप गिरो चोटिल हो जाएँ.. कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं ना ही कोई जुमार्ना आवारा गायें जानवर टकरा जाए कुत्ता काट ले ... कोई जिम्मेदारी नहीं ना ही कोई जुमार्ना गलत तरीके से हेलमेट चेकिंग इंश्योरेंस चेकिंग गाड़ी चेकिंग कर जुमार्ना वसूला जाता है आप जब जुमार्ना लेने का अधिकार रखते हैं तो आपको सड़क व्यवस्था भी, बाजार में सड़क पर गांव में मोहल्ले में शहरों में पूर्ण व्यवस्था भी देना चाहिए और यदि व्यवस्था देने में समर्थ नहीं रहते हैं या व्यवस्था नहीं हो पाती है तो आपको भी जुमार्ना लेने का अधिकार नहीं होना चाहिए ऐसा लगता है कि जनता ही एकमात्र अपराधी है और जुमार्ना देने के लिए उत्तरदायी है। प्रशासन, निगम और सरकार कोई जिम्मेदार नहीं है। उनके लिए कोई नियम लागू नहीं होते हैं। वे किसी भी चूक के लिए कभी ज़िम्मेदार नहीं हैं।* *क्या उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए ???? नागरिक केवल काम करेंगे... दर्द का सामना करेंगे... कर चुकाना होगा... जुमार्ने का भुगतान करेगा... सरकार की जेब भरें... और उन्हें फिर से वोट दें , और जिंदगी भर परेशान रहे यह कहां का नियम है दोनों तरफ से बराबर जुमार्ना होनी चाहिए मेरी मनसा सरकार और प्रशासन को एवं जनता को जागरूक करने का है कि बेहतर से बेहतर व्यवस्था हो और सरकार और प्रशासन भी इस मजबूरी को समझें और समाज और जनता के लिए अग्रसर प्रयास रत्र बने रहे

बकरीद पर्व को लेकर डीसी व एसपी ने गोपीनाथपुर गांव में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था का लिया जायजा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बकरीद पर्व को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के द्वारा पाकुड़ प्रखंड स्थित गोपीनाथपुर गांव में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण का लिया जायजा उपायुक्त मनीष कुमार ने प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को दुरस्त रखें। उपायुक्त ने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 9262998612 पर किसी प्रकार की सूचना दी जा सकती है। उपायुक्त ने कहा कि कहीं से भी किसी भी प्रकार का न्यूज मिलता है तो उसे शेयर करने से बचें, अफवाहों को आप वेरीफाई जरूर कर लें। साथ ही उन्होंने समस्त जिलावासियों से सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील करते हुए विधि व्यवस्था संधारण में सहयोग का अपील किया। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि बकरीद त्योहार के मद्देनजर जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने आपसी भाईचारे को कायम रखते हुए शांतिपूर्ण माहौल में बकरीद मनाने की अपील की। सोशल मीडिया पर ऐसा कोई आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करना है, जिससे किसी की आस्था को ठेस पहुंचे। इसपर सभी लोगों को ध्यान देना चाहिए। अगर ऐसा करते हुए पाया गया तो पुलिस प्रशासन इस पर सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। सभी लोगों को किसी भी तरह के अफवाह से बचना चाहिए। अगर किसी भी तरह की ऐसी सूचना प्राप्त होती है तो तुरंत पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दें।

इसके अलावा उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने अंतरराज्यीय चेकपोस्ट चांदपुर का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का लिया जायजा डीसी मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए अंतरराज्यीय चेकपोस्ट चांदपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने चेकपोस्ट पर तैनात दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को जिले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जांच करने हेतु निर्देश दिया।

गोदान काव्य रूपांतरण का लोकार्पण 8 मई को किया जाएगा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित चित्रगोपी मोड़ के समीप दशरथ प्रसाद रामानंदन पांडेय बी एड कॉलेज के प्रांगण में 8 मई को झारखंड के चर्चित साहित्यकार एवं कवि राकेश कुमार मिश्र प्रणीत गोदान काव्य रूपांतरण का लोकार्पण समारोह जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा।इस आशय की जानकारी देते हुए संस्था के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ सुधीर कुमार मिश्र प्राचार्य सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज एवं औरंगाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडेय होंगे।वहीं पंचदेव धाम चपरा के संस्थापक अशोक कुमार सिंह उद्घाटन कर्ता एवं मुख्य वक्ता के रूप में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की गरिमामई उपस्थिति होगी।आर एन पी ग्रुप के संस्थापक शंभूनाथ पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन टाइम्स आफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख प्रेमेंद्र मिश्रा द्वारा किया जाएगा।जबकि,मेदिनीनगर के वरिष्ठ साहित्यकार श्रीधर चतुवेर्दी एवं गढ़वा के साहित्यकार प्रोफेसर सुरेंद्र मिश्रा जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।स्वागत काव्य धनंजय जयपुरी एवं धन्यवाद ज्ञापन समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा द्वारा किया जाएगा।प्रोफेसर शिवपूजन सिंह, प्रो रामाधार सिंह एवं सिद्धेश्वर विद्यार्थी की गरिमामई उपस्थिति में स्वागत कर्ता के रूप में पुरुषोत्तम पाठक,चंदन कुमार,लालदेव प्रसाद एवं सुरेश विद्यार्थी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। साथ ही साथ जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, समकालीन जवाबदेही परिवार,बतकही परिवार से जुड़े सभी साहित्यसेवियों की सहभागिता होगी।

महेशपुर प्रखंड में आयोजित आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रखंड परिसर में आम उत्सव सह बागवानी मेले का आयोजन किया गया। मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत महेशपुर प्रखंड परिसर में आयोजित आम उत्सव सह बागवानी मेले में कई पंचायतों के आम उत्पादक किसान सहित स्वयं सहायता समूह के दीदी ने मेले में पहुंचकर मेले को सफल बनाया। मेले का शुभारंभ प्रखंड उप प्रमुख महोदया, प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ॰ सिद्धार्थ शंकर यादव, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड के कई पंचायतों से आए जनप्रतिनिधि गण, बीपीओ रिजवान फारूकी,बीपीएम उज्वल रविदास, ऋ्छ्ळउ बिपिन मंडल, बीपीआरओ प्रसेनजीत मंडल, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता,मुखियागण, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक ने मेले का उद्घाटन किया। स्थानीय कृषकों एवं महिला समुह को बढ़ावा देने और महिला सशक्तिकरण को बल देने के उद्देश्य से अलग-अलग पंचायत से पहुंची महिलाओं ने मनरेगा योजना के तहत लगाए गए आम के बागानों से उत्पन्न आम्रपाली, मल्लिका, हिम सागर, अल्फानसी, सिंदूरी, बम्बईया, लंगड़ा मालदा, तोत पूरी, फजली, चौसा, खिरसा पति, दशहरी, नीलम, बीजू, जैसी बेहतरीन किस्मों के आमों का स्टाल पर प्रदर्शन किया। इस मेले में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि आम उत्पादक किसान आधुनिक तकनीकि अपनाकर मनरेगा से रोजगार प्राप्त कर आम बागवानी बनाने के साथ- साथ पर्यायवरण को संतुलित करके स्वरोजगार को बढ़ावा देने का काम किया है। यह मेला न सिर्फ बागवानी को बढ़ावा देने का मंच है, बल्कि यह आम उत्पादक किसानों सहित महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल के साथ स्वरोजगार का अवसर प्रदान कर रहा है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आम उत्पादक किसानों ने कहा कि मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 30 पंचायतों में 320 एकड़ भूमि का चयन कर आम बागवानी कराने के लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया हैं, जिससे किसानों को रोजगार और आत्मनिर्भरता मिलेगी। साथ ही जो आम उत्पादक किसान प्रखंड क्षेत्र में आम बागवानी कर अपनी आय संवर्धन कर रहे हैं वे अन्य सभी आम उत्पादक किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

भ्रष्टाचार,विभागीय लापरवाही और बिहार सरकार के हवा हवाई दावों का शिकार गयाजी का फल्गु रबर डैम: महेश शर्मा

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

बिहार के जल संसाधन मंत्रालय की ओर से 324 करोड़ के लागत से बनाए गए रबर डैम एवं बिहार के तथाकथित बिकास पुरुष कहे जाने वाले नीतीश कुमार की ड्रीम प्रोजेक्ट का हस्त्र इस तरह होगा कोई सोचा भी नहीं होगा। जी मैं बात कर रहा हूं बिहार के अति पावन श्री विष्णु पद के प्रांगण गयाजी में स्थित रबर डैम का जिसे करोड़ों के लागत से बनाया गया था। इस डैम के संबंध में बिहार सूचना प्रसारण विभाग एवं पर्यटन विभाग द्वारा बहुत लंबा लंबा डींगे हाकी गई थी,कि इसमें सालों पानी रहेगी,इसकी सौंदर्य का खास ख्याल रखा जाएगा,पिंडदानियों को एक खास सुविधा मिलेगी,इस डैम में नौका बिहार चलाया जाएगा इत्यादि इत्यादि। लेकिन हुआ क्या इस डैम के साथ सिर्फ बरसात में ही पानी रहता है बाकी दिनों इसकी सुध खबर लेने वाला गयाजी का जिला प्रशासन अपने कर्तव्य की दाह संस्कार इसी डैम में करकर चैन की नींद सो रहा है और ये डैम अपनी उपेक्षा और बदहाली पर आसू बहा कर लोगों का ध्यान अपने ओर खींच कर कह रही है कि मैं बरसात के बाद सूखा निढाल उपेक्षित पड़ा हुआ रहता हूं मुझे देखने वाला कोई नहीं है। यह प्रोजेक्ट नीतीश कुमार जी का ड्रीम प्रोजेक्ट था,जिसकी चर्चा और प्रचार इतना किया गया कि यह देश का अजूबा डैम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा किया था और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भी की इस डैम में सालों भर पानी रहेगा।और गया जी का भूजल स्तर ऊपर आ जायेगा और इसमें गंगा जी का पानी आएगा बैगरह वैगेरह,लेकिन सब के सब ढकोसला साबित हुए। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के महेश शर्मा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में करोड़ों का घोटाला हुआ है और यह प्रोजेक्ट मंत्री और अधिकारियों के लिए एक दुधारू लुट का जरिया हो गया है। साथ ही एक नेता तो मंच से बोले थे कि माँ जगत जननी के श्राप से फल्गु को नीतीश कुमार ने मुक्त कर दिया,इतना बड़ा घमंड नीतीश कुमार के सरकार को हो गया था। अर्थात प्रकृति को ही चुनौती दे डाली थी,लेकिन प्रकृति ने इनके घमंड को लज्जा में बदल दिया शायद जिसकी बोध इस सरकार को नहीं है। दूसरी ओर फल्गु के बालू बेचकर सरकार करोड़ो का राजस्व प्रतिवर्ष कमा रही है,और मोक्षदायिनी फल्गु माता का भयादोहन कर रही है। यह प्रोजेक्ट से जीवन भर फल्गु में पानी नही आएगा न रहेगा सिर्फ पैसे का लूट होते रहेगा। गयाजी के सौंदर्य निर्माण में इस डैम से कोई फायदा नही हुआ है,भू जल स्तर में भी कोई सुधार नहीं हुआ चुकी पानी ही नहीं तो भू जल स्तर क्या खाक सुधरेगा? हां कुछ नेताओं को प्रशस्ति पत्र जरूर मिल गया एवं जिला प्रशासन को लुट की हिस्सेदारी। सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल गया रबर डैम की हालत दयनीय है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार गयाजी में फल्गु नदी के पानी से तर्पण करने का बड़ा महत्व है। फल्गु में सालों भर पानी रहे इसके लिए देश का सब से लंबा रबर डैम 324 करोड़ की लागत से बनाया गया था. 2022 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों इसका उद्घाटन धूमधाम से हुआ था तब कहा गया था कि अंतः सलिल फल्गु नदी अब सतह सलिला हो गई है। लेकिन सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है जो सरकारी कार्यों की बदहाली को दशार्ता है।

धारावी योजना: पुनर्विकास या लैंड लूट!

>> विचार

> मास्टर प्लान के अनुसार, पुनर्विकास के बाद धारावी की आबादी 10 लाख से घटकर 4.9 लाख रह जाएगी। यानी, आधी आबादी को मुंबई के बाहरी इलाकों, जैसे प्रदूषित देवनार डंपिंग ग्राउंड, में बसाया जा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। विपक्ष का आरोप है कि अडानी समूह को ठेका देने में सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। 2018 में, दुबई की सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज ने 7,200 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, लेकिन 2020 में कोविड का हवाला देकर टेंडर रद्द कर दिया गया। 2022 में, नई शर्तों के साथ टेंडर निकाला गया, जिसमें अडानी ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया। यानी, सरकार को 2,131 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ।

पंकज श्रीवास्तव

क्या धारावी पुनर्विकास योजना वास्तव में झुग्गीवासियों के लिए एक नया भविष्य है, या फिर यह बड़े उद्योगपतियों की ज़मीन हथियाने की चाल? जानिए इस बहुचर्चित परियोजना के पीछे का सच। धारावी आजकल एक बार फिर सुर्खियों में है। यह मुंबई का वह इलाका है जिसे दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती के रूप में जाना जाता है। वजह है पुनर्विकास योजना जिसे लेकर तमाम सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि पुनर्विकास के नाम पर सरकार अपने चहेते पूँजीपति गौतम अड़ानी पर बेशक़ीमती ज़मीन लुटा रही है। साथ ही, इससे लाखों लोगों का भविष्य ख़तरे में पड़ जाएगा जो दशकों से यहाँ रहते हैं।

धारावी का इतिहास : धारावी सिर्फ एक स्लम नहीं, बल्कि एक जीवंत आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र है। सन 1800 के आसपास यह एक दलदली इलाका भर था, जहाँ मछुआरे और कारीगर बसने लगे थे। सौ साल बाद जब मुंबई का विस्तार गति पकड़ रहा था तो कुम्हार, चमड़ा कारीगर, और छोटे व्यापारी यहाँ बसने लगे। आज धारावी में 8 से 10 लाख लोग 240-259 हेक्टेयर (लगभग 600 एकड़) में रहते हैं। यहाँ की अर्थव्यवस्था भी अनोखी है। धारावी में चमड़े, कपड़े, मिट्टी के बर्तन, और रिसाइक्लिंग जैसे उद्योग हर साल लगभग 1 अरब डॉलर (8,000 करोड़ रुपये) का कारोबार करते हैं। 6,000 से ज्यादा छोटी-मझोली इकाइयां और 13,000 छोटे बिजनेस यहाँ चलते हैं। इसे मिनी इंडिया कहा जाता है, क्योंकि यहाँ गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे कई राज्यों के लोग एकजुट होकर रहते हैं। धारावी की वैश्विक पहचान 2008 में रिलीज हुई फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर से बनी, जिसे डैनी बॉयल ने निर्देशित किया। इस फिल्म ने धारावी की जिंदगी को बखूबी दिखाया और 8 ऑस्कर अवॉर्ड जीते, जिसमें ए.आर. रहमान को जय हो गीत के लिए ऑस्कर मिला। 1992 में सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म धारावी रिलीज़ हुई थी जिसने इस बस्ती की कहानी को पर्दे पर उतारा था। इस फिल्म में शबाना आज़मी और ओम पुरी की मुख्य भूमिकाएँ थीं, और इसे सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय ने 28 मई 2025 को घोषणा की कि धारावी मास्टर प्लान को स्वीकार कर लिया गया है। इस परियोजना का कुल अधिसूचित क्षेत्र 251.24 हेक्टेयर है, जिसमें 108.99 हेक्टेयर पुनर्विकास के लिए और शेष बुनियादी ढाँचे व सार्वजनिक सेवाओं के लिए है। इसमें 58,532 आवासीय इकाइयाँ और 13,468 वाणिज्यिक व औद्योगिक इकाइयाँ बनेंगी। 2022 में, अडानी समूह ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर यह प्रोजेक्ट हासिल किया। यह परियोजना नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत चल रही है, जिसमें अडानी की 80% और महाराष्ट्र सरकार की 20% हिस्सेदारी है। योजना के तहत, 1 जनवरी 2000 से पहले धारावी में रहने वालों को 350 वर्ग फुट के मुफ्त फ्लैट मिलेंगे। लेकिन 2000 के बाद आए लोगों और ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले 1.5-2 लाख किरायेदारों को पुनर्वास से बाहर रखा गया है, जिसका मतलब है कि उन्हें उजाड़ा जा सकता है। मास्टर प्लान के अनुसार, पुनर्विकास के बाद धारावी की आबादी 10 लाख से घटकर 4.9 लाख रह जाएगी। यानी, आधी आबादी को मुंबई के बाहरी इलाकों, जैसे प्रदूषित देवनार डंपिंग ग्राउंड, में बसाया जा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। विपक्ष का आरोप है कि अडानी समूह को ठेका देने में सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। 2018 में, दुबई की सेक्लिंक टेक्नोलॉजीज ने 7,200 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, लेकिन 2020 में कोविड का हवाला देकर टेंडर रद्द कर दिया गया। 2022 में, नई शर्तों के साथ टेंडर निकाला गया, जिसमें अडानी ने 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया। यानी, सरकार को 2,131 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ। सेक्लिंक ने इसे बॉम्बे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन दोनों ने अडानी के पक्ष में फैसला दिया। विपक्ष का कहना है कि टेंडर की शर्तें अडानी के लिए "टेलर-मेड" थीं। इसके अलावा, अडानी ने जीएसटी, सीढ़ियों, और खुले स्थान के नियमों में छूट माँगी है। 255 एकड़ नमक की भूमि और देवनार डंपिंग ग्राउंड जैसी जगहें मुफ्त में दी गई हैं। शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे का दावा है कि अडानी को 540 एकड़ धारावी की जमीन और 600 एकड़ अतिरिक्त जमीन मुफ्त में दी जा रही है। सभी बिल्डरों को पहले 40% ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट अडानी से खरीदने का नियम बनाया गया है, जिसे विपक्ष "टीडीआर घोटाला" बता रहा है। विपक्षी दल इस प्रोजेक्ट को "लैंड ग्रैब" बता रहे हैं। शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने कहा, "हम मुंबई को अडानी सिटी नहीं बनने देंगे। कांग्रेस की नेता वर्षा गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि लाखों लोगों को धारावी से जबरन उजाड़ा जाएगा, और बदले में अडानी को 14 करोड़ वर्ग फीट निर्माण योग्य क्षेत्र मिलेगा, जो धारावी के कुल क्षेत्रफल से छह गुना ज्यादा है। हाल ही में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी धारावी का दौरा किया और निवासियों के हक की बात उठाई। धारावी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से सिर्फ 5.5 किलोमीटर दूर है, जो मुंबई का व्यावसायिक केंद्र है। निवासियों को डर है कि धारावी को बीकेसी का हिस्सा बनाने के लिए उन्हें मुंबई के बाहरी इलाकों में भेजा जाएगा। धारावी का पुनर्विकास एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जो लाखों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। लेकिन सवाल यह है कि यह बदलाव किसके लिए है? क्या लाखों किरायेदारों को उजाड़कर धारावी की आत्मा को नुकसान नहीं पहुँचेगा? क्या यह पुनर्विकास मुंबई के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित करेगा? मुंबई बीएमसी चुनावों में देरी को देखते हुए, यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी गर्म है। धारावी के निवासियों का भविष्य अधर में लटका है, और यह सवाल अनुत्तरित है कि क्या यह वाकई विकास है, या बेशकीमती शहरी जमीन की लूट की साजिश।

संपादकीय

सतर्क रहने की जरूरत

अतीत के सबक, खासतौर पर कोविड-19 के तीन सालों के दौरान मिली सीख, एक अच्छे मार्गदर्शक साबित हो सकते हैं। देश के कोविड-19 डैशबोर्ड में हाल के हफ़्तों में कुछ गतिविधि देखी गई है और कोविड के मामलों की कुल संख्या (जनवरी 2025 से) वर्तमान में 3961 (2 जून, सुबह 8 बजे तक) है और मौतों की संख्या 32 दर्ज की गई है। भले ही हजारों की यह संख्या थोड़ी चिंताजनक लग रही है, फिर भी 1.4 अरब से ज्यादा की आबादी वाले इस देश में यह संख्या काफी कम है। पूरी तस्वीर पर एक नज़र डालना भी महत्वपूर्ण है। सभी राज्यों में कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाए जाने वाले लोगों की तादाद में दिन-प्रतिदिन इजाफा नहीं हुआ है और तमाम बढ़ोतरी अभी भी इकाई या कम दहाई अंकों में ही सीमित है। इसके अलावा, अबतक 2,188 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। यह ठीक उसी बात को रेखांकित करता है, जो विशेषज्ञ इस साल बीमारी के वक्रके बढ़ने के साथ कह रहे हैं: कि अब संक्रमण पैदा करने वाले वेरिएंट ओमिक्रॉन के सबवेरिएंट हैं और ये न तो ज्यादा संक्रामक हैं और न ही अतीत के मुकाबले ज्यादा गंभीर बीमारी का सबब बनते हैं। भले ही घबराहट और चिंता फिजूल हो, फिर भी सावधानी और एहतियाती रवैया अपनाना जायज है। खासतौर पर, उन लोगों के मामले में जो निहायत ही कमजोर और सह-रुग्णता के शिकार हैं। महामारी से हासिल अनुभव यह है कि पहले से अन्य सह-रुग्णताओं के शिकार लोग कोविड-19 के संक्रमण से असंगत तरीके से प्रभावित होते हैं। आम सह-रुग्णताओं में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, मोटापा, गुर्दे की बीमारियां तथा बढ़ती उम्र (60 साल के बाद) शामिल हैं। इन स्थितियों से पीड़ित लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना शुरू करना चाहिए और नियमित रूप से हाथ धोना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि महामारी से हाल ही में हासिल प्रतिरक्षा अच्छी साबित होगी, लेकिन फिर भी, खासकर कमजोर लोगों को बूस्टर या टीके देने सहित संभावित सावधानियां बरतनी होंगी। यही वह बिंदु है जहां सरकार को कदम उठाना चाहिए, क्योंकि देश के अधिकांश हिस्सों में, यहां तक कि शहरी केंद्रों में भी कोविड के टीके या बूस्टर उपलब्ध नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन महामारी समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले भारत को सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि टीकों एवं नैदानिक किटों का भंडार बनाया जाए और उन्हें पूरे देश में वितरित किया जाए। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र के अस्पतालों को यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वास्थ्य।

जीत की जश्न के जख्म

प्रमोद भार्गव

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत की जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 क्रिकेट प्रेमियों की मौत हो गई, 33 लोग घायल हुए हैं। चूंकि आरसीबी ने 18 साल बाद बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए इस महानगर के क्रिकेट प्रेमी खिलाड़ियों को समीप से देखने की प्रबल इच्छा के चलते स्टेडियम की ओर दौड़ पड़े। अनुमान है कि करीब 3 लाख लोग इकट्ठे हुए, यह अनुमान प्रषासन से लेकर बीसीसीआई तक को भी नहीं था। लोग समझ रहे थे कि खिलाड़ी खुली जीप में स्टेडियम से बाहर एक जुलूस के रूप में सड़क पर निकलेंगे और प्रषंसकों का स्नेह अभिवादन नेताओं की तरह स्वीकार करेंगे। लेकिन इस खेल हादसे से जुड़ा दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह रहा कि खिलाड़ी और बीसीसीआई के प्रषासनिक अधिकारी खेल प्रषाल के भीतर जष्न मनाते रहे और बाहर तमाषबीनों की बेकाबू भीड़ ने जष्न को मातम में बदल दिया। इस हादसे में प्रभावित लोगों के जख्म लंबे समय तक हरे बने रहेंगे। भीड़ से जुड़े ऐसे हादसे अकसर बड़े धार्मिक मेलों, सत्संग और अनुश्ठानों के समय देखने में आते हैं। षायद यह पहला अवसर है जब क्रिकेट प्रेमी इतनी बड़ी संख्या में उमड़े कि वे पुलिस नियंत्रण से बाहर होते चले गए और हादसा घट गया। बीसीसीआई ने आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ के लिए सुरक्षा संबंधी उपायों में चूक मानी है। आरसीबी टीम प्रबंधन ने कहा है कि क्रिकेट प्रेमी के भावनाओं के साथ हमदर्दी रखनी चाहिए। वास्तविकता तो यह है कि यह लोकप्रियता का नकारात्मक पहलू है। प्रबंधक और प्रशासनिक अधिकारियों को सुरक्षा की बेहतर योजना बनाने की जरूरत थी। मीडिया भी आजकल क्रिकेट को कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में लगा है। इसमें उसका टीआरपी का स्वाद निहित है। दूसरी तरफ बीसीसीआई आईपीएल खेलों के आयोजन से मोटी कमाई तो करती है, लेकिन दर्षकों को सुविधा देने से उसका कोई सीधा

वास्ता नहीं होता है। खिलाड़ी भी जो टीम ऊंची बोली लगाने वाली टीम का हिस्सा बनते हैं। इसलिए उनकी टीम की जीत के प्रति तो जबावदेही बनती है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के प्रति कभी कोई प्रतिबद्धता दिखाई हो ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। दरअसल जो खिलाड़ी खुद को टीम के लिए नीलाम कर दें, वे जनता के प्रति उदार कैसे हो सकते हैं? फिल्मी कलाकारों की तरह इन खिलाड़ियों ने भी अपने जीवन को ग्लेमर में बदलकर प्रषंसकों से लगभग दूरी बना ली है। इस खेल हादसे के बाद खिलाड़ियों का यही नजरिया देखने में आया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड होने को तो विष्व का सबसे अमीर क्रिक्रेट बोर्ड है। 2024 में पीटीआई के खबर के मुताबिक बीसीसीआई की कुल संपत्ति करीब 20 हजार 686 करोड़ रुपए हैं। इसमें धन का प्रवाह इतना है कि जब आरसीए के अध्यक्ष ललित मोदी पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप बीसीसीआई ने लगाए तो वे देष ही छोड़ गए और विदेष में वैभवशाली जीवन जी रहे हैं। हादसों और घोटालों के बावजूद जनता पर क्रिकेट का जादू इसलिए छाया है, क्योंकि मीडिया इसे हवा देने का काम करता है। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्षन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रषासन कोई सबक नहीं ले पाया है। इस साल प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले में भीड़ प्रबंधन के अनेक उपाय किए गए थे, बावजूद हादसे हुए और दर्जनों लोग बेमौत मारे गए। जबकि धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम षालीनता और आत्मानुषासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अकसर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेष बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते है। अब क्रिकेट जैसे खेल में भी हादसे की शुरुआत कुप्रबंधन के चलते देखने में आ गई है। भविष्य में ऐसे हादसे की पुनरावृत्ति न हो कहना मुश्किल है। दरअसल हमारे यहां प्रशासन अकसर न तो पिछली घटना का ठीक से समीक्षा करता है और न ही सबक लेता है। अतएव कुंभ हो या अन्य मेले और अब खेल मैदान, इनमें अनायास जितनी भीड़ पहुंचती है और उसके प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत होती है, उसकी दूसरे देषों के लोग कल्पना भी नहीं कर सकते? इसलिए हमारे यहां भीड़ प्रबंधन की सीख हम विदेषी साहित्य और प्रषिक्षण से नहीं ले सकते? क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देष में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बेंगलुरु में भी यह उम्मीद किसी को नहीं थी कि आरसीबी यदि 18 साल बाद आईपीएल जीतती है तो एकाएक खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए इतनी भीड़ एकाएक उमर पड़ेगी। बावजूद हमारे नौकरषाह भीड़ प्रबंधन का प्रषिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देषज ज्ञान और अनुभव से सीखने होंगे। धार्मिक और खेल स्थलों पर भीड़ बढ़ाने का काम मीडिया भी कर रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया भी टीआरपी के लालच में अहम् भूमिका निभाता नजर आता है। हमारे यहां प्रत्येक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चमात्कारिक लाभ से जोड़कर देष के भोले-भाले भक्तगणों से एक तरह का छल मीडिया कर रहा है। इसी तर्ज पर मीडिया क्रिकेट और क्रिकेट खिलाड़ियों का कुछ ऐसा सम्मोहक प्रस्तुतिकरण करता है कि यदि यह प्रतिस्पर्धात्मक खेल नहीं देखा तो विष्व के अनूठे आष्चर्य को देखने से वंचित रह जाएंगे। मीडिया का यही नाट्य रूपांतरण और अलौकिक कलावाद व्यक्ति को निष्क्रिय व अंधविश्वासी बना रहा है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम भाग्य आधारित अवधारणा को भाग्य और प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, लोगों को व्यर्थ की चीजों के प्रति जुनूनी बना रहा है। राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि अब लोग मोबाइल के लती होते जा रहे हैं। यह नशा युवाओं की बुद्धि को कुंद कर रहा है और हमारी सरकारें व राजनेता ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मोबाइल और लैपटॉप इनाम में दे रहे हैं।

डिजिटल क्रांति: विचार अब प्रदर्शन नहीं, प्रस्तुतियां बन गए हैं

प्रो. आरके जैन

आज का भारत एक ऐसी धरती है, जहां क्रांति का रंग बदल चुका है। पहले जहां सड़कों पर नारे, धरने और अनशन व्यवस्था को चुनौती देते थे, वहीं अब स्मार्टफोन की स्क्रीन पर रील्स ने वह जगह ले ली है। एक मिनट की वीडियो, जिसमें हल्का-सा मज़ाक, थोड़ा-सा गुस्सा और ढेर सारा ड्रामा हो, लाखों लोगों तक पहुँचकर तहलका मचा देती है। सोशल मीडिया, खासकर रील्स, ने हर किसी को अपनी बात कहने का मंच दे दिया है। लेकिन इसी मंच ने एक अजीब-सी विडंबना को जन्म दिया है- रील्स से क्रांति ट्रेंड करती है, मगर रीयल में सवाल उठाने वाले को जेल की सैर करनी पड़ती है। यह विरोधाभास हमारे समाज, हमारी व्यवस्था और हमारे समय की सच्चाई को उजागर करता है। सोशल मीडिया ने क्रांति को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब न तो किसी बड़े संगठन की ज़रूरत है, न विचारधारा की गहरी समझ की, और न ही लंबे भाषणों की। बस एक स्मार्टफोन, थोड़ा-सा अभिनय और एक ट्रेंडिंग ऑडियो ही काफी है। एक नौजवान, जो कभी मंचों तक नहीं पहुँच पाता था, आज अपनी रील्स के ज़रिए लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। शिक्षा, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा या सामाजिक अन्याय जैसे गंभीर मुद्दों को वह मज़ेदार डायलॉग, इमोशनल बैकग्राउंड म्यूज़िक और कैची कैप्शन के साथ पेश करता है। नतीजा? उसकी बात वायरल होती है, लोग तारीफ करते हैं, और वह रातोंरात स्टार बन जाता है। लेकिन यही बात अगर कोई सड़क पर उतरकर, पोस्टर लेकर या नारे लगाकर कहे, तो उसे पुलिस का डंडा, एफआईआर, या जेल का रास्ता दिखाया जाता है। आंकड़े इस विडंबना को और स्पष्ट करते हैं- 2023 में भारत में विभिन्न विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 3,000 लोग गिरफ्तार किए गए, जिनमें से कई शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी थे (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो, 2023)। दूसरी ओर, उसी साल इंस्टाग्राम पर सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रील्स को अरबों बार देखा गया, और उनमें से ज़्यादातर बिना किसी कानूनी कार्रवाई के ट्रेंड करती रहीं। यह अंतर सिर्फ़ माध्यम का नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता का भी है। रील्स में मुद्दों को "पैकेज" किया जाता है। एक मिनट की क्लिप में हल्का-सा हास्य, थोड़ा-सा गुस्सा और ढेर सारी नाटकीयता डालकर उसे मनोरंजन का रूप दे दिया जाता है। लोग उसे देखते हैं, लाइक करते हैं, शेयर करते हैं, और फिर भूल जाते हैं। लेकिन जब वही मुद्दा सड़क पर, संसद के सामने या किसी धरने में उठाया जाता है, तो वह व्यवस्था के लिए खतरा बन जाता है। सवाल उठाने वाले को देशद्रोही, अराजकतावादी, या किसी विचारधारा का एजेंट करार दे दिया जाता है। उदाहरण के लिए, 2020-21 के किसान

आंदोलन में लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन उनकी आवाज़ को दबाने के लिए न केवल बल प्रयोग किया गया, बल्कि 700 से ज़्यादा किसानों की जान गई (इंडियन एक्सप्रेस, 2021)। वहीं, सोशल मीडिया पर किसानों के समर्थन में बनी रील्स को करोड़ों व्यूज़ मिले, और उनके क्रिएटर्स को ब्रांड डील्स तक ऑफर हुए। यहाँ सवाल यह है कि क्या रील्स वास्तव में क्रांति ला रही हैं, या सिर्फ़ मनोरंजन का नया रूप बन रही हैं? रील्स की ताकत को नज़रअंदाज़ करना असंभव है। इसने हर आम इंसान को अपनी आवाज़ बुलंद करने का मंच दिया। 2024 तक भारत में इंस्टाग्राम के 50 करोड़ से अधिक यूज़र्स थे, जिनमें 70% से ज़्यादा 18-34 आयु वर्ग के युवा थे (स्टेटिस्टा, 2024)। इन युवाओं ने रील्स को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का ज़ोरदार हथियार बनाया। चाहे सामाजिक न्याय की माँग हो, वैश्विक आंदोलनों का भारतीय स्वरूप हो, या स्थानीय मुद्दों पर जागरूकता-रील्स ने हर आवाज़ को दुनिया तक पहुँचाया। मगर यही ताकत इसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। जब गंभीर मुद्दे स्क्रिप्टेड ड्रामे में बदल जाते हैं, तो उनका असली मकसद फीका पड़ जाता है। रील्स में दिखने वाला गुस्सा या दर्द अक्सर सतही होता है, जो लाइक्स और शेयर्स की चमक तक सीमित रहता है। सच्चा बदलाव चाहिए तो जोखिम, मेहनत और समर्पण चाहिए, जो रील्स की चकाचौंध में कहीं खो जाता है। दूसरी ओर, जो लोग ज़मीन पर संघर्ष करते हैं- चाहे वह किसान हों, दलित अधिकारों के लिए लड़ने वाले कार्यकर्ता हों, या आदिवासी अपनी ज़मीन बचाने की जंग लड़ रहे हों-उन्हें सत्ता की सख्ती का सामना करना पड़ता है। 2022 में, भारत में 1,000 से ज़्यादा मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों पर गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामले दर्ज किए गए (ह्यूमन राइट्स वॉच, 2023)। इनमें से कई लोग केवल इसलिए निशाने पर आए क्योंकि उन्होंने व्यवस्था से सवाल पूछे। यह विडंबना है कि जहाँ एक रील क्रिएटर अपनी बात को मज़ाक में लपेटकर बिना डर के लाखों तक पहुँचाता है, वहीं एक कार्यकर्ता को वही बात कहने के लिए जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ता है। यह कहना गलत नहीं कि रील्स ने लोकतंत्र को "वायरल" बना दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इसने क्रांति को सतही कर दिया है। आज की क्रांति का मापदंड व्यूज़, लाइक्स और फॉलोअर्स बन गए हैं। एक रील की सफलता इस बात से तय होती है कि उसने कितने लोगों को हँसाया, रुलाया या चौंकाया। लेकिन असल क्रांति का रास्ता इतना आसान नहीं। वह सड़कों पर, कोर्टरूम में, और कभी-कभी जेल की दीवारों के बीच से होकर गुज़रता है। इतिहास गवाह है कि तिलक, गाँधी, या भगत सिंह ने अपनी लड़ाई सड़कों पर लड़ी, न कि किसी स्क्रीन पर। उनकी क्रांति में खून, पसीना और बलिदान था, न कि ट्रेंडिंग ऑडियो और फिल्टर्स। फिर भी, यह कहना गलत होगा कि रील्स का कोई योगदान नहीं। इसने उन आवाज़ों को मंच दिया है, जो पहले दबा दी जाती थीं। लेकिन हमें यह समझना होगा कि रील्स बदलाव का पहला कदम हो सकती हैं, आखिरी नहीं। जब तक हम स्क्रीन से सड़क तक का सफर तय नहीं करते, तब तक क्रांति अधूरी रहेगी। क्योंकि सच्चा बदलाव तब आता है, जब लोग न केवल लाइक और शेयर करें, बल्कि सवाल पूछें, जवाब माँगें और ज़रूरत पड़े तो सड़कों पर उतरें। रील्स से क्रांति की शुरुआत हो सकती है, लेकिन रीयल से ही इतिहास बनता है। डिजिटल युग में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम सच्चाई और मनोरंजन के बीच की महीन रेखा को पहचानें। रील्स, अपने छोटे-से दायरे में, हमें जागरूक करने की ताकत रखती हैं-वे मुद्दों को उजागर करती हैं, भावनाओं को झकझोरती हैं, और लाखों लोगों तक आवाज़ पहुँचाती हैं। मगर यह ताकत तभी सार्थक है, जब हम इसे स्क्रीन की चमक-दमक तक सीमित न रहने दें। सच्चा बदलाव सड़कों पर, समुदायों में, और हमारे ठोस कदमों से आता है। अगर हम केवल रील्स देखकर, लाइक और शेयर करके संतुष्ट हो जाते हैं, तो क्रांति महज़ एक क्षणिक ट्रेंड बनकर रह जाएगी। असली सवाल- न्याय, समानता, और स्वतंत्रता के सवाल-वायरल वीडियो की भीड़ में दब जाएँगे और जेल की दीवारों में कैद होकर रह जाएँगे। बदलाव की शुरुआत स्क्रीन से हो सकती है, लेकिन उसका अंत हमें असल दुनिया में करना होगा, जहाँ जोखिम, मेहनत और समर्पण ही सच्ची क्रांति को जन्म देते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर कलाकारों के संदेश छोटे प्रयास जो पृथ्वी पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं

हर साल 5 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें हमारी पृथ्वी की रक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। जलवायु परिवर्तन को लेकर जागरूकता बढ़ाने से लेकर टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने तक, यह दिन हमें एक हरित भविष्य के लिए सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, वृहि कोड़वारा, परीवा प्रणति और आदित्य रेडिज पर्यावरण के प्रति जागरूकता, व्यक्तिगत इको-फ्रेंडली आदतों और प्रकृति के लिए अपने खास योगदान की बातें कि किस तरह अर्थ डे को सेलिब्रेट करने का उनका लक्ष्य अपने खास अंदाज में प्रकृति को कुछ लौटाने का रहता है। ह्लविश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य मुद्दों को लेकर जागरूकता फैलाना है। कोविड-19 के बाद हमें यह महसूस हुआ कि प्रकृति हमारे लिए कितनी जरूरी है। पृथ्वी को बचाने का सबसे आसान तरीका है – रीड्यूस, रीयूज और रीसाइकल। हमें संसाधनों के उपयोग में टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और इन तीन ह्यआरह्न को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों और लैंडफिल स्पेस का संरक्षण हो सके।

पंचगड़िया में पर्यावरण दिवस पर ग्रामीणों ने लिया हरियाली का संकल्प

करौं, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवघर जिला नागरिक मंच की ओर से रानीडीह पंचायत अंतर्गत पंचगड़िया (कुमाराडीह) गांव में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व को लेकर जागरूकता फैलायी गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भोजन और पानी के बिना इंसान कुछ दिन जीवित रह सकता है, लेकिन शुद्ध ऑक्सीजन के बिना जीवन कुछ मिनटों का ही मेहमान होता है। यह ऑक्सीजन केवल पेड़-पौधे ही हमें प्रदान कर सकते हैं, कोई अन्य जीव या संसाधन नहीं। इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। लोगों से अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करने और उनकी देखभाल करने की अपील की गई। कार्यक्रम में मंच के सदस्य संतोष सिंह, कुंदन राय, राजीव सोरेन, हरीशन मरांडी, नंदलाल मरांडी, विनय राय, रोशन, सुकू मरांडी, मोहन हांसदा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सिमरिया अनुमंडल,प्रखंड कार्यालय, रेफरल अस्पताल सुभाष चंद्र बोस का किया निरीक्षण

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज के साथ सिमरिया प्रखंड क्षेत्र पहुंच प्रखंड सह अंचल कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, रेफरल अस्पताल सिमरिया, सुभाष चंद्र बोस पार्क,अनुमंडल स्तरीय पुस्तकाल सिमरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने रेफरल अस्पताल सिमरिया के निरीक्षण के दौरान साफ सफाई, पेयजल, चिकित्सकों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता समेत का जायजा लेते हुए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। वहीं अस्पताल इंचार्ज को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों को इलाज के दौरान किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना ना करना पड़े यह सुनिश्चित करें साथ ही साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सिमरिया में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को ससमय कार्यालय पहुंच आमजनों से जुड़े समस्याओं का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। वहीं सिमरिया चौक स्थित सुभाष चंद्र बोस पार्क को बच्चों के खेल कूद के लिए अन्य सामग्री लगाने व विकास करने का निर्देश दिया गया।

विद्यालय में अष्टम की छात्राओं को दी गई विदाई

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय,टंडवा में वर्ग अष्टम की छात्राओं की विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में मुख्य रूप से विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष द्वारा छात्राओं को संबोधित किया गया एवं उज्जवल भविष्य की कामनाएँ की गई। साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने वर्ग अष्टम की छात्राओं को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी छात्राओं को स्थानांतरण प्रमाणपत्र पत्र वितरित किया गया। तत्पश्चात विद्यालय परिवार के ओर से सभी छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए विदाई समारोह को संपन्न किया गया।

नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण का दिलाया गया संकल्प,वृक्षा रोपण,प्रभात फेरी,श्रम दान समेत हुए अन्य कार्यक्रम

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड क्षेत्र में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर निरंजना नदी के संरक्षण हेतु जन जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यकम अन्तर्गत श्रम दान (स्वच्छता कार्यकम) प्रभात फेरी, वृक्षारोपन, संकल्प आदि कार्यकम का आयोजन किया गया। उक्त मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित समेत कई पदाधिकारी, कर्मी, गणमान्य लोगों ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर बढ़ चढ़ कर भाग लिया। नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों, विद्यालयों समेत अन्य जगहों पर भी कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजनों को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फल्गु नदी पौराणिक नदी है। ऐसे में इसका संरक्षण के लिए सभी की पहल जरूरी है। उन्होंने फल्गु नदी के तट पर कल्पतरु का पौधा भी लगाया। उपायुक्त समेत वरीय अधिकारियों ने यहां वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही आम लोगों को भी पर्यावरण के संरक्षण और हरा भरा रखने के लिए अपील की। उपायुक्त ने यहां पेड़ पौधों में रक्षा सूत्र बांधकर जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि

यह पौराणिक फल्गु नदी जिले के कई प्रखंडों से होकर गुजरती है। इसके संरक्षण के लिए नमामि गंगे परियोजना चलाया जा रहा है। उन्होंने इस परिसर में वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को निर्देशित किया। वहीं सिमरिया प्रखंड के बेलगडा में फल्गु (निरंजना) नदी की उद्गम स्थल से बेलगडा चौक तक प्रभात फेरी कार्यक्रम का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों और आमजनों द्वारा श्रमदान किया गया।

ने अपने संबोधन में सभी को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम सभी यहां दो अत्यंत महत्वपूर्ण अवसरों को मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं-विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा। यह सिर्फ एक संयोग नहीं, बल्कि हमें प्रकृति और संस्कृति के गहरे संबंध को समझाने वाला संदेश है। विश्व पर्यावरण दिवस, जो हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ पर्यावरण ही मानव जीवन की आधारशिला है। यदि पर्यावरण संकट में है, तो मानवता भी संकट में है। इस वर्ष की थीम हमें धरती को पुनर्जीवित करने, सूखे से लड़ने और जैवविविधता की रक्षा की प्रेरणा देती है। हमें यह आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है कि क्या हम अपनी नदियों, वनों, वायु और मृदा की रक्षा कर रहे हैं। हमें प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनानी होगी, वृक्षारोपण को सिर्फ प्रतीक नहीं,अभियान बनाना होगा, गंगा सहित सभी नदियों को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन इस दिशा में कई कदम उठा रहा है-जैसे जल संरक्षण योजनाएँ, स्वच्छता अभियान, और स्कूलों-कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देना। लेकिन यह प्रयास तब सफल होगा, जब आप सभी जनभागीदारी से इसे जन आंदोलन बनाएंगे। मैं आप सबसे अपील करती हूँ कि हर नागरिक एक ₹पर्यावरण प्रहरी₹ बने। हर घर, हर मोहल्ला, हर गाँव और हर शहर एक हरित प्रयास का केंद्र बने। माँ गंगा का संरक्षण केवल एक आस्था नहीं, हमारी सांस्कृतिक और पारिस्थितिक जिम्मेदारी भी है।

आरटीआई कार्यकर्ता ने कचरा हटाने और जल्द नाली निर्माण की मांग की

कोडरमा विजय यादव

सूचना अधिकार मंच के सचिव आर के बसंत ने नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जहां अनावश्यक कार्यों पर खर्च किया जा रहा है, वहीं जरूरी समस्याओं की अनदेखी हो रही है। कहा कि हनुमान मंदिर के निकट पुल के दोनों छोर पर नाली नहीं होने से बारिश में पानी भरता है और सड़क क्षतिग्रस्त हो जाती

है। कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। पंजाब होटल के पास भी नाली नहीं होने से वाहन गड्ढों में गिर चुके हैं। बसंत ने कहा कि 3 वर्ष पूर्व एक गृहस्वामी द्वारा बनाई गई

नाली को भी जेसीबी से तोड़कर कचरे का अंबार फैला दिया गया है जिससे आवागमन बाधित है। उन्होंने उपायुक्त एवं प्रशासक से कचरा हटाने और जल्द नाली निर्माण की मांग की है।

विस्थापित हाइवा ऑनर एसोसिएसन ने चतरा उपायुक्त से की मुलाकात

ट्रक परिचालन की बकाया भाडा एवं नये टेण्डर में भाड़ा की मांग

दिव्य दिनकर:संवाददाता

एनटीपीसी बिजली प्लांट के विस्थापित छः गाँव के वाहन मालिको ने लिखित शिकायत में लिखा है कि हमारा सारा जमीन जगह एनटीपीसी प्लांट,टंडवा में चला गया है। इसके एवज में जो मुआवजा राशि मिला उससे उन लोगों को रोजगार के उद्देश्य से ट्रक एवं हाइवा वाहन खरीद पिछले एक वर्षों से ट्रक एवं हाइवा फ्लाई ऐस का ढुलाई करने की कार्य करते थें। किंतु नये टेण्डर में ट्रक का परिचालन में रोक लगा दिया गया। रोजगार का एक मात्र स्थान वाहन है जिससे पुरे परिवार का भरन-पोषण, बच्चो का स्कूल एवं स्वास्थ आदि वाहन पर निर्भर करता है। यदि ट्रको का परिचालन पुनः शुरू नहीं किया जाता है तो सभी वाहन मालिक आत्मदाह करने पर मजबुर हो जायेंगे। जिसका जिम्मेवार जिला प्रशासन एवं एनटीपीसी प्रबंधक को जिम्मेवार ठहराया है। पूर्व में एसोसिएसन के द्वारा 09 मई2025 को पत्रांक संख्या 25 के माध्यम से एनटीपीसी प्रबंधक को नये टेण्डर में भाड़ा को लेकर ट्रांसपोर्टर के साथ एक समिक्षात्मक बैठक करवाने का आग्रह किया गया था ताकी फ्लाई ऐश का ढुलाई में बाधा उत्पन्न न हो, किंतु एनटीपीसी के द्वारा इस पर कोई पहल नहीं किया गया। यदि मांगो पर 08 जून तक विचार नहीं किया गया तो बाध्य होकर दिनांक 09 जून से सभी वाहन मालिक अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जाने की लिखित शिकायत सौंपा गया है।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध विषय पर त्रैमासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। बच्चों और किशोरों के बीच नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चतरा जिला में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ठउढउफ) द्वारा बनाए गए जॉइंट एक्शन प्लान ह्लएक युद्ध नशे के विरुद्धह्व के तहत आज त्रैमासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता-सह-नोडल पदाधिकारी अरविंद कुमार द्वारा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में बच्चों और किशोरों के बीच नशे की आदत को समाप्त करने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों एवं पूर्व बैठक में दिए गए निदेशों की प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान जिले में अब तक किए गए कार्यों जैसे कि विद्यालय से 100 मीटर की परिधि में शराब की

दुकान को चिन्हित कर हटवाने, दुकानों में उउळश लगाने तथा संबंधित पोस्टर एवं सूचना लगाने, बच्चो से मादक द्रव्य विक्रेता पर ख.ख. अूउ की धारा 77 एवं 78 पर त्रक्षफ़ दर्ज करने, व्यापार संघ के साथ प्रतिमाह बैठक करने तथा अनुसूचित ल्ह1 & एक्स दवाए बेच रहे सभी दवा दुकान में डिजिटल रजिस्टर संधारित करने तथा सीसीटीवी लगाने एवं जिला में डी एजुकेशन सेंटर खोलने तथा इसमे बच्चो के लिए अलग से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया साथ ही नशा विरोधी अभियान, दीवाल लेखन, विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम इत्यादि करने का निर्देश दिया गया। बैठक में विशेष किशोर पुलिस इकाई चतरा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, औषधी नियंत्रक, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी, बालक गृह एवं बालिका गृह के अधीक्षक, चाइल्ड हेल्प लाइन के जिला समन्वयक, नीति आयोग के डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट एसोसिएट सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने स्तर पर नशा मुक्ति अभियान में प्रगति लाएं, बच्चों और युवाओं के बीच जागरूकता लाएं, और समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

बकरीद पर्व के मद्देनजर पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन

कोडरमा विजय यादव

आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से, पुलिस अधीक्षक , कोडरमा के निदेशानुसार पुलिस केंद्र, कोडरमा में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य त्योहार के दौरान उत्पन्न हो सकने वाली किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल, क्यूआरटी, दंगा नियंत्रण बल तथा मेडिकल यूनिट के द्वारा अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास के माध्यम से पुलिस बल को विभिन्न परिदृश्यों जैसे भीड़ नियंत्रण, संदिग्ध वस्तु की पहचान एवं निष्क्रियकरण, त्वरित प्रतिक्रिया, और सामूहिक हिंसा जैसी स्थितियों से निपटने का व्यावहारिक अनुभव कराया गया।

बिहार भाजपा संघठन महामंत्री नागेंद्र जी ने बूथ सहशक्ति करने और पौधा रोपण कार्यक्रम शामिल हुए

भाजपा नेता राकेश सिंह ने कार्यकर्त्ताओ से बात कर पार्टी के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी

पटना , ।

दरियापुर प्रखंड के दरियापुर पंचायत के पियारामठ मे पंचायत अध्यक्ष रंजीत गिरी के आवास पर पर्यावरण दिवस के अवसर पर बूथ सहशक्ति करने और पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह के अध्यक्षता मे किया गया जिसमे मुख्य अतिथि संघठन महामंत्री सह बिहार झारखण्ड क्षेत्रीय प्रभारी नागेंद्र जी भाई साहब जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह और भाजपा नेता राकेश सिंह पहुंचे और संघठन महामंत्री नागेंद्र जी ने कार्यकर्त्ताओ से

बात कर पार्टी के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी और अपना बूथ कैसे मजबूत हो उस पर भी लोगो से विचार किया और अपना सुझाव दिया और उसके बाद उन्होंने पर्यावरण दिवस पर पौधा भी लगाया और सभी लोगो से एक एक पौधा लगाने का आग्रह भी किया जिससे पर्यावरण बचाया जा सके और लोग सुरक्षित रहे इस अवसर पर मध्य मंडल अध्यक्ष मिथलेश मांझी सहयोजक मोनू सिंह महामंत्री मनोज ठाकुर महामंत्री प्रमोद सिंह उपाध्यक्ष अजय गिरी रितेश गिरी ओमप्रकाश सिंह प्रीति देवी अजीत शर्मा हरेराम गिरी तारकेश्वर गिरी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हाजीपुर:

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून, 2025 को मुख्यालय में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत, हरित भारत की शपथ दिलायी गयी । इसके उपरांत महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय परिसर, हाजीपुर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री राजीव रंजन प्रसाद सहित मुख्यालय के अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया । विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण विषय पर स्टॉकहोम में सन 1972 में 05 से 16 जून तक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था ।उसी के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 05 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवसह्यह्य मनाया जाता है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" (Beat Plastic Pollution) है ।

पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर मिल रही एकमुश्त छूट,स्क्रैप कराने वाले वाहनों पर पहले से लंबित सभी देनदारियों में दी जाएगी छूट

पटना:राज्य में प्रदूषण में कमी लाने के लिए वाहनों की गुणवत्ता सुधारने पर खासतौर से फोकस किया जा रहा है। सूबे में 15 साल से अधिक पुराने और अनुपयोगी वाहनों को खास नीति के तहत स्क्रैप किया जा रहा है। इसके लिए दो स्थानों पटना में श्रीनिलियम स्क्रैपिंग सेंटर और वैशाली में एसके इंटरप्राइजेज में वाहन स्क्रैपिंग सेंटर मौजूद हैं। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए जनवरी 2023 से अबतक 1 हजार 611 आवेदन आए हैं। इनमें 748 रक्षा (डिफेंस) वालों के वाहन, 308 सरकारी वाहन और 555 निजी वाहन शामिल हैं। पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर छूट सरकार वाहन स्वामियों को 15 साल से अधिक पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए कर में छूट दी जा रही है। इसमें वाहन मालिकों को निक्षेप प्रमाणपत्र (सीओडी) के आधार पर नए वाहनों के पंजीकरण कराने पर कर में रियायत, निजी वाहनों की स्क्रैपिंग पर कर में 25 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की स्क्रैपिंग पर 15 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

फिल्म सिटी निर्माण की उलटी गिनती शुरू, जल्द रखी जाएगी आधारशिला

ग्रेटर नोएडा । यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर- 21 में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के पहले चरण का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। निर्माणस्थल पर 10 से अधिक जेसीबी मशीनों और 20 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से भूमि को समतल करने और तारबंदी का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में फिल्म सिटी की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी तैयारी को लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्शियम बेब्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस परियोजना का विकास किया जा रहा है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर स्टूडियो और अन्य बुनियादी संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। अनुमान है कि एक सप्ताह के भीतर फिल्म सिटी की आधारशिला रख दी जाएगी। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए साइट पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत तारबंदी और चहारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। फिल्म सिटी में विभिन्न प्रकार के स्टूडियो, बाजार, अस्पताल, धर्मस्थल, पुलिस थाना और अन्य आवश्यक ढांचों का निर्माण प्रस्तावित है। निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद डेढ़ वर्ष के भीतर इस प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करने की योजना है।

बेंगलुरु भगदड़ को लेकर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कर्नाटक सरकार से पूछे गंभीर सवाल

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुखद घटना न केवल कर्नाटक, बल्कि पूरे भारत के लिए शर्मनाक है। उन्होंने इस हादसे में 11 लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पात्रा ने कहा, हम सभी इस दुखद प्रेस वार्ता में शामिल हैं। काश हमें यह प्रेस वार्ता न करनी पड़ती। चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ में 11 बेगुनाह लोगों की जान चली गई। हम शोक प्रकट करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारों को धैर्य और शक्ति मिले। पात्रा ने इस घटना को महज हादसा नहीं, बल्कि सरकार की वजह से हुई भगदड़ बताया। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बयान पर नाराजगी जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी भगदड़ अन्य जगहों पर भी होती रहती है। पात्रा ने इसे गैर-जिम्मेदाराना बयान करार देते हुए कहा, ÷मुख्यमंत्री इसे सामान्य बताने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि 11 लोगों की जान चली गईं। न भारत, न कर्नाटक और न ही बेंगलुरु के लोग मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को माफ करेंगे।

मृतकों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए- प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जताते हुए मांग की है कि मृतकों के परिजनों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह बहुत दर्दनाक और दुखद घटना है। मैं मरने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के लिए प्रार्थना करता हूं। कर्नाटक सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया है। यह पूरा मामला कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आता है। जैसा कि मैं जानता हूं, आरसीबी में एक विदेशी कंपनी की बड़ी हिस्सेदारी है और आरसीबी ने करीब 400 करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। इसलिए अगर वे यह पैसा 11 मृतकों में में दो करोड़ के तौर पर बांटते हैं, तो 22 करोड़ रुपये होंगे। घायलों को 25-50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसमें कई घायल ऐसे भी होंगे जो दिव्यांग हो गए। ऐसे घायलों को अधिक मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही मैं मांग करता हूं कि इस घटना की जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। संसद के मॉनसून सत्र को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा कि पीएम मोदी का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। सत्र के संचालन के दौरान पीएम मोदी शामिल नहीं होते हैं। पीएम मोदी सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। वह नहीं चाहते हैं कि विपक्ष पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल पूछे। लेकिन, हम चाहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य का गुणगान किया जाए। लेकिन, पीएम अपना गुणगान करवाना चाहते हैं सेना के गुणगान नहीं। उन्होंने कहा कि मॉनसून सत्र की घोषणा बेईमानी तरीके से की गई है।

ज्योति मल्होत्रा को 9 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में किया जाएगा पेश

नई दिल्ली। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोपों में घिरी ज्योति मल्होत्रा के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि उनके मुवक्किल को 9 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया जाएगा। इसके बाद आगे फैसला किया जाएगा कि उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। वकील कुमार मुकेश ने इस बारे में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। कुमार मुकेश ने कहा कि पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार जसबीर सिंह के बारे में पंजाब पुलिस कह रही है कि इसके ज्योति मल्होत्रा से लिंक हो सकते हैं। पुलिस इस तरह का दावा इस आधार पर कर रही है, क्योंकि दोनों ही यूट्यूब चैनल चलाते हैं। हो सकता है कि दोनों के बीच लिंक हो, लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं हो जाता है कि ज्योति मल्होत्रा भी जासूस हो। उन्होंने कहा कि अब पुलिस जब इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी, तभी यह साफ जाहिर हो सकेगा कि अब तक पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा से क्या-क्या कबूल करवाया है।

पेंशन अदालतों से 18 हजार से अधिक शिकायतों का हो चुका है निस्तारण- डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पेंशन संबंधी शिकायतों के लिए समयबद्ध निवारण तंत्र बनाने का आह्वान किया। नई दिल्ली में आयोजित 13वें अखिल भारतीय पेंशन अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सितंबर 2017 में शुरुआत के बाद से देशभर में 12 पेंशन अदालतें आयोजित की गई हैं, जिनमें कुल 25,416 मामले आए हैं। इनमें से 18,157 सफलतापूर्वक हल किए गए हैं। यानी समाधान दर 71 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने भारत के पेंशनभोगियों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पेंशन अदालत मॉडल हाल के वर्षों में किए

गए सबसे नागरिक-हितैषी सुधारों में से एक है। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि एक पेंशनभोगी, जिसने राष्ट्र के लिए जीवन भर सेवा की है, उसे अपने हक के लिए इधर-उधर भटकना नहीं चाहिए। उन्होंने विभागों से ऐसे मामलों को सुलझाने में समग्र सरकार का दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवारण केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि पूर्वानुमानित, प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित और करुणा से प्रेरित होना चाहिए। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पेंशन और पेंशनभोगियों के एक बड़े और अक्सर कमजोर वर्ग की ज्वलंत चिंताओं को स्वीकार करने वाले विषय को चुनने के लिए पेंशन और पेंशनभोगी विभाग को बधाई दी। उन्होंने पेंशनभोगियों तक पहुंचने के लिए डिजिटल साधनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया, जो व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, ये अदालतें न केवल शिकायत निवारण के लिए एक मंच का प्रतिनिधित्व करती हैं, बल्कि सरकार का वादा भी है कि कोई भी आवाज अनसुनी नहीं रहेगी। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने यह भी दोहराया कि सीपीईएनजीआरएएमएस (केंद्रीकृत पेंशन शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली) जैसी डिजिटल पहलों का तत्क्षण ट्रैकिंग और समाधान के लिए लाभ उठाया जाना चाहिए।डॉ. जितेन्द्र सिंह ने विभागों और अधिकारियों से पेंशनभोगियों के साथ सिर्फ लाभार्थी के रूप में नहीं बल्कि 'प्रशासनिक परिवार के सम्मानित सदस्य' के रूप में व्यवहार करने का आग्रह किया।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' पहल में भागीदारी के लिए किया आह्वान

एजेंसी
नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' पहल में भागीदारी के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया। इस अनूठी पहल का उद्देश्य 5 जून से 30 सितंबर के बीच 10 करोड़ पेड़ लगाना है। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें, बल्कि अपने जीवन में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और श्रद्धा भी व्यक्त करें। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मिशन लाइफ' दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका मकसद पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह पहल न केवल हरित भारत की दिशा में कदम है, बल्कि यह हमें हमारे भविष्य के लिए एक बेहतर पर्यावरण तैयार करने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने सभी नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी करने का अनुरोध किया। अब तक

इस पहल के तहत देशभर में 5.5 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। विशेष रूप से छात्रों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। 29 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लेकर 50 लाख से अधिक क्यूआर कोड बनाए हैं, जिनके माध्यम से वृक्षारोपण का डेटा संकलित किया जा रहा है।

अगले साल नवंबर से दिल्ली में केवल स्वच्छ इंधन बसों को मिलेगा प्रवेश - सीएक्यूएम

एजेंसी
नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में प्रदूषण मानकों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों पर अगले साल नवंबर से प्रवेश पर रोक लगा दी है। इनमें स्कूल बसें और पर्यटक गाड़ियां भी शामिल हैं। सीएक्यूएम ने जारी एक निर्देश में कहा कि एक नवंबर 2026 से स्वच्छ मोड अर्थात बीएस-ङ्कढ्ढ डीजल, सीएनजी, ईवी पर चलने वाले अनुबंध कैरिज परमिट, संस्थान या स्कूल बस परमिट, अखिल भारतीय पर्यटक परमिट आदि के तहत चलने वाली बसें ही दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगी।

हालांकि दिल्ली में पंजीकृत बसों पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। वहीं आयोग 23 अप्रैल को इस साल नवंबर से दिल्ली में बीएस-ङ्कढ्ढ, सीएनजी, एलएनजी और ईवी के अलावा सभी वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवी, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगा चुका है। आयोग ने दिल्ली

सरकार के परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया है कि वे दिल्ली की सीमाओं पर एएनपीआर और आरएफआईडी जैसे तकनीकी उपायों की मदद से इन नियमों का सख्ती से पालन कराएं। साथ ही, आयोग ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे इन निर्देशों की जानकारी सभी संबंधित लोगों तक पहुंचाएं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 31 अक्टूबर 2026 के बाद सिर्फ अनुमति प्राप्त बसें ही दिल्ली में आ सकें।

साल 2027 में जातियों के साथ दो चरणों में होगी जनगणना

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कहा कि साल 2027 में जनगणना आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसमें जातियों की गणना भी शामिल होगी। यह जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रव्यापी जनसंख्या 1 मार्च, 2027 को शुरू होगी। इसमें जातियों की गणना भी शामिल होगी आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो जाती है। जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। जनगणना का दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 से शुरू होकर 01 मार्च 2027 (संदर्भ तिथि) को संपन्न हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछली जनगणना 2011 में आयोजित की गई थी, जो दो चरणों में पूरी हुई थी। 2021 में होने वाली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। गृह मंत्रालय के अनुसार, केंद्र

शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00.00 बजे होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार, उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवत- 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, जिसमें ढ्ढ) चरण ढ्ढ - मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और (ढ्ढढ्ढ) चरण ढ्ढढ्ढ - जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि - मार्च 2011 के पहले दिन 00-00 बजे के साथ, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढंके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी।

अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनें हमारे किसान : शिवराज चौहान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय कृषि-नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2025' में कहा कि किसानों को अन्नदाता के साथ उर्जादाता भी बनना चाहिए। उन्होंने फेडरेशन द्वारा तैयार कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा पर रिपोर्ट एवं वार्षिक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया। शिवराज सिंह ने बताया कि 2014-15 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़ चुका है। गेहूं, चावल, मक्का, मूंगफली में उत्पादन बढ़ रहा है लेकिन अब हमें दलहन-तिलहन के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए कदम उठाने होंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि

बिना कृषि के भारत का काम नहीं चल सकता। 50 प्रतिशत लोगों को आज भी कृषि से रोजगार मिलता है। बदलते समय के अनुसार अब इंटीग्रेटेड फार्मिंग यानी एकीकृत कृषि प्रणाली को भी अपनाना होगा, इसके माध्यम से सीमांत किसान अपनी जमीन के हर एक हिस्से का सही उपयोग कर समृद्धि के मार्ग पर तेजी से बढ़ सकते हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए सोलर पैनल बड़ा माध्यम बन सकता है। किसानों के लिए ऊर्जा सुनिश्चित करने हेतु पीएम कुसुम योजना इसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा कदम हमारे छोटे और मध्यम स्तर के किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बना देगा। इस मॉडल को और अधिक विकसित करने के साथ-साथ इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। भविष्य में अगर इसका कारगर और आधुनिकतम मॉडल संज्ञान में लाया जाता है तो निश्चित तौर पर सरकार इसे आगे बढ़ाने में मदद करेगी। चौहान ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक बनाने का आह्वान किया और कहा कि पर्यावरण बचाने में सौर ऊर्जा मील का पत्थर साबित हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनाव में ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, लचीली आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस से मिलकर खुशी हुई। भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा हुई, जिसकी आज पांचवीं वर्षगांठ है।

स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए हमारा साझा दृष्टिकोण हमारे सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री अल्बानीज़ को निमंत्रण दिया।

राहुल गांधी के बयान पर बोले नड्डा, सरेंडर करने का कांग्रेस पार्टी का रहा है इतिहास

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरेंडर वे करते होंगे, कांग्रेस पार्टी ने किया होगा, उनके नेताओं ने सरेंडर किया होगा क्योंकि कांग्रेस का इतिहास ही ऐसा रहा है लेकिन भारत कभी सरेंडर नहीं करता। सरेंडर कांग्रेस पार्टी की शब्दकोश में है, उनके डी एन ए में है। नड्डा ने एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि राहुल गांधी को अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह इन्होंने इतिहास में %सरेंडर% किया। कांग्रेस की सरकार ने आतंकवाद के सामने सरेंडर किया, शर्म-अल-शेख में सरेंडर किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर सरेंडर किया, सिंधु जल समझौते में सरेंडर किया, हाजी पीर का दर्रा सरेंडर किया, छम्ब सेक्टर का 160 किमी का इलाका सरेंडर किया, 1962 की लड़ाई में सरेंडर किया, 1948 में सरेंडर किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने सरेंडर किया।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य

एवं पराक्रम को 'सरेंडर' कहकर संबोधित करना, न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि भारतीय सेना और राष्ट्र के साथ-साथ 140 करोड़ भारतवासियों का भी घोर अपमान है। अगर कोई पाकिस्तानी भी ऐसा कहता तो हम उस पर हंसते भी लेकिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में तबाही मचाई, उसके बाद पाकिस्तान की जनता से लेकर उसकी सेना और उसके प्रधानमंत्री ने भी ऐसा कहने की हिम्मत नहीं की लेकिन राहुल गांधी ऐसा बोल रहे हैं। यह देशद्रोह से कम नहीं है। नड्डा ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी घुस कर उसके 11 एयरबेस को तबाह किया, 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया, 150 से ज्यादा आतंकी मारे। पाकिस्तान तो रोते-रोते दुनिया को बता रहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 18 जगह हमला करके सब कुछ तबाह कर दिया और राहुल गाँधी देश के सरेंडर की बात कर रहे हैं!

शहीदों के नाम पर राजनीति करना बंद करें आम आदमी पार्टी - चुघ

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान को भद्दा, बेहूदा और शर्मनाक बताया है। चुघ ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि आम आदमी पार्टी का बयान नारी गरिमा का घोर अपमान है, और पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की विधवाओं के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।चुघ ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर हमारे वीर जवानों की पराक्रम गाथा है। जब पूरा देश अपने शूरवीरों के साथ खड़ा है, तब भगवंत मान जैसे नेता वीर सैनिको के बलिदान और साहस का मज़ाक कर चुटकुला बना रहे हैं। यह उनकी दूषित मानसिकता को दर्शाता है। आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए चुघ ने कहा कि यही वो पार्टी है जिसके दिल्ली स्थित मुख्यमंत्री आवास पर अपनी ही पार्टी की महिला सांसद के साथ मारपीट और अशोभनीय व्यवहार होता है। वो अपराधी केजरीवाल का सबसे करीबी था और पार्टी ने उसे बचाने में पूरी ताकत लगा दी। इतना ही नहीं, अब उसी महला सांसद पर हमला करने वाले अपराधी को पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष

अधिकारी बनाकर भेजा गया है, यह आपदा पोअर्टी के नारी सम्मान का असली चेहरा है। चुघ ने कहा कि जब आपदा पार्टी की महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रीती मल्होत्रा ने पार्टी के अंदर चल रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। आम आदमी पार्टी बलिदान का मज़ाक उड़ाती है, महिलाओं को तिरस्कार करती है और अपराधियों को इनाम देती है। पंजाब की बेटियां और माताएं इस पार्टी को कभी माफ नहीं करेंगी।

पूर्वोत्तर के राज्यों में बाढ़ पर पूरा सहयोग देगा केंद्र : ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत में मूसलाधार बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पर केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने प्रभावित राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस संबंध में सिक्किम और असम के मुख्यमंत्रियों तथा मणिपुर के राज्यपाल से व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्होंने हालात की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से फोन पर बात करते हुए सिंधिया ने कहा, हम इस कठिन समय में सिक्किम के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं और सभी संभव सहायता देंगे। वहीं, उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा से भी बात की और राज्य में हालात की समीक्षा करते हुए राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए केंद्र से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से बातचीत के दौरान भी

उन्होंने केंद्र सरकार की पूरी प्रतिबद्धता दोहराई और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुंचाने की बात कही। सिंधिया ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर भी पोस्ट किया और पूर्वोत्तर के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने लिखा कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए त्वरित और समन्वित प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य सेवा में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के दो प्रमुख संस्थानों आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली ने हेल्थकेयर में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र (एआई-सीओई) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आईआईटी दिल्ली में आयोजित समारोह में एम्स दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर एम. श्रीनिवास और आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रो. श्रीनिवास ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दूरगामी सहयोगात्मक अनुसंधान की शुरुआत है, जिसमें देश में स्वास्थ्य सेवा की सूरत बदलने की क्षमता है। वहीं, प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि एम्स और आईआईटी दिल्ली के बीच साझेदारी में किफायती स्वास्थ्य सेवा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बदलने की क्षमता है। यह केंद्र देश में प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पिछले साल, दोनों संस्थानों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद भारत में एआई बनाएं, भारत के लिए एआई काम करें पहल के तहत शिक्षा मंत्रालय द्वारा 330 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया था। प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र अनुदान के लिए कार्यान्वयन माध्यम होगा।

एआई-सीओई देश में प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस केंद्र का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बेहतर बनाने और देश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक एआई समाधान विकसित करना है। एआई-सीओई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख अनुसंधान और संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा और इसका उद्देश्य स्वदेशी रूप से विकसित एआई सिस्टम और समाधानों का उपयोग करके राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में क्रांति लाना है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से गैर-टैरिफ बाधाओं पर कार्रवाई करने का आग्रह किया

एजेंसी

पेरिस। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने गैर-टैरिफ बाधाओं पर अंकुश लगाने, गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के कारण होने वाली व्यापार विकृतियों को दूर करने तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक मजबूत विवाद निपटान तंत्र को बहाल करने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने फ्रांस के पेरिस में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक में विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात कही। गोयल ने विश्व व्यापार संगठन के व्यापार मंत्रियों के साथ बहुपक्षीय व्यापार सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। गोयल ने डब्ल्यूटीओ में वर्तमान सर्वसम्मति-आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने, कम विकसित देशों और विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष और विभेदकारी व्यवहार तथा उन मुद्दों पर पुनः ध्यान केंद्रित करने की वकालत की, जिन्हें पिछली मंत्रिस्तरीय बैठकों में पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है और अधिदेशित किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस और नाइजीरिया सहित विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के लगभग 25 मंत्रियों की बैठक में की। बैठक में विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला ने भी भाग लिया। बैठक में डब्ल्यूटीओ और बहुपक्षीय व्यापार से संबंधित कई मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा हुई।

चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या बढ़कर 3 मिलियन हुई

नई दिल्ली। ओपनएआई ने गुरुवार को घोषणा की कि चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या बढ़कर 3 मिलियन हो गई है, जो कि इस वर्ष की शुरुआत, फरवरी में 2 मिलियन दर्ज की गई थी। कंपनी ने कहा कि यह मील का पत्थर चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती मांग को दर्शाता है। अधिक से अधिक बिजनेस ऐसे एआई की तलाश कर रहे हैं जो उन्हें अधिक उत्पादक, कुशल और रणनीतिक रूप से काम करने में सक्षम बनाता है। कंपनियों को अधिक जटिल और गहन एआई-पावर्ड टूल्स की सुविधा देने के लिए चैटजीपीटी में नए वर्कप्लेस प्रोडक्ट्स का एक एक्सपेंसिव सेट लाया गया है। वर्तमान में वर्कर्स चैटजीपीटी का इस्तेमाल जवाबों को तुरंत पाने के लिए कर सकते हैं। कनेक्टर्स (बीटा) इंटीग्रेशन का सेट है, जो प्रत्येक वर्कर को उसकी कंपनी की कलेक्टिव इनसाइट का तुरंत एक्सेस देता है, जिससे वे अधिक उत्पादक, प्रभावी और सूचना पाने वाले बनते हैं। एडमिन्स यह भी प्रावधान कर सकते हैं कि वर्कप्लेस पर कौन से कनेक्टर इनेबल रखने हैं। ओपनएआई ने कहा कि कनेक्टर अब ड्रॉपबॉक्स, बॉक्स, शेयरपॉइंट, वनड्राइव और गूगल ड्राइव के साथ उपलब्ध है। वर्कर्स चैटजीपीटी पर बने रहने के साथ अपने थर्ड-पार्टी टूल से विस्तृत डेटा को जल्दी से खोजने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

आने वाले समय में IPO बाजार रहेगा गुलजार, 1.4 लाख करोड़ रुपए के पब्लिक इश्यू को सेबी से मिली मंजूरी

मुंबई। कई महीनों तक सुस्त प्रदर्शन के बाद आईपीओ बाजार में फिर से हलचल देखने को मिल सकती है और करीब 1.4 लाख करोड़ रुपए के पब्लिक इश्यू आने वाले समय में आ सकते हैं। प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 1.4 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू के 72 कंपनियों के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को मंजूरी दे दी है। जिन कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। इसमें एचडीबी फाइनेंशियल (12,500 करोड़ रुपए), डॉर्फ केटल केम्स (5,000 करोड़ रुपए) और विक्रम सोलर (1,500 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त करीब 68 अन्य कंपनियां आईपीओ के जरिए करीब 95,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। दोनों आंकड़ों को मिला दिया जाए तो कुल मिलाकर आने वाले महीनों में 140 कंपनियां 2.35 लाख करोड़ रुपए आईपीओ के जरिए जुटा सकती हैं। बीते कुछ महीनों में बाजार के उतार-चढ़ाव और कुछ बड़े पब्लिक इश्यू की निराशाजनक लिस्टिंग के कारण आईपीओ बाजार में मंदी देखी गई। उदाहरण के लिए एथर एनर्जी की लिस्टिंग सिर्फ 2.18 प्रतिशत ऊपर हुई है, जबकि एजिस वोपैक और श्लॉस बैंगलोर दोनों की लिस्टिंग 6 प्रतिशत नीचे हुई है। वहीं, स्कोडा ट्यूब्स की लिस्टिंग सपाट हुई थी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक मुंबई में आरबीआई के गवर्नर संजय मल?होत्रा की अध्?यक्षता में शुरू हो गई है। जानकारों का मानना है कि रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक मुंबई में शुरू हो गई है। छह सदस्यीय समिति गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हो रही बैठक के निर्णय की घोषणा शुक्रवार, 6 जून को करेगी। एक्सपर्ट कहा कहना है कि आरबीआई लगातार तीसरी बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। इसकी वजह महंगाई दर में नरमी, आर्थिक वृद्धि दर को और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

पीयूष गोयल ने मिलान में इतालवी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले कई इतालवी सीईओ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे निरंतर विकास के लिए भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का किस तरह से सर्वोत्तम लाभ उठा सकते हैं। गोयल फ्रांस में भारत-फ्रांस आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी गतिविधियों को पूरा करने के बाद इटली के अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले मिलान में इतालवी व्यापार जगत के कई नेताओं से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने पोस्ट किया, इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक कंपनी पोग्गीपोलिनी एस.पी.ए. के सीईओ मिशेल पोग्गीपोलिनी से मुलाकात की। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की बढ़ती

भूमिका को देखते हुए, भारत में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण अवसरों पर उत्पादक चर्चाओं में शामिल हुए। उन्होंने एसओएल ग्रुप के महानिदेशक डेनियल फोर्नी से भी मुलाकात की, जो तकनीकी और चिकित्सा गैसों के उत्पादन, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विपणन के क्षेत्र में एक इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और इस बात पर चर्चा की कि समूह भारत में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कैसे कर सकता है। गोयल ने इतालवी लाइटिंग दिग्गज आईमून की सीईओ सुश्री लॉरा टारक्विनियो और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने लिखा है कि हमने स्मार्ट लाइटिंग समाधानों के लिए भारत में उपलब्ध निवेश के अपार अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ने वाणिज्यिक प्रशीतन विशेषज्ञ इप्टा समूह के सीईओ मार्को नोसिवेली से भी मुलाकात की।

गोयल के अनुसार, भारत के तेजी से बढ़ते खुदरा और कोल्ड चेन क्षेत्रों के साथ हमने चर्चा की कि कंपनी किस तरह अवसर का लाभ उठा सकती है और भारत में स्थायी प्रशीतन समाधानों में योगदान दे सकती है। गोयल ने आगे लिखा, एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम के वैश्विक निर्माता कैरारो ग्रुप के वाइस चेयरमैन टॉमसो कैरारो से मिलकर अच्छा लगा, जिसकी भारत में मजबूत उपस्थिति है। इटली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा है।

स्टॉक मार्केट में नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलतार (डामर) और इससे जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स ने स्टॉक मार्केट में धांस एंट्री करके अपने निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 122 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉम पर इसकी 8.81 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 132.75 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के साथ ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 139.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 14.22 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। नेप्च्यून पेट्रोकेमिकल्स का 73.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ में 1,000 शेयर के कम से कम दो लॉट में बोली लगाने की बात तय की गई थी, जिसकी वजह से खुदरा निवेशकों में इसमें जगह नहीं मिल सकी। अन्य सेगमेंट में इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 60 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ऑफिस स्पेस और मशीनीरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी नजर आ रही है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये से लेकर 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,910 रुपये से लेकर 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,230

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक तेजी आई है।

लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक, 2025 की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा की प्रवर समिति ने राजधानी नई दिल्ली स्थित संसद भवन में आयोजित एक बैठक में आयकर विधेयक, 2025 की समीक्षा की। बैठक की अध्?यक्षता 31 सदस्यीय प्रवर समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बैजयंत पांडा ने की। लोकसभा सचिवालय ने जारी एक बयान में बताया कि सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक, 2025 पर वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) से मौखिक साक्ष्य लिया। 31 सदस्यीय प्रवर समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने आयकर विधेयक 2025 की जांच के लिए एक प्रवर समिति का गठन किया है। सांसद बैजयंत पांडा को 31 सदस्यीय प्रवर समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ये समिति

प्रस्तावित आयकर विधेयक 2025 के प्रावधान और कानून में होने वाले बदलावों की जांच करेगी। उल्लेखनीय है कि इस समिति को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति? को आयकर विधेयक 2025 का उद्देश्य आयकर से संबंधित कानून को समेकित और संशोधित करना है।

नीति आयोग की संगोष्ठी में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के ग्रामीण विकास प्रभाग ने नई दिल्ली स्थित नीति आयोग के मुख्यालय में 'ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को मजबूत बनाने' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।नीति आयोग के मुताबिक संगोष्ठी में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय संस्थानों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और जमीनी स्तर के उद्यमियों ने ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करके महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों पर विशेष ध्यान दिया गया। सेमिनार में समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने

और क्षेत्रीय असमानताओं को पाटने में ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। नीतिगत ढाँचों को सक्षम बनाने, किफायती ऋण तक पहुँच में सुधार करने और डिजिटल और बाज़ार पहुंच को बढ़ाने पर जोर दिया गया, जिसमें ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसी पहलों का उपयोग किया गया। चर्चाओं में विनियामक मानदंडों को सरल बनाने और डिजिटल उपकरणों और प्लेटफ़ॉर्म तक अंतिम-मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने ग्रामीण उद्यमिता को समर्थन देने के लिए मिश्रित वित्त मॉडल, संस्थागत संपर्क और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियों का लाभ उठाने की वकालत की। बाजार पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और निजी क्षेत्र के संसाधनों को खोलने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया।

स्टॉक मार्केट में स्कोडा ट्यूब्स की फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद खरीदारी से निवेशकों को मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील के ट्यूब और पाइप बनाने वाली कंपनी स्कोडा ट्यूब्स ने स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस शेयर की स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री भी बिना किसी बदलाव के 1240 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद दिन भर के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 146.95 रुपये के स्तर तक पहुंच कर बंद हुआ। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 4.96 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। स्कोडा ट्यूब्स का 220 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 57.37 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 72.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 121.72 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,57,14,286 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

खनिज ब्लॉकों के परिचालन में तेजी लाने के लिए 'माइनिंग डैशबोर्ड' लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की परिचालन स्थिति पर नजर रखने के लिए 'माइनिंग डैशबोर्ड' लॉन्च किया। यह डैशबोर्ड नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की परिचालन स्थिति की निगरानी और देशभर में वैधानिक मंजूरियों का पता लगाने में सक्षम है। केंद्र सरकार की यह पहल खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के जारी प्रयासों का हिस्सा है।खान मंत्रालय के मुताबिक अभी तक 16 राज्यों में 500 खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है, जिसमें 466 ब्लॉक राज्य सरकारों द्वारा और 34 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक केंद्र सरकार द्वारा नीलाम किए गए हैं। इनमें से 64 ब्लॉक चालू हो चुके हैं। डैशबोर्ड एक

संरचित और वास्तविक समय आधारित निगरानी प्रणाली प्रदान करता है, जो अवरोधों की पहचान करने, समय पर समाधान करने और खनन कार्यों की शुरुआत में तेजी लाने में मदद करता है। यह केंद्र और राज्य सरकारों, परियोजना समर्थकों और अन्य हितधारकों के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और डेटा-संचालित निर्णय समर्थन प्रदान कर एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा। खनन डैशबोर्ड से घरेलू खनिज उत्पादन को बढ़ावा मिलने, आयात निर्भरता कम करने और देश की समग्र आर्थिक वृद्धि में योगदान संबंधी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि खनिज संपदा के विकास और संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना है। लॉन्च किया गया माइनिंग डैशबोर्ड अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म देशभर में नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों की संचालन स्थिति की वास्तविक समय पर निगरानी करने में सक्षम बनाएगा, जो खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त मंत्री 10 जून को एफएसडीसी की बैठक में अर्थव्यवस्था की स्थिति की करेंगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद् (एफएसडीसी) की बैठक में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करेंगी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित होने वाली उच्च-स्तरीय समिति की 29वीं बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरपर्सन तुहिन कांत पांडेय, भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के चेयरमैन रवि मित्तल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के चेयरपर्सन के राजारमण भी हिस्सा लेंगे।वित्त मंत्री की अध्यक्षता में हो रही ये बैठक

पिछले महीने रिजर्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा के बाद हो रही है। रिजर्व बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लाभांश वित्त वर्ष 2023-24 में भुगतान किए जाने वाले 2.1 लाख करोड़ रुपये से 27.4 फीसदी अधिक था। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहने के बाद ये पहली बैठक होगी, जो पिछले चार वर्षों में सबसे धीमी वृद्धि है।उल्लेखनीय है कि एफएसडीसी वित्त मंत्रालय के तहत एक गैर-सांविधिक शीर्ष परिषद है। इसकी स्थापना वर्ष 2010 में एक कार्यकारी आदेश द्वारा की गई थी, जो वित्तीय स्थिरता, वित्तीय क्षेत्र विकास, अंतर-नियामक समन्वय और वित्तीय समावेशन जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने का कार्य करती है।

भारत का डिजिटल फोरेंसिक मार्केट वित्त वर्ष 2030 तक 11,829 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत का डिजिटल फोरेंसिक मार्केट वित्त वर्ष 2029-30 तक लगभग 40 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ 11,829 करोड़ रुपए (1.39 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने का अनुमान है, जो ग्लोबल एवरेज 11 प्रतिशत से तीन गुना अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। अब मोबाइल फोरेंसिक इस सेक्टर पर हावी है, जो मार्केट के लगभग 51 प्रतिशत हिस्से पर अधिकार रखता है। स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल, डिजिटल पेमेंट और मोबाइल-सेंट्रिक साइबर क्राइम में उछाल के कारण इस सेक्टर में मोबाइल फोरेंसिक की हिस्सेदारी बढ़ रही है। 81 प्रतिशत मांग सार्वजनिक क्षेत्र, विशेष रूप से कानून प्रवर्तन विभाग की ओर से आ रही है। डेलॉइट इंडिया की डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) के सहयोग से बनाई गई रिपोर्ट जटिल डिजिटल खतरों से निपटने के लिए फोरेंसिक टेक पर बढ़ती निर्भरता को उजागर करती है। भारत डिजिटल फोरेंसिक में निवेश को राष्ट्रीय सुरक्षा और डिजिटल विश्वास के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में भी बढ़ा रहा है। इस क्षेत्र की पूरी क्षमता को पेश करने के लिए आरजीडब्ल्यू रिपोर्ट, स्वदेशी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) को बढ़ावा देने पर केंद्रित, एक रणनीतिक रोडमैप की सिफारिश करती है।

शेयर बाजार में 3 दिन की गिरावट के बाद लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार 3 कारोबारी दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही पहले खरीदारी के सपोर्ट से तेजी का रुख बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से शेयर बाजार ने हरे निशान में वापसी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 445.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.99 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,155 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,076 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,931 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 148 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,581 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,470 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,111 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 40.14 की तेजी के साथ 80,777.65 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,967.68 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 32.33 अंक की कमजोरी के साथ 80,705.18 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के करीब ये सूचकांक 349.78 अंक की मजबूती के साथ 81,087.29 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 260.74 अंक की तेजी के साथ 80,998.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मध्य प्रदेश लीगः भोपाल लेपर्ड्स, चंबल घड़ियाल्स और रीवा जैगुआर्स ने घोषित किये कप्तान

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) को लेकर चरम पर उत्साह पहुंचने के साथ ही सभी टीमें भी अपनी कमर कसती नजर आ रही हैं। इसी क्रम में भोपाल लेपर्ड्स, चंबल घड़ियाल्स और रीवा जैगुआर्स ने आगामी सीजन के लिए अपने-अपने कप्तानों की घोषणा कर दी है भोपाल लेपर्ड्स ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को अपना कप्तान नियुक्त किया है। अरशद मंगलवार को समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे, जहां उन्होंने कई मौके पर अहम विकेट लिए। भोपाल लेपर्ड्स के मालिक एचएमजी सेंटर से अभिषेक गुप्ता ने कहा कि पिछले सीजन में हम उपविजेता रहे थे। इस बार अरशद के नेतृत्व और संतुलित टीम के साथ हम ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें विश्वास है कि यह सीजन हमारा होगा, जिसमें हम अधूरा काम पूरा करेंगे। चंबल घड़ियाल्स की कमान मध्य प्रदेश की घरेलू क्रिकेट टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी शुभम शर्मा को सौंपी गई है। शुभम ने 2021-22 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में टी20 डेब्यू किया था और तब से वह एक संयमित कप्तान के रूप में उभरे हैं।

एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा : विराट कोहली

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल के इंतजार को खत्म करते हुए अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीत लिया है। आईपीएल 2025 के फाइनल में टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। जीत के बाद विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ट्रॉफी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इमोशनल पोस्ट लिखा- इस टीम ने सपने को संभव बनाया, एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। हमने पिछले 2.5 महीनों में इस सफर का भरपूर आनंद लिया है। यह आरसीबी के प्रशंसकों के लिए है जिन्होंने सबसे बुरे समय में भी हमारा साथ नहीं छोड़ा। यह उन सभी वर्षों के दिल टूटने और निराशा के लिए है। यह इस टीम के लिए मैदान पर खेलने के लिए किए गए हर प्रयास के लिए है। कोहली ने आगे लिखा कि जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है- आपने मुझे आपको उठाने और जश्न मनाने के लिए 18 साल इंतजार करवाया है, मेरे दोस्त, लेकिन यह इंतजार बिल्कुल सार्थक रहा। कोहली हुए भावुकइस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक हो गए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ करेगी अपने अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। यह टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर के बीच चीन के हांगझोऊ में होगा। भारत को पूल-बी में रखा गया है, जिसमें गत चैंपियन जापान, थाईलैंड और सिंगापुर की टीमें भी शामिल हैं। पूल-ए में मेचबान चीन के साथ कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे की टीमें शामिल हैं। टीम इंडिया पिछली बार ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही थी, लेकिन इस बार उसकी निगाहें स्वर्ण पदक पर होंगी। खास बात यह है कि एशिया कप का खिताब जीतने वाली टीम को 2026 महिला एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के लिए सीधी क्वालिफिकेशन मिलेगी, जो टूर्नामेंट की अहमियत को और भी बढ़ा देता है।हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम एशिया कप अभियान को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जापान जैसी मजबूत टीम के साथ पूल में होना हमारे कौशल और मानसिक मजबूती की परीक्षा लेगा, लेकिन यह हमारे लिए एक शानदार मौका भी होगा कि हम शुरू में ही अपनी स्थिति आंक सकें।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने जुलाई में होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान ऑलराउंडर मिशेल मार्श को सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज दौरे पर तीन टेस्ट और पांच टी-20 मैच खेलने हैं। टी-20 श्रृंखला की शुरुआत 19 जुलाई को होगी। टी-20 टीम में पहली बार मिशेल ओवेन और मैथ्यू कुहनेमैन को शामिल किया गया है। दोनों ने घरेलू एवं लीग क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। कैमरून ग्रीन और कूपर कोनोली टीम में वापस आए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी टीम में शामिल किया गया है। वे पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। जेक फ्रेजर मैकगर्क और मार्क स्टोइनिस को टीम से बाहर कर दिया गया है। चयन प्रमुख जॉर्ज बेली का कहना है कि यह श्रृंखला अगले वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने के लिए महत्वपूर्ण है। बेली ने कहा कि हमारा आगामी टी20 कार्यक्रम काफी व्यस्त है। हम एक ऐसी टीम का निर्माण कर रहे हैं जो हमें लगता है कि उपमहाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए उपयुक्त होगी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत पर आरसीबी ने जताया शोक

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के स्वागत समारोह से पहले बड़ा हादसा हो गया। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के चलते मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।घटना के बाद आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने एक बयान जारी कर दुख जताया। बयान में कहा गया, आरसीबी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करती है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से जो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं, उनसे हम अत्यंत व्यथित हैं। हम सभी की सुरक्षा और भलाई को सर्वोपरि मानते हैं। आरसीबी के

पहले आईपीएल खिताब के जश्न के तहत एक ओपन बस परेड और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसी को लेकर स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे। लेकिन भीड़ पर काबू न पाने के कारण भगदड़ मच गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भगदड़ में 11 लोगों की जान गई है और 33 लोग घायल हैं।

उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवज़ा देने की घोषणा की है। आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्यक्रम को छोटा कर दिया और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया। बयान में आगे कहा गया, स्थिति की जानकारी मिलते ही हमने कार्यक्रम में तत्काल बदलाव किए और प्रशासन के मार्गदर्शन का पूरी तरह पालन किया।

कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार, युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली बहुत भावुक नजर आए। विराट आईपीएल की शुरुआत से इस फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब जाकर उन्हें आईपीएल ट्रॉफी को उठाने का मौका मिला है। ऐसे में जीत के बाद विराट अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और बुहत इमोशनल हो गए। हालांकि आईपीएल ट्रॉफी जीत के जश्न के बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर किया। मैच के बाद मैथ्यू हेडन के साथ बातचीत के दौरान विराट ने कहा कि यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से पांच स्तर नीचे है। यही कारण है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार है और यही कारण है कि वह टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं।उन्होंने आने वाले युवा पीढ़ियों से आग्रह किया है कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, शाबाश, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि इसलिए यदि आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और इसमें अपना दिल और जान लगा दें। विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास36 साल के विराट कोहली ने पिछले महीने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

नजमुल हुसैन शान्तो एक साल और बने रहेंगे टेस्ट कप्तान, श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस सीरीज़ से बांग्लादेश की 2025-2027 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी होगी।

बीसीबी ने इस दौरान घोषणा की कि नजमुल हुसैन शान्तो को एक साल के लिए और टेस्ट कप्तान बनाए रखा गया है। वह 2024 से टीम की अगुवाई कर रहे हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज उपकप्तान की भूमिका में बने रहेंगे।

लिटन दास और इबादत हुसैन की वापसी

टीम में चोट के कारण पिछली सीरीज़ से बाहर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ लिटन दास की वापसी हुई है। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन, जो जुलाई 2023 के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, उन्हें भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर हसन मुराद और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद राना की भी टीम में वापसी हुई है।

तीन खिलाड़ियों को किया गया बाहर

जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज़ में शामिल तीन खिलाड़ियों को इस बार

टीम से बाहर कर दिया गया है। इनमें बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम, तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब और ओपनर महमूदुल हसन जॉय शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम

बांग्लादेश टीम 13 जून को श्रीलंका रवाना होगी। पहला टेस्ट 17 जून से गाले में जबकि दूसरा टेस्ट 25 जून से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम:

नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शादमान इस्लाम, अनामुल हक विजय, मोमिनुल हक शोहराब, मुशफिकुर रहीम, लिटन कुमार दास, माहिदुल इस्लाम भुइयां, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, हसन मुराद, एबादोत हुसैन चौधरी, हसन महमूद, नाहिद राना, सैयद खालिद अहमद।

पुर्तगाल ने जर्मनी को हराकर नेशंस लीग फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

म्यूनिख। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 68वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत पुर्तगाल ने जर्मनी को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह जीत रोनाल्डो के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने पहली बार जर्मनी के खिलाफ जीत दर्ज की, इससे पहले उनके खिलाफ खेले पांचों मुकाबले हार में बदले थे। इस मैच से पहले रोनाल्डो को जर्मनी के खिलाफ जीत का स्वाद नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने इस मैच में न सिर्फ अपनी बदकिस्मती तोड़ी बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना 137वां गोल भी किया। नूनो मेंडेस के शानदार क्रॉस पर रोनाल्डो ने नजदीक से गेंद को नेट में डालकर टीम को बढ़त दिलाई।

बारिश के कारण 10 मिनट देरी से शुरू हुए इस मुकाबले में पहले हाफ के बाद जर्मनी ने बढ़त बना ली थी। 48वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने मिडफील्ड से चालाकी से खेलते हुए खुद ही मूव शुरू किया और फिर जोशुआ किमिच की सहायता से शानदार हेडर के जरिए गोल दागा। जर्मनी की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिकी। 60वें मिनट में पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने तीन बदलाव किए और इनमें से एक रहे फ्रांसिस्को कोंसेसाओ ने मैदान में आते ही पांच मिनट में कमाल कर दिया। उन्होंने आधे मैदान से दौड़ लगाई, रॉबिन गोसेन्स को छकाया और टेर स्टेगन को चकमा देते हुए गोल दाग दिया। मैच का निर्णायक मोड़ 68वें मिनट में आया जब नूनो मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल कर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिलाई। इससे पहले वे दो मौके गंवा चुके थे, लेकिन इस बार उन्होंने कोई गलती नहीं की। पुर्तगाल अब रविवार को नेशंस लीग 2025 के फाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा। पुर्तगाल इससे पहले 2019 में

इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीत चुका है।

जूलियन नगेल्समैन की टीम जर्मनी के लिए यह हार झटका है, क्योंकि यह उनके पिछले 18 मुकाबलों में सिर्फ दूसरी हार है। म्यूनिख में जन्मे करीम अडेयेमी ने आखिरी मिनटों में गोल का मौका बनाया लेकिन उनकी शॉट क्रॉसबार से टकरा गई। अब जर्मनी तीसरे स्थान के मुकाबले में स्टटगार्ट में उतरेगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीगः अमेरिकन स्ट्राइकर्स को हराकर ट्रांस टाइटंस फाइनल में पहुंची

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के पहले सेमीफाइनल मैच में ट्रांस टाइटंस ने अमेरिकन स्ट्राइकर्स के खिलाफ 7 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्रांस टाइटंस ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। हुए इस मुकाबले में अमेरिकन स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी टाइटंस के खिलाड़ी शुरू से ही हावी नजर आए और निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान 239 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा

कर दिया। टाइटंस के कप्तान ऋषि धवन ने शानदार खेल दिखाते हुए 40 गेंदों पर ताबड़तोड़ 90 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जेस्सी राइडर ने 31 रनों की पारी खेली। अंत में सुमित वर्मा (44) और नमन शर्मा (48) ने स्कोर को बड़ा बनाने में मदद की।लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकन स्ट्राइकर्स 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 232 रनों तक ही पहुंच पाई। अमेरिकन स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज शोएब खान (42), अयान खान (38), प्रदीप सांगवान (35), इशान मलहोत्रा (38) ने छोटी ही सही, लेकिन उपयोगी परियां खेलीं। हालांकि इतना नाकाफी रहा और टीम फाइनल में पहुंचने से चूक गई। मैच के दौरान पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी, बॉलीवुड सिंगर अल्तमश फरीदी और शादाब फरीदी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

एसएलआई को लेकर उत्साहित अंजुम मौदगिल, बोलीं- युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की शुरुआत को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार हो रहा है कि निशानेबाजी के लिए कोई लीग आयोजित की जा रही है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं पिछले 17 वर्षों से इस खेल से जुड़ी हूं और मैंने इसे लगातार आगे बढ़ते देखा है। अब जब इसकी एक प्रतियोगिता होने जा रही है, तो यह खेल को और मजबूती देगी और लोग इसके बारीक पहलुओं को भी समझ पाएंगे। देश में निशानेबाजी को बढ़ावा देने के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने पिछले महीने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की थी। यह लीग इस वर्ष 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेली जाएगा। लीग में देश एवं विदेश के प्रमुख निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने एनआरएआई की ओर से जारी बयान में कहा कि यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर की तैयारियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि हम वरिष्ठ खिलाड़ियों ने वर्षों से एक तय ढांचे में खेला है, लेकिन जो नई पीढ़ी आ रही है, वह बहुत आत्मविश्वासी है और ज्यादा से ज्यादा अनुभव लेना चाहती है। ऐसे में इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके लिए बहुत सहायक होंगी।

एनआईटी श्रीनगर ने कश्मीर के क्रिकेट बैट उद्योग को आधुनिक बनाने के लिए टीआईएफएसी समर्थित अध्ययन का किया समापन

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर के प्रतिष्ठित पारंपरिक उद्योगों में से एक को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने कश्मीर के क्रिकेट बैट निर्माण उद्योग में दो साल लंबे प्रौद्योगिकी अंतर मूल्यांकन अध्ययन के सफल समापन को चिह्नित करते हुए समापन कार्यशाला की मेजबानी की। प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) द्वारा समर्थित इस परियोजना का संचालन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर द्वारा किया गया और इसका उद्देश्य इस विरासत उद्योग में महत्वपूर्ण तकनीकी कमियों की पहचान करना और उन्हें दूर करना था।मुख्य अन्वेषक डॉ. साद परवेज और सह-मुख्य अन्वेषक डॉ. नूर जमान खान के नेतृत्व में परियोजना सहयोगी आकिब और परियोजना सहायक जुनैद के साथ एनआईटी श्रीनगर की टीम ने अपने प्रमुख निष्कर्ष और रणनीतिक सिफारिशें प्रस्तुत कीं। व्यापक अध्ययन का उद्देश्य क्रिकेट बैट निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का आधुनिकीकरण करना है जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता, गुणवत्ता और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर डॉ. साद परवेज़ ने कहा कि यह अध्ययन अकादमिक शोध को स्थानीय उद्योगों की ज़रूरतों से जोड़ने के हमारे बड़े मिशन का हिस्सा है। क्रिकेट बैट उद्योग कश्मीर की कारीगर विरासत का प्रतीक है और आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में पनपने के लिए इसे आधुनिक उपकरणों और प्रणालियों से लैस किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार के माध्यम से स्वदेशी क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस बीच अध्ययन ने पाँच प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की जहाँ परिवर्तन के लिए हस्तक्षेप आवश्यक है। आपूर्ति श्रृंखला आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन, सुरक्षित विनिर्माण अभ्यास, डिजिटल मार्केटिंग और बेहतर उत्पादन योजना और नियंत्रण। टीम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये संवर्द्धन उद्योग की कारीगर विरासत को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जबकि इसे आधुनिक बाज़ार अपेक्षाओं के साथ संरेखित करना है। आपूर्ति श्रृंखला आधुनिकीकरण में अध्ययन ने बेहतर पूर्वानुमान, सुव्यवस्थित कच्चे माल की खरीद और मूल्य श्रृंखला को अधिक लचीला और उत्तरदायी बनाने के लिए कुशल इन्वेंट्री सिस्टम को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। तकनीकी उन्नयन के लिए अध्ययन ने पारंपरिक उपकरणों से उन्नत उपकरणों में संक्रमण का प्रस्ताव दिया जिसमें सटीक कटिंग उपकरण, नमी निगरानी प्रणाली, स्वचालित आकार देने वाले उपकरण और व्यापक गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल शामिल हैं। ये नवाचार मानवीय त्रुटि को कम करेंगे और उत्पादन बैचों में स्थिरता सुनिश्चित करेंगे। कार्यस्थल सुरक्षा के विषय पर अध्ययन ने सक्रिय सुरक्षा मानकों की ओर एक सांस्कृतिक बदलाव की सिफारिश की। सुझावों में एर्गोनोमिक वर्कस्टेशन डिज़ाइन, कटिंग टूल्स के लिए सुरक्षित हैंडलिंग प्रक्रियाएँ और श्रमिकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए बेहतर वायु गुणवत्ता नियंत्रण शामिल थे जो इस कुशल शिल्प की रीढ़ हैं।

राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता आशीष सिंह को डीएम ने किया सम्मानित

मुरादाबाद। राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता में अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने वाले मुरादाबाद के आशीष सिंह को जिलाधिकारी अनुज सिंह ने अपने कार्यालय में मेडल पहनाकर सम्मानित किया। जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने उप्र के साथ मुरादाबाद का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय कैडेट ताइक्कांडो प्रतियोगिता 29 मई से 2 जून तक देहरादून में आयोजित हुई थी। आशीष सिंह शहर के उभरते हुए ताइक्कांडो के जाबाज़ खिलाड़ी है। आशीष का चयन एशियन ताइक्कांडो प्रतियोगिता के कैंप में हो गया है जो अगले माह नाशिक में आयोजित होने वाला है।

टी.टी. नगर स्टेडियम में 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल के तात्याटोपे स्टेडियम में स्थित स्नूकर हॉल में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का खेल और युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विभाग खेलों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत् है, इसी कड़ी में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता से न केवल स्नूकर खेल का विस्तार होगा, बल्कि नये प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने स्नूकर खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर 6 रेड स्नूकर के वर्ल्ड चैम्पियन कमल चावला ने प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्नूकर खेल को प्रोत्साहित करने के लिए 4 से 7 जून तक राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप

2025 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के कुल 32 खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर संयुक्त खेल संचालक बी.एस. यादव विभागीय अधिकारी और स्नूकर खिलाड़ी उपस्थित थे। मंच का संचालन अंतरराष्ट्रीय कॉमेन्ट्रेटर दामोदर आर्य ने किया। 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 में अरबाज खान, मल्कित सिंह, शुभम जैन, मोहनीश, आर्यन तिवारी, उजेर खान और आकाश मालवीय विजयी हुए।

हेले मैथ्यूज की चोट से वेस्टइंडीज को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

लंदन। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। उन्हें पहले वनडे के दौरान डर्बी में फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी, जिसके चलते वे दूसरे मुकाबले से बाहर रहीं। अब उनकी यह चोट गंभीर हो गई है और वे गुरुवार को लंदन में विशेषज्ञ से परामर्श लेंगी। वेस्टइंडीज की महिला टीम के कोच शेन डिट्ज़ ने दूसरे वनडे में 143 रन की हार के बाद कहा, वह गुरुवार सुबह लंदन जा रही हैं, उम्मीद है कि हमें अच्छी खबर मिले। इंग्लैंड महिला टीम ने पहला वनडे 108 रन से जीतने के बाद अब तीसरे वनडे में जीत के साथ दौरे पर टी20 और वनडे दोनों सीरीज को क्लीन स्वीप करने का मौका बना लिया है। इंग्लैंड ने टी20 सीरीज पहले ही 3-0 से अपने नाम कर ली है। हेले मैथ्यूज ने टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनी थीं। उन्होंने 177 रन बनाए, जिसमें 137.20 की स्ट्राइक रेट और 88.50 की औसत रही। कैंटरबरी में उन्होंने नाबाद शतक जड़ा, जबकि चेल्म्सफोर्ड में 71 रन बनाने के साथ-साथ 3 विकेट भी लिए। पहले वनडे में मैथ्यूज के साथ 91 रन की साझेदारी करने वाली ओपनर कियाना जोसेफ भी दूसरे

मैच में बीमार होने के कारण नहीं खेल सकीं। कोच डिट्ज़ ने उनके तीसरे मैच में खेलने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा, वह बस में बहुत बीमार लग रही थीं, इसलिए उन्हें आराम के लिए वापस भेज दिया। उम्मीद है कि दो दिन में ठीक हो जाएंगी। दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज की ओर से 20 वर्षीय रीयलीना ग्रिमंड ने डेब्यू पर 53 रन की पारी खेली। वे दोनों ओपनर्स की गैरमौजूदगी में ज़ायडा जेम्स के साथ पारी की शुरुआत करने उतरीं। डिट्ज़ ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने यह दिखा दिया कि वे इस स्तर पर खेलने की काबिलियत रखती हैं। अगर उन्होंने मेहनत जारी रखी तो एक लंबा और सफल करियर उनका इंतजार कर रहा है। इसके अलावा जनीलिया ग्लासगो ने भी अपनी सिर्फ पांचवीं वनडे पारी में 24 गेंदों में 44 रन ठोंककर प्रभावित किया। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने लगातार दूसरे वनडे में शतकीय पारियां खेलीं। डर्बी में 222 रन की साझेदारी के बाद, लीसेस्टर में दोनों ने 202 रन जोड़े। जोन्स ने 98 गेंदों में 129 रन बनाए, जबकि ब्यूमोंट ने ठंड के बावजूद 109 गेंदों में 106 रन की पारी खेली। ब्यूमोंट ने जोन्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उस पर गर्व करती हूं कि उसने अपने पहले शतक के बाद इस पारी को और बेहतर अंदाज़ में दोहराया। हम दोनों की बैटिंग स्टाइल अलग है, जिससे गेंदबाजों को चुनौती मिलती है। इंग्लैंड ने 366 रन बनाए जो उनका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। इसके अलावा एम्मा लैम्ब ने 55 रन और सोफिया डंकली ने 19 गेंदों में 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। तीसरा और अंतिम वनडे टॉनटन में खेला जाएगा, जहां इंग्लैंड क्लीन स्वीप की कोशिश करेगा, जबकि वेस्टइंडीज

एक बटन दबाते ही एलियंस के बीच, ड्रेगन की सवारी, खजाने की खोज और न जाने क्या-क्या मजेदार चीजें। बोरियत से परेशान होकर जब तुम वीडियो गेम्स खेलना शुरू करते हो तो समय कब बीत जाता है तुम्हें पता ही नहीं चलता। तो आज इनके बारे में कई और बातें जान लो...

रोमांच से भरपूर वीडियो गेम्स

दोस्तों, वीडियो गेम बनने के पीछे काफी मेहनत होती है। अगली बार जब भी तुम वीडियो गेम ऑन करो, एक बार जरूर इनके बनने की प्रक्रिया के बारे में सोचना। कई महीनों की प्लानिंग और तैयारी, स्क्रिप्ट राइटिंग, कास्टिंग, कैरेक्टर डेवलपमेंट, कंप्यूटिंग पावर आदि के बाद वीडियो गेम बनकर तैयार होता है।

पहले बनती है कहानी

हर गेम किसी कहानी पर आधारित होता है। कभी-कभी गेम डिजाइनर्स अपने आइडियाज से ही गेम बनाने की शुरुआत कर देते हैं। एक बार जब विषय चुन लिया जाता है, फिर इसी स्टोरीबोर्ड पर कलाकार और लेखक काम करना शुरू कर देते हैं। इस स्टोरीबोर्ड में तकनीकी निर्देश और स्केच होते हैं, जिन्हें सीक्वेंस में सजाया जाता है और विजुअलाइजेशन फाइनल की जाती है।

फादर ऑफ वीडियो गेम

वर्ष 1951 में टेलीविजन सेट बनाने वाले इंजीनियर रॉल्फ बेयर के दिमाग में एक विचार आया कि अगर कोई गेमप्ले एलिमेंट टीवी से जोड़ दिया जाए तो काफी मजेदार होगा। पर उनके इस विचार से उनके बॉस सहमत नहीं हुए और इंकार कर दिया। उस वक्त तो बेयर ने भी इस प्लान को अपने दिमाग में ही दफना दिया, पर 15 वर्ष बाद न्यूयॉर्क सिटी के एक बस टर्मिनल पर बैठे-बैठे टीवी गेम्स के लिए कुछ आइडियाज उन्होंने नोट किए। पांच दिन के बाद इस पर योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू हुआ और करीब डेढ़ महीने बाद 20 अक्टूबर 1966 को वे अपने पहले वीडियो गेम का मजा ले रहे थे। सबसे पहले होम वीडियो गेम्स का आविष्कार करने वाले बेयर को ही वीडियो गेम्स का जनक यानी फादर कहा जाता है।

पहले के वीडियो गेम्स

सिक्के से चलने वाले वीडियो गेम्स वर्ष 1970 में आए, जिनमें कंप्यूटर स्पेस और पोंग ने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। अभी बाजार में पॉपुलर गेम कंसोल का बोलबाला है, जिसमें निनटेंडो वी, माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स 360 और सोनी प्लेस्टेशन 3 आते हैं।

बनाया रिकॉर्ड...

तुम भी तो वीडियो गेम के लिए पागल होगे। बंक मारकर वीडियो गेम खेला होगा जरूर...। मम्मी की डांट एक कान से सुन दूसरे से बाहर निकालना तो तुम्हारे लिए आम बात है। गिफ्ट्स में भी मिले होंगे ढेर सारे और खुद तो पॉकेटमनी से पता नहीं कितने ही खरीद डाले होंगे तुमने। लाइब्रेरी है क्या...वीडियो गेम्स की, अगर नहीं तो बना डालो न।

न्यूयॉर्क स्थित बफेलो निवासी 12 वर्षीय माइकल थॉमसन ने वीडियो गेम कॉस्मिक एवेंजर खरीदा था। पहला वीडियो गेम उपहार के रूप में दादा-दादी ने दिया, फिर तो न जाने कितने ही खरीद लिए उन्होंने। चाहे वह कैसेट, कार्टिज या लेजर डिस्क के रूप में हो या फिर कन्सोल में। उनके पास एक्सबॉक्स, प्लेस्टेशन्स, कैसीनो लूपी जैसे गेम्स भी हैं। आज युवा माइकल के पास 10,607 वीडियो गेम का कलेक्शन है। उन्होंने बफेलो स्थित अपने घर के बेसमेंट में वीडियो गेम की लाइब्रेरी बना ली है। जब गिनीज बुक संस्था को यह पता चला तो वहां के अधिकारी माइकल की लाइब्रेरी में आए और उन्हें गेमिंग एडीशन में विश्व रिकॉर्ड बनाने का सर्टिफिकेट सौंपा।

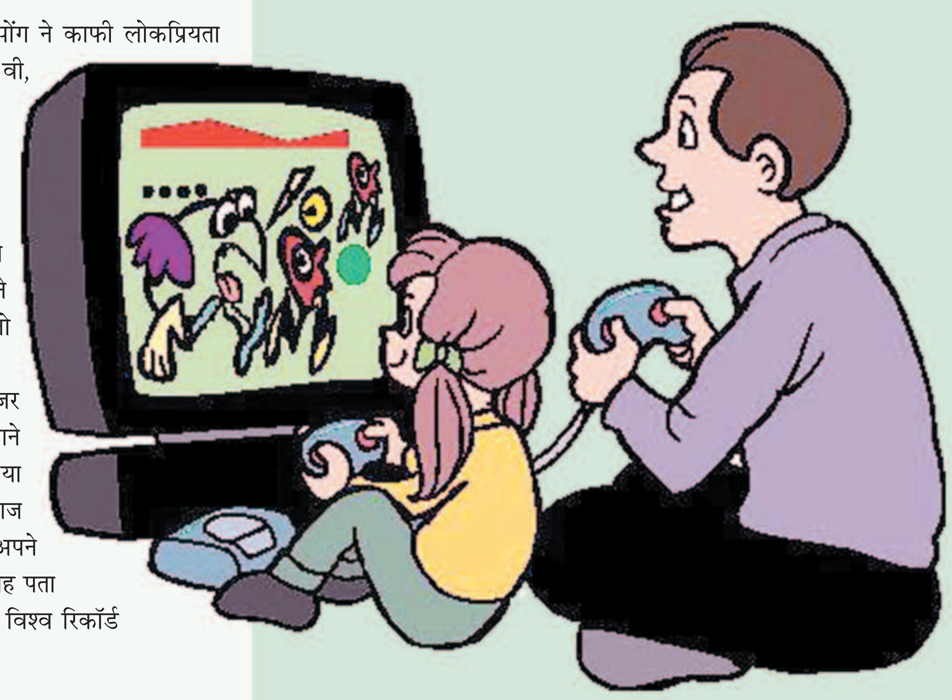

2डी व 3डी वीडियो गेम

2डी और 3डी का मतलब समझते होगे तुम... 2डी यानी 2 डाइमेंशनल जिसमें चौड़ाई और लंबाई हो, पर 3डी इमेज की गहराई यानी 3 डाइमेंशनल तस्वीर दिखाती है, जो बिल्कुल सच लगती है। 2डी गेम्स बस एक ड्राइंग की तरह होती है, जबकि 3डी इमेज की तुलना हम किसी भी स्कल्पचर से आसानी से कर सकते हैं। गेम्स की दुनिया में 3डी तकनीक को इसीलिए अपनाया गया ताकि प्लेयर्स इस रियलिटी वर्ल्ड में जा सकें। 3डी गेम्स में अवतार को तुम ज्वॉयस्टिक से कंट्रोल कर सकते हो, जबकि 2डी में अवतारों को नियंत्रित करने के लिए केवल डिजिटल पैड्स होते हैं।

3डी गेम्स को खेलते समय तुम उसी दुनिया में खुद को महसूस करोगे, क्योंकि यह बिल्कुल रियल इमेज बनाती है, जबकि 2डी गेम्स में प्लेयर्स को बस एक फ्लैट धरातल होता है और उतनी गहराई नहीं होती है।

प्ले स्टेशन ने बदली दुनिया

कुछ साल पहले लॉन्च हुए इस सिस्टम का जादू सभी के सिर चढ़कर बोला। करोड़ों में इसकी यूनिट की खरीदारी हुई। बड़ी स्क्रीन, शानदार मल्टीमीडिया सिस्टम और वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी इसकी खासियत हैं। इसे लगभग हर प्ले स्टेशन के साथ खेला जाता है। मॉन्स्टर हंटर फ्रीडम 3 इसका सबसे लोकप्रिय गेम है, जिसकी 50 लाख से अधिक कॉपी बिक चुकी हैं। इसके शानदार पिक्सल हैं, साथ ही बड़े स्क्रीन के कारण गेम का मजा दोगुना हो जाता है।

वीडियो गेम अच्छा या बुरा

वीडियो गेम की यात्रा यूनिवर्सिटी से प्रयोगशालाओं और फिर हमारे लिविंग रूम तक पहुंच गई है। प्रतिदिन खेलते हो न वीडियोगेम? एक शोध से यह सामने आया है कि जो बच्चे हर रोज एक घंटे से कम समय के लिए वीडियो गेम खेलते हैं, वे गेम नहीं खेलने वाले बच्चों की तुलना में किसी माहौल में आसानी से ढल जाते हैं। लेकिन जो बच्चे तीन घंटे से ज्यादा समय वीडियो गेम्स को देते हैं, उनमें अच्छा विकास नहीं देखा गया है। वे मिलनसार नहीं होते हैं।

कितनी तरह की गेमिंग

तुम जितने भी गेम खेलते हो, वे गेमिंग सिस्टम दो तरह के होते हैं। पहला पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम और दूसरा होता है गेमिंग कंसोल सिस्टम। पोर्टेबल गेमिंग सिस्टम वो होता है, जिसे स्मार्ट फोन या टैबलेट कंप्यूटर पर खेला जाता है। इन्हें किसी कंप्यूटर या किसी अन्य डिवाइस से जोड़ने की जरूरत नहीं होती। हां, हम जानते हैं इसकी छोटी स्क्रीन तुम्हें कभी-कभी अच्छी नहीं लगती। मगर ये भी तो देखो कि इसकी पिक्चर क्वालिटी कितनी अच्छी होती है और साउंड इफेक्ट कितना जानदार होता है। रेंजर स्विच ब्लेड, वाई यू, पोर्टेबल निटेंडो आदि इसी तरह के गेमिंग सिस्टम हैं। पोर्टेबल गेमिंग कंसोल गेम की कीमत 3 हजार से शुरू होती है। गेमिंग कंसोल सिस्टम में तुम बड़ी स्क्रीन का फायदा उठा सकते हो यानी कि इसे टीवी के साथ जोड़ सकते हो। इसके कंसोल में चाहो तो डिस्क लगा सकते हो या फिर खास तरह के कैसेट भी। अब नए जमाने के कंसोल मेमोरी कार्ड का विकल्प भी लिए हुए हैं।

बिना चश्मे खेलो और नचाओ...

इन दिनों निटेंडो 3 की धूम है, जिसमें ऑटोस्टीरियोस्कोपिक तकनीक के जरिए 3डी इफेक्ट पैदा किया गया है और वह भी बिना चश्मा पहने। इसके निंटेंडॉग्स एंड कैट्स तथा लेजेंड्स ऑफ जेल्डा जैसे गेम बहुत लोकप्रिय हैं। वहीं तुम गेम को अपनी उंगलियों पर नचा सकते हो काइनेक्ट से। इसे एक्स बॉक्स 360 के साथ जोड़कर इस्तेमाल किया जाता है। माइक्रोसॉफ्ट का काइनेक्ट एक मोशन सेंसिंग इनपुट डिवाइस है। इसमें सेंसर डिवाइस का मतलब है अपने आस-पास की हरकतों को समझने वाली मशीन। मार्च 2011 में लॉन्च किए जाने के बाद से इसने वीडियो गेमिंग की दुनिया बदलकर रख दी है। वजह यह है कि इसे इस्तेमाल करने के बाद गेम खेलने के लिए किसी स्टिक का इस्तेमाल करने या कंसोल के बटन दबाने की जरूरत नहीं रह जाती। किसी भी गेम को खेलने के लिए अपने हाथ-पैरों से इशारा कीजिए, सेंसिंग डिवाइस तुम्हारी गतिविधियों से ही कमांड ले लेगा।

बड़े पेड़ को भी गिरा सकता चिड़िया का घोंसला!

शायद ही आप कल्पना कर पाएं कि चिड़िया का घोंसला भी पेड़ों के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन गौरेया प्रजाति की एक चिड़िया ऐसा घोंसला बनाती है जो किसी विशाल पेड़ को गिरा सकता है? निश्चित ही आप इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे होंगे। वास्तव में अफ्रीका में पाई जाने वाली चिड़ियों की एक प्रजाति का सामाजिक ताना बाना इतना सघन होता है और वे मिलकर इतने विशाल घोंसले का निर्माण करती हैं कि कई बार पेड़ उसके भार से गिर जाते हैं। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में पाई जाने वाली गौरेया प्रजाति की यह चिड़िया झुंड में रहते हुए अपने लिए एक ही घोंसला बनाती है। ठीक वैसे ही जैसे इंसान कॉलोनी बसाते हैं। एक घोंसले में 500 चिड़ियों का समूह रह सकता है। इन घोंसलों के आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका वजन 900 किलो से भी ज्यादा हो सकता है। कई बार इन घोंसलों की लंबाई 20 फुट और चौड़ाई 13 फुट तक होती है। इसकी मोटाई भी सात फुट तक होती है। सोशल वीवर यानी सामाजिक बुनकर नाम से जानी जाने वाली ये चिड़ियाएं घोंसले के अंदर घास, पंख और रूई इत्यादि का उपयोग कर अलग-अलग कमरों का निर्माण करती हैं। सर्दियों में एक कमरा तीन से चार पक्षियों को गर्म स्थान प्रदान करता है। बारिश का पानी भी घोंसले में नहीं ठहरता। इन चिड़ियाओं के घोंसले की एक और बात बेहद दिलचस्प है, वो यह है कि घोंसले के अंदर बने कमरे कभी भी आपस में जुड़े नहीं होते। हर कमरे में जाने का अलग रास्ता होता है। इस तरह बड़े झुंड में इन चिड़ियाओं के रहने का एक मुख्य कारण सुरक्षा है। झुंड में रहने से किसी शिकारी का खतरा कम होता है।

पेड़-पौधे भी करते हैं बातें!

मनुष्यों की तरह पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं। एक वैज्ञानिक ने खोज के तहत पौधों के बीच संचार के एक नए रूप की खोज की है, जिसमें वे एक दूसरे के साथ असाधारण अनुवांशिक जानकारियों को साझा करते हैं। वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड लाइफ साइंस के प्रोफेसर जिम वेस्टवुड ने कहा, कि इस खोज से विश्व के निर्धन देशों में फसलों पर कहर बरपा रहे परजीवी घासों से भी लड़ने में मदद मिलेगी। वेस्टवुड ने एक परजीवी पौधा दोदर और उसके दो पोषक पौधों अरबिडॉप्सिस और टमाटर के बीच के संबंधों की पड़ताल की। दोनों प्रजातियों के बीच आरएनए के परिवहन की जानकारी उन्हें पहले ही हो चुकी थी। नए अध्ययन में उन्होंने पाया कि इस परजीवी संबंध के दौरान पोषक पौधे और परजीवी पौधे के बीच हजारों संदेशवाहक (एम) आरएनए अणुओं का आदान-प्रदान होता है, जिसके माध्यम से दोनों प्रजातियों के बीच खुली बातचीत संभव हो पाती है। इस आदान-प्रदान द्वारा परजीवी पोषक पौधे की गतिविधियों पर नियंत्रण कर लेता है। इस तरह वह परजीवी से लड़ने

की पौधे की सुरक्षा शक्ति को खत्म कर देता है और आसानी से पौधे पर नियंत्रण कर उसे खत्म कर देता है। वेस्टवुड ने कहा, कि अंतरजीवी संपर्क की खोज से पता चलता है कि हम जितना सोच रहे थे, उससे ज्यादा ही गतिविधियां होती हैं। उन्होंने कहा, कि खोज की सबसे बड़ी बात यह है कि इससे फसल को नुकसान पहुंचाने वाले परजीवियों के खात्मे में मदद मिल सकती है।

बढ़ाओ ज्ञान... एक क्लिक पर

दोस्तों, पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अगर एक ही जगह बैठे-बैठे तुम्हें देश-दुनिया के बारे में भी दिलचस्प जानकारी मिल जाए तो कितना बेहतर होगा। हम तुम्हें आज एक ऐसी ही वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां क्लिक करते ही तुम्हें पढ़ाई में मदद मिलने के साथ-साथ देश-दुनिया के बारे में भी ढेर सारी जानकारियां मिल जाएंगी। कैसे, बता रहे हैं -

क्यूरिओसिटी डॉट डिस्कवरी डॉट कॉम नामक एक वेबसाइट जानकारियों का खजाना है। इस वेबसाइट पर इतना कुछ है कि तुम नई-नई चीजों के बारे में पढ़ते हुए और सर्च करते हुए थक जाओगे, लेकिन यहां पर नई-नई जानकारियां खत्म होने का नाम नहीं लेंगी। वेबसाइट पर क्लिक करते ही तुम्हें लोगों, जानवरों और दुनिया की तमाम खास जगहों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिल जाएगी। इनके बारे में पढ़ने से तुम्हें मजेदार तथ्यों के बारे में जानने को तो मिलेगा ही, तुम्हारे ज्ञान में भी काफी बढ़ोतरी होगी, जो भविष्य में तुम्हारे काफी काम आएगी।

हर विषय की है जानकारी

तुम जैसे स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स के लिए इस वेबसाइट पर तुम्हारे विषय से संबंधित भी काफी जानकारी है। बात चाहे गणित के सवाल हल करने की हो या फिर इतिहास के बारे में रोचक तथ्य जानने की या फिर भूगोल की अहम जानकारियां। ये सभी एक क्लिक पर तुम्हें आसानी से मिल जाएंगी। इन सबके अलावा विज्ञान के प्रोजेक्ट और अंतरिक्ष में हो रही हलचल के बारे में भी रोचक जानकारियों का खजाना है यह वेबसाइट।

सत्यमेव जयते

जम्मू और कश्मीर में प्रगति का नया दौर

लगभग ₹44,000 करोड़
की रेल परियोजनाओं का उपहार

चिनाब ब्रिज
(दुनिया का सबसे ऊँचा रेल आर्च ब्रिज)
- 359 मीटर ऊँचा, 1,315 मीटर लम्बा एवं 467 मीटर का आर्च स्पैन
- जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले के कौरी एवं बक्कल एरिया को जोड़ने वाला ब्रिज

अंजी ब्रिज
(भारत का पहला केबल स्टेड रेल ब्रिज)
- 725 मीटर लंबा, 290 मीटर का मुख्य स्पैन
- जम्मू और कश्मीर के कटड़ा एवं रियासी जिलों को जोड़ने वाला ब्रिज
- 193 मीटर ऊँचे एकमात्र विशाल पायलन से जुड़ी 96 केबल्स

का उद्घाटन

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना
- जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली हर मौसम के अनुकूल उन्नत रेल कनेक्टिविटी
- कुल लम्बाई 272 किमी जिसमें टी-50 सुरंग (भारत की सबसे लंबी संचालित सुरंग) सहित 36 सुरंगें और 943 पुल शामिल हैं

का राष्ट्र को समर्पण

2 वंदे भारत ट्रेनों
श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर एवं श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
- श्रीनगर के लिए पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन
- पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा
- कटरा से श्रीनगर तक की यात्रा लगभग 3 घंटों में संभव

का शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

नितिन जयराम गडकरी
केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

डॉ. जितेंद्र सिंह
केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री

वी. सोमन्ना
केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री

रवनीत सिंह
केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री

मनोज सिन्हा
उपराज्यपाल, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर एवं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष

उमर अब्दुल्ला
मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर

सुरिंदर कुमार चौधरी
उपमुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर

जुगल किशोर
सांसद (लोकसभा) जम्मू

आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी
सांसद (लोकसभा) श्रीनगर

गुलाम अली
सांसद (राज्यसभा)

शुक्रवार, 6 जून, 2025 | प्रातः 11:00 बजे | श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कटरा (स्टेडियम)

भारतीय रेल

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर देखें
www.indianrailways.gov.in
/RailMinIndia पर हमें फॉलो करें